RNI NO. HARHIN/2018/75109
वर्ष 3 अंक 223
फरीदाबाद, मंगलवार, 22 सितंबर, 2020
पृष्ठ 12, मूल्य 3 रुपये
नगर संस्करण

फरीदाबाद, नई दिल्ली, लखनऊ और रायपुर से प्रकाशित

# पायनियर

ई-पेपर www.pioneerhindi.com पर पढ़िए YouTube सब्सक्राइब करें Pioneer Haryana

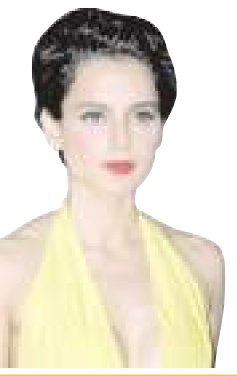

सभी फिल्म सिटीज की हो एक सामूहिक पहचान : कंगना

फिल्मी -10

## कोरोना मीटर

**विश्व**

| | |
|---|---|
| कुल | 31,110,407 |
| मौतें | 961,544 |
| ठीक | 21,285,899 |

**भारत**

| | |
|---|---|
| कुल | 55,26,538 |
| मौतें | 88,379 |
| ठीक | 44,44,462 |

स्रोत: www.covid19india.org

## मौसम फरीदाबाद

अधिकतम 37.04°C
न्यूनतम 27.01°C

## क्विक न्यूज

### रॉयल चैलेंजर्स बेंगलोर के पांच विकेट पर 163 रन

**दुबई।** रॉयल चैलेंजर्स बेंगलोर ने पहले बल्लेबाजी का न्योता मिलने पर सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) मैच में सोमवार को पांच विकेट पर 163 रन बनाए। बेंगलोर की तरफ से देवदत्त पडिक्कल ने सर्वाधिक 56, जबकि एबी डिविलियर्स ने 51 रन बनाए।

● विस्तृत खबर पेज-11

### विदेशी अभिदाय विनियमन संशोधन विधेयक को मंजूरी

**नई दिल्ली।** लोकसभा ने सोमवार को विदेशी अभिदाय विनियमन संशोधन विधेयक 2020 को मंजूरी दे दी, जिसमें एनजीओ के पंजीकरण के लिए पदाधिकारियों का आधार नंबर जरूरी होने और लोक सेवक के विदेशों से रकम हासिल करने पर पाबंदी का प्रावधान किया गया है। चर्चा के दौरान कांग्रेस सहित कई विपक्षी दलों के सदस्यों ने आरोप लगाया कि सरकार इस संशोधन विधेयक के माध्यम से गैर सरकारी संगठनों (एनजीओ) का गला घोंटना चाहती है। उनका आरोप है कि इसके माध्यम से सरकार का इरादा परमार्थ के कार्य पर लाइसेंस राज, नौकरशाही का नियंत्रण लाने का है और यह अल्पसंख्यकों के खिलाफ है।

### सुरक्षाबलों और आतंकियों के बीच मुठभेड़, जवान घायल

**श्रीनगर।** बडगाम जिले में सुरक्षाबलों और आतंकियों के बीच सोमवार को हुई मुठभेड़ में सीआरपीएफ का एक जवान घायल हो गया। पुलिस ने बताया कि मध्य कश्मीर के चरार-ए-शरीफ के नवाद इलाके में आतंकियों की मौजूदगी की सूचना मिलने के बाद इलाके को घेरकर तलाशी अभियान शुरू किया गया। इस दौरान आतंकियों ने गोलीबारी शुरू कर दी, जिसके बाद मुठभेड़ शुरू हो गई।

### उड़ान 4.0 के पहले चरण के तहत 78 नए मार्गों की पहचान

**नई दिल्ली।** कोरोना संकट के बीच नागर विमानन मंत्रालय ने 78 नए रूटों पर उड़ान सेवा शुरू करने की अनुमति दी है। यह उड़ान 4.0 यानी उड़ान योजना का चौथा चरण है। नागर विमानन मंत्रालय ने बताया कि उड़ान 4.0 के पहले चरण के तहत 78 नए मार्गों की पहचान और अनुमोदन किया गया है। भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण, कार्यान्वयन एजेंसी, इन मार्गों को चयनित एयरलाइन ऑपरेटरों को देने की प्रक्रिया में हैं।

### सीबीआई में 1,300 से अधिक पद खाली: सरकार

**नई दिल्ली।** सरकार ने सोमवार को लोकसभा में कहा कि सीबीआई में कर्मचारियों की कुल स्वीकृत संख्या 7,273 है और 1,300 से अधिक पद खाली हैं। कार्मिक राज्य मंत्री जितेंद्र सिंह ने लोकसभा में एक प्रश्न के लिखित उत्तर में कहा कि स्वीकृत पदों में से 5,944 भरे हुए हैं और 1,329 खाली हैं। उन्होंने कहा कि सभी श्रेणियों में तेजी से पदों को भरने के लिए सक्रियता के साथ प्रयास किए जाते हैं।

विज्ञापन के लिए करें संपर्क
Rakesh Kapoor 9582468441

## अहम जिम्मेदारी: पहली बार युद्धपोत पर तैनात होंगी महिला अधिकारी

एजेंसी। नई दिल्ली

**भारतीय** नौसेना ने पहली बार हेलीकॉप्टर स्ट्रीम में दो महिलाओं को तैनात करने का फैसला किया है। सब लेफ्टिनेंट कुमुदिनी त्यागी और सब लेफ्टिनेंट रीति सिंह को 'ऑब्जवर्स' (एयरबोर्न टैक्टिशियंस) के रूप में तैनाती दी गई है। फ्रंटलाइन वॉरशिप्स में महिलाओं की यह पहली तैनाती होगी। वहीं नौसेना में अब तक महिला अफसरों को फिक्स्ड विंग एयरक्राफ्ट तक सीमित रखा गया था।

महिला अफसरों को जंगी जहाजों पर तैनाती की खबर ऐसे वक्त में सामने आई है, जब भारतीय वायुसेना ने भी महिला लड़ाकू पायलट को राफेल विमानों की फ्लीट को ऑपरेट करने के लिए शॉर्टलिस्ट किया है। इंडिया टुडे की एक रिपोर्ट के मुताबिक, अंबाला में भारतीय वायुसेना के राफेल स्क्वॉड्रन को पहली महिला फाइटर पायलट जल्द मिल जाएगी। वायुसेना की 10 महिला फाइटर पायलट प्रशिक्षण से गुजर रही हैं। इनमें से एक 17 स्क्वाड्रन के साथ राफेल जेट उड़ाएगी। 10 सितंबर को अंबाला में 5 राफेल एयरक्राफ्ट को भारतीय वायुसेना में शामिल किया गया था। भारत ने फ्रांस से 36 राफेल जेट खरीदे हैं। इनमें पांच भारत आ चुके हैं। बाकी 2021 के आखिर तक भारतीय वायुसेना के हिस्सा होंगे।

### 17 अफसरों को किया विंग्स से सम्मानित

डिफेंस स्टेटमेंट में बताया गया कि दोनों महिलाओं ने नौसेना के 17 अधिकारियों के एक समूह का हिस्सा हैं, जिनमें चार महिला अधिकारी और भारतीय तटरक्षक के तीन अधिकारी शामिल हैं, जिन्हें सोमवार को आईएनएस गरुड़ में आयोजित एक समारोह में 'ऑब्जर्वर्स' के रूप में तैनाती को लेकर 'विंग्स' से सम्मानित किया गया। ग्रुप में नियमित बैच के 13 अधिकारी और शॉर्ट सर्विस कमीशन बैच की चार महिला अधिकारी शामिल थीं। समारोह की अध्यक्षता चीफ स्टाफ ऑफिसर (ट्रेनिंग) रियर एडमिरल एंटनी जॉर्ज ने की, जिन्होंने अधिकारियों को पुरस्कार और प्रतिष्ठित 'विंग्स' भेंट किए।

## आजमगढ़: चार्टर्ड एयरक्राफ्ट क्रैश, ट्रेनी पायलट की मौत

**आजमगढ़ (यूपी)।** जिले में सोमवार सुबह करीब 11 बजे खराब मौसम के कारण एक चार्टर्ड एयरक्राफ्ट क्रैश हो गया। पायलट पैराशूट लेकर कूदा था, लेकिन उसकी जान नहीं बच पाई।

क्रैश होने से एयरक्राफ्ट के छोटे-छोटे टुकड़े हो गए, और मलबा कई खेतों में फैल गया। पायलट का शव एयरक्राफ्ट के मलबे से करीब 300 मीटर की दूरी पर मिला। क्रैश होने की आवाज सुन ग्रामीण घटनास्थल की ओर दौड़ पड़े। विमान रायबरेली के इंदिरा गांधी राष्ट्रीय उड़ान अकादमी से सुबह नौ बजे उड़ा था। 11 बजे तक वाराणसी के लाल बहादुर शास्त्री अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे की रडार पर था, इसके बाद संपर्क टूट गया था। पायलट की पहचान कोणार्क शरन (21) के रूप में हुई है। वह हरियाणा के पलवल जिले के रहने वाले थे।

**पैराशूट लेकर कूदा, नहीं बची जान**

### राज्यसभा: सभापति वेंकैया ने हंगामा करने वाले सांसदों पर की कार्रवाई

# आठ विपक्षी सांसद पूरे सत्र के लिए निलंबित, धरने पर बैठे

एजेंसी। नई दिल्ली

**राज्यसभा** सभापति वेंकैया नायडू ने सोमवार को 8 विपक्षी सांसदों को सदन की कार्यवाही से पूरे सत्र के लिए निलंबित कर दिया है। रविवार को कृषि से जुड़े दो विधेयक सदन में पास हुए थे। जिन सांसदों को निलंबित किया गया, उनमें डेरेक ओ-ब्रायन, राजीव सातव, संजय सिंह, केके रागेश, रिपुन बोरा, डोला सेन, सैयद नजीर हुसैन और इलामारन करीम हैं। उधर, सभी निलंबित सदस्य संसद परिसर स्थित गांधी प्रतिमा पर रात भर धरना देंगे। वे गाना गाकर विरोध जताते दिखे।

सभापति वेंकैया ने उपसभापति हरिवंश पर कार्रवाई की मांग को खारिज कर दिया। कृषि मंत्री के जवाब पर बहस की मांग खारिज होने पर 12 विपक्षी दलों ने रविवार को हरिवंश के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव का नोटिस दिया था। नायडू ने विपक्ष के हंगामे पर कहा कि रविवार को राज्यसभा के लिए बुरा दिन था, जब कुछ सदस्य सदन के वेल में आए। कुछ सांसदों ने पेपर को फेंका। माइक तोड़ दिया। रूल बुक को फेंका गया। उपसभापति को धमकी दी गई। उन्हें उनका कर्तव्य निभाने से रोका गया। यह दुर्भाग्यपूर्ण और निंदनीय है। मैं सांसदों को सुझाव देता हूं, कृपया कुछ आत्मनिरीक्षण करें।

### ममता ने जताया विरोध

पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने ट्वीट किया, '8 सांसदों को निलंबित किया जाना दुर्भाग्यपूर्ण है। ये सरकार के तानाशाही रवैये को दिखाता है। इससे यह भी पता चलता है कि सरकार का लोकतांत्रिक मूल्यों में विश्वास नहीं है। हम फासिस्ट सरकार के खिलाफ संसद और सड़क पर लड़ते रहेंगे।'

### विपक्ष ने क्या कहा

टीएमसी सांसद सुखेंदु शेखर रे सांसदों के निलंबन पर कहा, कि कई सदस्यों द्वारा कृषि विधेयक में संशोधन पर विचार नहीं किया गया और तथाकथित ध्वनि मत के जरिए इसे पास कर दिया गया। इस मामले में अध्यक्ष की भूमिका पूर्ववर्ती 'पक्षपातपूर्ण', अभूतपूर्व और गैरकानूनी थी। यदि संवैधानिक प्राधिकारी राज्यसभा अध्यक्ष नियमों के अनुसार कार्य नहीं करेंगे तो देश फासीवाद की तरफ भले ही न बढ़े, लेकिन इसका बहुसंख्यकवाद का शिकार होना तय है।

### विपक्षी दलों ने राष्ट्रपति कोविंद से मिलने का मांगा समय

कांग्रेस सांसद शक्तिसिन्ह गोहिल ने कहा, 'रविवार को मतदान के बिना राज्यसभा द्वारा पारित कृषि विधेयकों के मामले में 12 दलों ने राष्ट्रपति से मिलने का समय मांगा है। पार्टियों ने राष्ट्रपति से अनुरोध किया है कि वे विधेयकों को मंजूरी न दें।'

**यथास्थिति बहाली तक करेंगे विरोध:** कांग्रेस सांसद और लोकसभा में नेता-प्रतिपक्ष अधीर रंजन चौधरी ने कहा, 'मैं राज्यसभा सदस्यों के इस तरह के बर्बर और अलोकतांत्रिक तरीके से निष्कासन की निंदा करता हूं। हम राज्यसभा में अपने सदस्यों की यथास्थिति बहाली होने तक विरोध करेंगे।'

**देश को गुमराह कर रहे हैं मोदी जी और उनके मंत्री:** आप के राज्यसभा सांसद संजय सिंह ने कहा, 'मोदी जी और उनके मंत्री देश को गुमराह करने में मास्टर हैं। सब चिल्ला-चिल्ला कर कहेंगे न्यूनतम समर्थन मूल्य खत्म नहीं होगा लेकिन जब पूछोगे कानून में क्यों नही लिखा? तो 'गजनी मोड' में चले जाएंगे। कानून में मोदी जी ने एमएसपी खत्म कर दी है।'

## बड़ा हादसा : महाराष्ट्र के भिवंडी में तीन मंजिला इमारत गिरी, 13 की मौत

एजेंसी। ठाणे

**ठाणे** स्थित भिवंडी नगर में सोमवार तड़के तीन मंजिला एक इमारत के गिर जाने से 13 लोगों की मौत हो गई। अभी भी मलबे में 20 लोगों के फंसे होने की आशंका है। स्थानीय नागरिकों ने 19 लोगों को बाहर निकाला। एनडीआरएफ की टीम राहत और बचाव कार्य में जुटी है। मलबे से एक बच्चे को निकाला गया।

हादसा सोमवार तड़के 3.40 बजे हुआ। इस समय ज्यादातर लोग सो रहे थे। बताया जाता है कि मुंबई में पिछले दिनों हुई भारी बारिश की वजह से बिल्डिंग कमजोर हो चुकी थी। इसमें 21 परिवार रहते थे। शुरुआती जानकारी के मुताबिक, बिल्डिंग 1984 में बनी थी। एनडीआरएफ की टीम ने सोमवार सुबह मलबे से एक बच्चे को सुरक्षित निकाल लिया। एनडीआरएफ के महानिदेशक एसएन प्रधान ने बताया कि टीमें मलबे में फंसे लोगों का पता लगाने के लिए एक श्वान दस्ते का इस्तेमाल कर रही हैं। एक प्रत्यक्षदर्शी ने बताया कि इमारत के गिरने के तत्काल बाद निवासी मौके पर पहुंचे और लोगों को मलबे से निकालने में मदद की। एहतियात के तौर पर क्षेत्र में बिजली की आपूर्ति रोक दी गई है। अधिकारी ने बताया कि घायलों को अस्पतालों में भर्ती कराया गया है। भिवंडी के पुलिस उपायुक्त राजकुमार शिंदे ने बताया कि इमारत गिरने के बाद नगर निकाय के अधिकारियों की शिकायत पर इमारत के मालिक सैय्यद अहमद जिलानी के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई है।

### मृतकों के परिजनों को पांच-पांच लाख का मुआवजा

ठाणे के प्रभारी मंत्री एकनाथ शिंदे ने कहा कि इमारत गिरने की जांच की जाएगी। उन्होंने घटनास्थल का दौरा किया और प्रत्येक मृतक के परिवार को पांच-पांच लाख रुपये का मुआवजा देने की घोषणा की। उन्होंने कहा कि भिवंडी में 102 खतरनाक इमारतों को पहले ही खाली करा लिया गया है। मुख्यमंत्री कार्यालय के अनुसार महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे ने इमारत के गिरने पर दुख व्यक्त किया और प्रशासन को ठीक से बचाव कार्य करने और घायलों के इलाज का निर्देश दिया।

### राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री ने शोक जताया

राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने हादसे पर दुख जताया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ट्वीट किया, 'मेरी संवेदनाएं पीड़ित परिवारों के साथ हैं। घायलों के जल्द स्वस्थ होने की कामना करता हूं। रेस्क्यू ऑपरेशन जारी है। प्रभावित लोगों को हरसंभव सहायता देने की कोशिशें की जा रही हैं।'

फरीदाबाद के बड़ौली में अंग्रेजों के जमाने का बना पुल गिरा >> पेज 2

### जीवाणुजनित बीमारी पर रोक लगाने के लिए नया उत्पाद विकसित

**चेन्नई।** केंद्रीय खारा जलजीव पालन अनुसंधान संस्थान (सीआईबीए) ने सोमवार को कहा कि झींगा पालन के समय उत्पन्न होने वाली जीवाणुजनित बीमारियों पर प्रभावी रोक के लिए उसने एक नया उत्पाद विकसित किया है। यह उत्पाद जीवाणु से पैदा होने वाली विशिष्ट बीमारी को ही निशाना बनाता है। यह उत्पाद जीवाणुभोजी विषाणु पर आधारित है। भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद द्वारा स्थापित सीआईबीए ने एक प्रेस विज्ञप्ति में कहा कि ये जीवाणुभोजी विषाणु झींगा पालन से संबंधित गुणवत्तापूर्ण बीजों के उत्पादन में मदद करेंगे, जो एंटीबायोटिक्स से मुक्त होंगे।

## देश के पहले पेपर-स्ट्रिप कोरोना टेस्ट 'फेलुदा' को मंजूरी

**नई दिल्ली।** भारत में ड्रग रेगुलेटर ड्रग्स कंट्रोलर जनरल ऑफ इंडिया ने 30 मिनट से कम समय में कोविड-19 की सटीक टेस्ट रिपोर्ट देने वाले सस्ते पेपर-बेस्ड टेस्ट स्ट्रिप को मंजूरी दे दी है। इसे काउंसिल ऑफ साइंटिफिक एंड इंडस्ट्रियल रिसर्च (सीएसआईआर) और टाटा ग्रुप की रिसर्च टीम ने डेवलप किया है। इस टीम का नेतृत्व डॉ. देबज्योति चक्रबर्ती और सौविक मैत्री कर रहे थे। इसका नाम फिल्ममेकर सत्यजीत रे के काल्पनिक जासूसी चरित्र फेलुदा के नाम पर रखा गया है।

फेलुदा FNCAS9 Editor Linked Uniform Detection Assay का शॉर्टफॉर्म है। यह स्वदेशी सीआरआईएसपीआई जीन-एडिटिंग टेक्नोलॉजी पर आधारित है। यह कोरोना वायरस के जेनेटिक मटेरियल को पहचानता है और उसे ही टारगेट करता है। यह टेस्ट उतना ही सटीक है जितना आरटी-पीसीआर टेस्ट। अब तक पूरी दुनिया में आरटी-पीसीआर टेस्ट को ही कोरोना के डायग्नोसिस में गोल्ड स्टैंडर्ड समझा जा रहा है। अंतर यह है कि फेलुदा के नतीजे जल्द आते हैं और इसमें इस्तेमाल होने वाला डिवाइस बेहद सस्ता है।

## गेहूं का समर्थन मूल्य 50 रुपये क्विंटल बढ़ा

**नई दिल्ली।** केंद्र सरकार ने सोमवार को संसद में किसानों को बड़ी सौगात देते हुए गेहूं सहित छह रबी की फसलों पर न्यूनतम समर्थन मूल्य बढ़ा दिया है। केंद्रीय मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर ने लोकसभा में इसकी घोषणा की।

कृषि मंत्री ने कहा, 'रबी की बुआई शुरू होने से पहले ही सरकार ने छह रबी की फसलों की एमएसपी बढ़ा दी है। पीएम नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में आर्थिक मामलों की मंत्रिमंडल समिति (सीसीईए) की बैठक में इसको मंजूरी दी गई है। गेहूं की एमएसपी 50 रुपये प्रति क्विंटल की वृद्धि के साथ 1975 रुपये हो गई है। चने में 225 रुपये की वृद्धि के बाद एमएसपी 5100 प्रति क्विंटल होगा। मसूर में 300 रुपये प्रति क्विंटल की वृद्धि के बाद 5100 रुपये क्विंटल होगा। सरसों में 225 रुपये का इजाफा किया गया है और अब इसकी एमएसपी 4600 प्रति क्विंटल है। जौ में 75 रुपये की वृद्धि की गई है और किसानों से 1600 रुपये प्रति क्विंटल खरीद होगी। कुसुम में 112 रुपये की वृद्धि के बाद एमएसपी 5327 रुपये होगी।'

### बिहार : पीएनबी शाखा से 19 लाख की लूट

**हाजीपुर।** बिहार के वैशाली जिला के गंगाब्रिज थाना अंतर्गत सहदुल्लाह पुर गांव में पंजाब नेशनल बैंक की एक शाखा से अज्ञात अपराधियों ने सोमवार को दिन-दहाड़े 19 लाख रुपये की लूटपाट की। पुलिस अधीक्षक मनीष कुमार ने बताया कि सीसीटीवी फुटेज के आधार पर अपराधियों की पहचान की जा रही है।

### वित्तीय सेवा विभाग की भूमिका कम करने की जरूरत: रघुराम राजन

**नई दिल्ली।** रिजर्व बैंक के पूर्व गवर्नर रघुराम राजन ने सोमवार को बैंकों के कामकाज में सुधार और क्षेत्र में तीव्र वृद्धि के लिए चुनिंदा सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों का निजीकरण करने, फंसे कर्ज से निपटने के लिए बैड बैंक बनाने और वित्तीय सेवा विभाग की भूमिका को कम करने का सुझाव दिया।

राजन और रिजर्व बैंक के पूर्व डिप्टी गवर्नर विरल आचार्य ने इंडियन बैंक्स: एक टाइम टू रिफार्म शीर्षक से लिखे एक दस्तावेज में कहा कि बैंकों में वृद्धि सुनिश्चित करने के लिए सुधार जरूरी है। इसमें कहा गया है, चुनिंदा सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों का निजीकरण सावधानीपूर्वक विचार कर तैयार रणनीति के तहत किया जा सकता है। इसमें ऐसे निजी निवेशकों को लाना चाहिए जिनके पास वित्तीय विशेषज्ञता के साथ-साथ प्रौद्योगिकी क्षमता हो।

### सरकार के गले की फांस बना किसान आंदोलन

## किसानों को समर्थन देने पहुंचे जजपा के दो और एक निर्दलीय विधायक

पायनियर समाचार सेवा। चंडीगढ़

**हरियाणा** में चल रहा किसान आंदोलन प्रदेश सरकार के गले की फांस बन गया है। रविवार को किसानों द्वारा किए गए चक्का जाम में सत्तारूढ़ गठबंधन के दो विधायक और एक निर्दलीय विधायक किसानों के साथ धरने पर बैठ गए। जजपा के एक विधायक ने तो किसानों का दिल जीतने के लिए इस्तीफे तक की पेशकश कर डाली। केंद्रीय मंत्री हरसिमरत कौर बादल द्वारा इस्तीफा दिए जाने के बाद पंजाब की राजनीति ने एक दम से नया मोड़ ले लिया है वैसे ही हरियाणा में दुष्यंत चौटाला पर भाजपा सरकार से समर्थन वापस लेने के लिए लगातार दबाव बन रहा है।

**रामकरण काला,** जजपा विधायक

**गठबंधन के दो विधायकों ने सरकार को दुविधा में डाला**

**जोगी राम सिहाग,** जजपा विधायक

रविवार को एक तरफ जहां पूरे प्रदेश के किसान सड़कों पर थे। वहीं सोशल मीडिया पर दुष्यंत समर्थन वापस लो के नाम से अभियान चलाया गया। करीब पांच घंटे तक यह अभियान ट्वीटर पर ट्रैंड करता रहा। इस बीच महम से निर्दलीय विधायक बलराज कुंडू रोहतक व भिवानी में कई जगह किसानों का समर्थन करने के लिए पहुंचे। कुंडू निर्दलीय चुनाव जीते थे और भाजपा को समर्थन दिया था, लेकिन पूर्व मंत्री मनीष ग्रोवर के साथ मतभेद के चलते उन्होंने भ्रष्टाचार के कई मामले उजागर किया जिन्हें मनोहर सरकार ने गंभीरता से नहीं लिया। जिसके चलते कुंडू सरकार से समर्थन वापस ले चुके हैं।

बरवाला से जजपा विधायक जोगी राम सिहाग भी सोमवार को किसानों का समर्थन करने पहुंचे जहां उन्हें किसानों का गुस्सा झेलना पड़ा। किसानों का समर्थन हासिल करने के लिए सिहाग ने यहां तक कह दिया कि अगर जरूरत पड़ी, तो वह किसानों के समर्थन में इस्तीफा देने से भी पीछे नहीं हटेंगे। शाहबाद से जजपा विधायक रामकरण काला भी सोमवार को किसानों के बीच पहुंचे। काला ने पूर्व मंत्री कृष्ण बेदी को हराया था। काला की टीस है कि उन्हें अभी तक सत्ता में भागीदारी नहीं मिली है। अलबत्ता हारे हुए मंत्री बेदी फिर से सीएमओ में एंट्री करके हारने के बावजूद हलके समानांतर सरकार चला रहे हैं। काला ने भी कई जगह किसानों के धरने में जाकर समर्थन दिया है।

### कुरुक्षेत्र लाठीचार्ज : सीएम का दावा पुलिस ने सेल्फ डिफेंस में चलाई लाठी

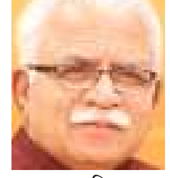

**चंडीगढ़।** मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने कुरुक्षेत्र लाठीचार्ज को लेकर छिड़ी अटकलों पर विराम लगाते हुए कहा है कि वहां किसानों के प्रदर्शन के दौरान लाठीचार्ज नहीं हुआ है। पुलिस ने सेल्फ डिफेंस में लाठी चलाई थी, जो कुछ लोगों को लगी है।

सोमवार को चडीगढ़ के सेक्टर-3 स्थित भाजपा कार्यालय में कोरोना काल में सरकार द्वारा किए गए कार्यों को लेकर 'ई-बुक' लांचिंग के बाद मीडिया से बातचीत करते हुए मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने कहा कि लाठीचार्ज क्या होता है, चर्चा ये होनी चाहिए। उन्होंने माना कि सादी वर्दी वाले सीआईए के पुलिसकर्मी ने लाठी चलाई थी। उन्होंने कहा कि वीडियो में एक व्यक्ति सादी वर्दी में टोप पहने हुए दिखाई दे रहा है। दूसरी तरफ से एक व्यक्ति ट्रैक्टर द्वारा बैरिकेडिंग को तोड़कर आगे बढ़ा जा रहा था। ऐसे में पुलिस कर्मी ने सेल्फ डिफेंस में कदम उठाया। एक तरह से सीएम ने साफ कर दिया है कि पिपली में किसानों पर कोई लाठीचार्ज नहीं हुआ।

Good Morning!

# फरीदाबाद पायनियर

हरियाणा, मंगलवार 22 सितंबर 2020 | ग्रेटर फरीदाबाद • सराय • एनआईटी इंडस्ट्रियल एरिया • बल्लभगढ़ • तिगांव • पलवल | ई-पेपर www.pioneerhindi.com

-राइट विजन-

## कोरोना से बचाव के नियमों का पालन कर दें देशभक्ति का परिचय : डॉ. किरण

कोरोना के कारण पहले ही देश को काफी आर्थिक नुकसान हो चुका है। ऐसे में हम और घर नहीं बैठ सकते। वैक्सिन के अभाव में हमें कोरोना के साथ ही जीते हुए अपने जरूरी काम करने होंगे। कोरोना से बचने के लिए सरकार द्वारा जारी गाइडलाइंस को हमें अपनी आदतों में शामिल कर लेना चाहिए। कोरोना से बचाव के नियमों का पालन कर हम अपनी सुरक्षा के साथ देश का सहयोग भी करना चाहिए। यह कहना है पल्ला पीएचसी की प्रभारी डॉ. किरण गोयल का। डॉ. किरण कोरोनाकाल में एक योद्धा की तरह न केवल अपनी ड्यूटी बल्कि मरीजों की सेवा भी कर रही हैं। **पेश है पायनियर के वरिष्ठ संवाददाता राजेश दास और डॉ. किरण की बातचीत के अंश :-**

**जीवन परिचय**

**नाम** : डॉ. किरण गोयल
**जन्मदिन** : 4 जून 1981
**पिता** : कुलवंत राय गोयल
**माता** : सुशीला गोयल
**परिवार** : भाई अमन गोयल
**स्कूल** : 12 वीं - (हरियाणा टॉपर) नेशनल गोवर्नमेंट कॉलेज, सिरसा
**उच्चशिक्षा** : एमबीबीएस - सरदार पटेल मेडिकल कॉलेज, बीकानेर
**रूचि** : संगीत सुनना व अध्यात्मिक पुस्तके पढ़ना

**सवाल : डाक्टर बनने की प्रेरणा आपको कहां से मिली।**

**जवाब** : मेरे पिता कुलवंत राय गोयल रिटायर्ड सेशन जज हैं। माता सुशीला शिक्षा विभाग से डिप्टी डायरेक्टर पद से रिटायर हैं। मेरी माताजी मुझे शुरू से ही डाक्टर बनाना चाहती थी। क्यों डाक्टर के पेशे में सम्मान तो मिलता ही है, साथ जरूरतमंदों की सेवा का मौका भी मिलता है।

**सवाल : शिक्षा के दौरान क्या आप अन्य गतिविधियों में शामिल रहती थी।**

**जवाब** : कॉलेज के दौरान में हैड गर्ल थी। उस समय कॉलेज में होने वाले सभी कार्यक्रमों में बढ़चढ़ कर हिस्सा लेती थी।

**सवाल : शिक्षा के बाद आपने करियर की शुरूआत कैसे की।**

**जवाब** : वर्ष 2006 में एमबीबीएस करने के बाद मैने हरियाणा स्वास्थ्य विभाग ज्वाइन कर लिया था।

**सवाल : इस दौरान आप कहां कहां पर तैनात रही।**

**जवाब** : पहली तैनाती मुझे रेवाड़ी के टाकड़ी पीएचसी में मिली थी। राजस्थान बॉर्डर पर स्थित इस पीएचसी में करीब 22 किलोमीटर ड्राइविंग करके जाना पड़ता था। यहां मैने खूब मेहनत कर लोगों में विश्वास कायम किया। डेढ़ साल बाद मेरा तबादला हिसार कर दिया गया। वर्ष 2010 में मुझे बल्लभगढ़ सिविल अस्पताल में तैनाती मिली। अक्टूबर 2010 से मैं पीएचसी पल्ला में तैनात हूं।

**सवाल : स्वास्थ्य के क्षेत्र में सबसे ज्यादा किन चीजों की कमी खलती है।**

**जवाब** : सरकारी अस्पताल और डिस्पेंसरियों में डाक्टर और अन्य स्टाफ का काफी अभाव है। जिसकी वजह से मरीजों को पूरा लाभ नहीं मिल पा रहा है।

**सवाल : कोरोनाकाल में आप किस तरह से अपनी ड्यूटी को अंजाम दे रही हैं।**

**जवाब** : लॉकडाउन के दौरान पीएचसी पल्ला में लगातार ओपीडी, सभी जांच, गर्भवती महिलाओं की एएनसी और डिलिवरी जारी रही। पीएचसी के इलाके में करीब 450 कोरोना के मरीज थे। जिनकी पूरी मदद की गई। इस दौरान स्टाफ का हौंसला बढ़ाने के साथ फोन पर मरीजों का इलाज किया जा रहा था।

**सवाल : लॉकडाउन के दौरान आपने कैसे जरूरतमंदों की मदद की।**

**जवाब** : मैने अपने साथ जुड़े सभी लोगों को जरूरत का सामान उपलब्ध कराने के साथ उनकी आर्थिक मदद भी की।

**सवाल : वर्तमान स्थिति में हम कोरोना से कैसे जीत सकते हैं।**

**जवाब** : हमें कोरोना के साथ जीने की कला सीख लेनी चाहिए। हमें दहशत छोड़ कर सावधानी बरतते हुए अपने सभी जरूरी काम करने होंगे। लापरवाही बरतने पर यह नुकसान पहुंचा सकता है।

**सवाल : जानबूझ कर नियम तोड़ने वालों को आप क्या संदेश देना चाहती हैं।**

**जवाब** : यह लोग अपने साथ परिवार को भी खतरे में डाल रहे हैं। इन्हें जागरूक करने के लिए व्यापक स्तर पर मुहिम चलाने की जरूरत है। उन्हें समझाना होगा कि वे कोरोना से बचाव के नियमों का पालन कर न केवल अपनी सुरक्षा कर सकते है बल्कि देश भक्ति का परिचय भी दे सकते हैं।

**सवाल : क्या लॉकडाउन ठीक समय पर हुआ था।**

**जवाब** : लॉकडाउन ठीक समय पर अच्छा कदम था। इस दौरान लोगों को जागरूक करने के साथ सरकार ने बीमारी से निपटने की तैयारी भी कर ली।

### संक्षिप्त समाचार

## स्लेजहैमर ने 8 विकेट से जीता मैच

**फरीदाबाद।** पहला रविंद्र फागना टी-20 क्रिकेट लीग में स्लेज हैमर फाउंडेशन क्रिकेट अकादमी ने स्पोरूट क्रिकेट अकादमी को 8 विकेट से हराया। यह मुकाबला रविंदर फागना क्रिकेट अकादमी स्थित मैदान पर खेला गया। बीबीसीआई कोच धर्मेंद्र फागना ने बताया कि ये मैच 20-20 ओवर का है। ये मैच स्लेजहैमर फाउंडेशन क्रिकेट अकादमी और स्पोरूट क्रिकेट अकादमी के साथ खेला गया। स्पोरूट क्रिकेट अकादमी ने टॉस जीत कर पहले बल्लेबाजी करने का निर्णय लिया। स्पोरूट क्रिकेट अकादमी टीम की ओर बल्लेबाजी करते हुए टीम ने 18.3 ओवर में 10 विकेट पर 135 रन बनाए। टीम की और बल्लेबाजी करते हुए मयंक ने 43 रन, पवन चंदीला ने 22 रन और ओरमिन्दर सिंह ने 20 रन बनाए। स्लेजहैमर फाउंडेशन क्रिकेट अकादमी टीम की और से गेंदबाजी करते हुए शुभम बिशनोई और उदीत मोहन ने 3-3 विकेट, कुलदीप ठाकुर, रोहित दुआ, प्रदीप और दीपक शर्मा ने 1-1 विकेट लिए। इस लक्ष्य का पीछा करते हुए स्लेजहैमर फाउंडेशन क्रिकेट अकादमी टीम ने 12.3 ओवर में 2 विकेट पर 138 रन बनाकर लक्ष्य को हासिल किया। टीम की और से बल्लेबाजी करते हुए दीपक शर्मा ने 100 रन, इद्रीश सैफी ने 16 रन और अनुभव आहुजा ने 12 रन बनाए। स्पोरूट क्रिकेट अकादमी की और से गेंदबाजी करते हुए सुरेंद्र ने 1 विकेट लिया। सरपंच अशोक लोहिया के द्वारा दीपक शर्मा (स्लेजहैमर फाउंडेशन क्रिकेट अकादमी) को मैन ऑफ दा मैच का पुरस्कार दिया गया।

## फ्लोर की रजिस्ट्री खुलने पर विधायक का आभार

**पायनियर समाचार सेवा।** फरीदाबाद

नहरपार में फ्लोर की रजिस्ट्री खुलने पर प्रोपर्टी डीलर्स ने प्रसन्नता प्रकट की है। फरीदाबाद एस्टेट एजेंट्स वेलफेयर एसोसिएशन (फीवा) के पदाधिकारियों ने तिगांव के विधायक राजेश नागर का धन्यवाद किया है। फीवा के अध्यक्ष राजीव ऑबराय व अन्य सदस्यों ने भाजपा विधायक राजेश नागर से मिलकर कहा कि आपने हमारे काम धंधे बचा लिए, वहीं नहरपार अपना आशियाना बनाने की उम्मीद में लगे लोगों का भी इंतजार खत्म करवाया है। इसके लिए आप बधाई के पात्र हैं।

नहरपार में बिल्डर्स फ्लोर की रजिस्ट्री बंद होने से हजारों लोगों पर रोजी रोटी का संकट खड़ा हो गया था( वहीं लोग भी अपना आशियााना नहीं बना पा रहे थे। फीवा के प्रतिनिधिमंडल ने विधायक राजेश नागर का ध्यान इस समस्या की ओर किया, जिसके बाद विधायक ने स्थानीय प्रशासन और शासन में अपनी कोशिश से इनकी रजिस्ट्री को फिर से खुलवाया। विधायक राजेश नागर ने कहा कि भाजपा सरकारें जनता की भलाई के काम करती हैं। जबकि पहले की सरकारें झूठी वाहवाही लूटने में लगी रहती थीं। उन्होंने कहा कि सबको काम-सबको सम्मान वाली कहावत भाजपा सरकार में ही चरितार्थ हो रही है। जिसके लिए दिन रात काम करने वाले हमारे पीएम नरेंद्र मोदी और सीएम मनोहर लाल प्रशंसा के पात्र हैं। हम तो केवल उनके बताए रास्ते पर चलने का प्रयास कर रहे हैं।

**शहर का तापमान**

- अधिकतम 33.03 डिग्री सेल्सियस
- न्यूनतम 26.05 डिग्री सेल्सियस

**शहर में आज**

- बीके चौक पर आशा वर्करों का प्रदर्शन: सुबह 10 बजे
- सेक्टर-12 में पीटीआई टीचरों का प्रदर्शन: सुबह 11 बजे
- बीके में कोरोना जांच और ओपीडी शुरू: सुबह 8 बजे

**निवेश गुरु**

### प्रबंधन के साथ सुदृढ़ भागीदारी

हमारा मानना है कि हमारे साथ जुड़े हितों वाली मजबूत प्रबंधन टीमों के साथ भागीदारी करना एक सफल निवेश दृष्टिकोण की कुंजी है। इसके अलावा, हम मौजूदा और पूर्व कार्यकारी अधिकारियों के साथ मजबूत संबंध बनाए रखने के इच्छुक हैं, जो पोर्टफोलियो कंपनियों के लिए एक अमूल्य संसाधन हो सकते हैं। एक सलाहकार क्षमता में सेवा प्रदान करने में सक्षम हैं।

**यूटीलिटी न्यूज**

### एनएसएस यूनिट ने किया वेबिनार

**फरीदाबाद।** राजकीय महाविद्यालय फरीदाबाद की यूथ रेडक्रॉस तथा एनएसएस इकाई ने रेड रिबन क्लब के सहयोग से जिला स्तरीय वेबिनार का आयोजन किया। जिसका विषय था साफ हवा और नागरिक। सर्वप्रथम वेबिनार संयोजक डॉ. राकेश पाठक ने प्राचार्य डा. ओपी रावत का यूथ रेड क्रॉस तथा एनएसएस की गतिविधियों में अपना सहयोग देने के लिए धन्यवाद ज्ञापित किया। डा. रावत ने बढ़ते प्रदूषण पर चिंता व्यक्त करते हुए सभी नागरिकों को विशेष ध्यान देने तथा इसे कम करने के लिए सभी सार्थक उपायों के क्रियान्वयन पर जोर दिया। यूथ रेडक्रॉस काउंसलर तथा एनएसएस प्रभारी डॉ राकेश पाठक ने बताया कि पर्यावरण दिवस पर यूएस एम्बेसी ने लंग केयर फाउंडेशन के साथ एनसीआर क्षेत्र में बढ़ते प्रदूषण और इस क्षेत्र के निवासियों पर इसके दुष्परिणाम को देखते हुए एक प्रोजेक्ट लॉन्च किया जिसका विषय था 'साफ हवा और नागरिक'।

**क्विक न्यूज**

### कोविड-19 से मिलकर लड़ेंगे : डीसी

**फरीदाबाद।** उपायुक्त यशपाल ने कहा कि कोविड-19 निपटने के लिए जिला प्रशासन द्वारा पुख्ता प्रबंध किए गए हैं। ऐसे में प्राइवेट अस्पतालों की भी यह जिम्मेदारी बनती है कि वह आपदा के इस दौर में प्रशासन का सहयोग करें। उपायुक्त यशपाल सोमवार को वीडियो कॉन्फ्रेंस के जरिए स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों एवं निजी अस्पतालों के चिकित्सकों के साथ जिला फरीदाबाद में कोविड-19 के मरीजों को दी जाने वाली स्वास्थ्य सुविधाओं की समीक्षा कर रहे थे। मीटिंग में उपायुक्त यशपाल ने सभी प्राइवेट अस्पतालों में बैडों की स्थिति, वेंटिलेटर की सुविधा व वहां लिए जा रहे खर्च के बारे में विस्तार से जानकारी ली।

### कंगाल नगर निगम

# ठंडे बस्ते में 50 करोड़ के घोटाले की जांच?

सिटी इश्यू

### नगर निगम के अधिकारियों के भ्रष्टाचार की लिस्ट लगातार होती जा रही है लंबी

**राजेश दास।** फरीदाबाद

**शहर** के लोगों को सुविधा देने के नाम कंगाली का रोना रोने वाले नगर निगम के अधिकारियों के भ्रष्टाचार की लिस्ट लगातार लंबी होती जा रही है। पिछले लंबे समय से नगर निगम में आए दिन भ्रष्टाचार के मामले उजागर होते आए हैं। लेकिन इन मामलों में आज तक कार्रवाई नहीं हुई। बिजिलेंस और पुलिस थानों में भ्रष्टाचार के अनेक मामले लंबित पड़े हुए हैं। कार्रवाई न होने के कारण नगर निगम में भ्रष्टाचार को लगातार बढ़ावा मिल रहा है। जांच लंबित होने के बावजूद अधिकारियों को प्रमोशन पर प्रमोशन मिल रही है। हाल ही में नगर निगम में 50 करोड़ रुपये का घोटाला करने का मामला उजागर हुआ था। मामले को दबाने के लिए नाटकीय तरीके अकाउंट ब्रांच में आग लगने से रिकॉर्ड जलाने की बात कही जाने लगी। जबकि भुगतान का रिकॉर्ड अकाउंट्स ब्रांच के अलावा भी करीब एक दर्जन स्थानों पर मौजूद रहता है। आग लगने के बाद पुलिस ने मुकदमा तो दर्ज किया ही है। जांच के लिए गठित की गई कमेटी मामले को फिजुल में लटका रही है। यदि अधिकारी चाहे तो रिकॉर्ड अन्य ब्रांचों-से भी हासिल कर सकते हैं।

#### स्पष्ट है मामला

नगर निगम की अकाउंट शाखा में स्थित चेक रूम में ठेकेदारों के भुगतान के चेक बनाए जाते हैं। इसी कक्ष में विकास कार्यों से संबंधित महत्वपूर्ण फाइलें भी रखी जाती हैं। पिछली 15 अगस्त की सुबह रहस्यमय हालत में आग लग गई थी। इस घटना से कुछ दिनों पहले निगम में 50 करोड़ रुपये का घोटाला उजागर हुआ था। इस मामले में बिना कोई विकास कार्य करवाए नगर निगम के अधिकारियों ने ठेकेदार को भुगतान कर दिया था। मामला उजागर होने पर निगम के कर्मचारियों और अधिकारियों के नाम घोटाले में उजागर होने की सम्भावना जताई जा रही थी। जिससे यह साफ हो गया था कि आग इत्तेफाक से नहीं लगी बल्कि जानबूझ कर लगाई गई थी। इस घटना के बाद नगर निगम आयुक्त यश गर्ग ने अज्ञात लोगों के खिलाफ थाना एसजीएम नगर में मामला दर्ज करवाने के साथ जांच के लिए एक कमेटी का गठन भी कर दिया था। इस कमेटी में अतिरिक्त निगम आयुक्त, संयुक्त आयुक्त प्रशांत अटकान, मुख्य अभियंता ठाकुरलाल और अन्य लोगों को शामिल किया था। जांच शुरू हुए करीब एक महीने का समय बीत चुका हैं। लेकिन यह कमेटी अभी तक कुछ भी स्पष्ट नहीं कर पाई है।

फोटो : राजेश पुंजानी

#### अन्य स्थानों पर भी रिकॉर्ड

निगमायुक्त द्वारा गठित की गई जांच कमेटी चाहे तो थोड़ी ही समय में मामले में दूध का दूध और पानी का पानी कर सकती है, लेकिन न जाने किन कारणों से जांच कमेटी द्वारा मामले को लगातार लटकाया जा रहा है। ऐसा नहीं है कि ठेकेदारों के भुगतान के बिल सिर्फ अकाउंट्स ब्रांच में ही रखे जाते हैं। इन बिलों का एक नहीं अन्य कई स्थानों पर रिकॉर्ड रखा जाता है। अकाउंट्स ब्रांच के साथ बिलों का रिकॉर्ड इंजीनियरिंग ब्रांच में भी रखा जाता है। बिल की एक एक प्रति इलाके के एसडीओ और जेई के पास भी मौजूद रहती है। बिल के भुगतान का रिकॉर्ड मेजरमेंट बुक में भी दर्ज किया जाता है। इसी तरह विकास कार्यो के भुगतान का पूरा ब्यौरा कंप्यूटर पर दर्ज किया जाता है। इसके अलावा निगमायुक्त की पावर से ज्यादा के भुगतान का रिकॉर्ड फाइनेंस कंट्रोल कमेटी के पास भी मौजूद होता है। अनेक स्थानों पर रिकॉर्ड मौजूद होने के बावजूद जांच कमेटी द्वारा लगातार मामले को लटकाया जा रहा है।

#### नहीं होती कार्रवाई

आरटीआई कार्यकर्ता विष्णु गोयल का कहना है कि भ्रष्टाचार में लिप्त अधिकारियों पर कार्रवाई करने की बजाए उन्हें पुरस्कार में प्रमोशन दी जाती है। इसी वजह से नगर निगम में भ्रष्टाचार को लगातार बढ़ावा मिल रहा है। जब तक कार्रवाई नहीं होगी तब तक भ्रष्टाचार होता रहेगा।

#### भ्रष्टाचार को बढ़ावा

नगर निगम में भ्रष्टाचार के मामलों को जांच के नाम पर लंबे समय तक लंबित रखा जाता है। आरटीआई कार्यकर्ता सुरेश चंद्र गोयल ने करीब छह करोड़ के एक घोटले की शिकायत वर्ष 2010 में की थी। इस घोटाले की जांच विजिलेंस ने करीब सात साल बाद शुरू की। जांच के बाद अब तीन साल से ज्यादा समय गुजर चुका है। लेकिन इसके बावजूद आज तक इस मामले में लिप्त नगर निगम के अधिकारियों के खिलाफ सरकार की तरफ से कोई कार्रवाई नहीं की गई। जबकि इस मामले में लिप्त नगर निगम के कई अधिकारी तो सेवानिवृत भी हो चुके है। जबकि अन्य कुछ अधिकारियों को सरकार ने पदोन्नति देकर बड़े पदों पर तैनात कर दिया है। नगर निगम में यह कोई पहला मामला नहीं है। इससे पहले भी निगम के कई घोटालों की जांच हो चुकी है। लेकिन मामले में लिप्त पाए जाने वाले निगम अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई करना तो दूर उन्हें पुरस्कार के रूप में लगातार पदोन्नति दी जा रही है। भ्रष्टाचार के कई मामले पुलिस थानों में दर्ज हैं। लेकिन इन मामलों में न तो किसी की गिरफ्तारी हुई और न ही कोई कार्रवाई।

# नहीं हो रही अंग्रेज जमाने के पुलों की मरम्मत

### गिर गया बड़ौली गांव में बना पुल

### कभी भी गिर सकते है शाहपुरा और डीग गांव के पुराने पुल

**कविता।** फरीदाबाद

**बड़ौली** गांव में करीब 200 साल पुराना पुल सोमवार को गिर गया। हालांकि इसके निकट नए पुल का काम जारी था। पायनियर की तरफ से गांव की कहानी कॉलम में जर्जर हो चुके ग्रामीण इलाकों के कुछ पुलों का जिक्र किया था। यह पुल भी कभी भी गिर सकते हैं। बड़ौली के पुल गिरने के बाद ग्रामीण सर्तक हो गए है और पुराने पुलों का इस्तेमाल कम कर रहे है।

**इसलिए गिरा पुल**

बड़ौली पुल अगरा और गुरूग्राम नहर पर 200 साल पुराना था। जिस पर हरियाणा सरकार की तरफ से नया पुल बनाने की कवायत शुरू की गई थी। हरियाणा सरकार ने गुरूग्राम नहर का पुल तैयार करने का काम शुरू कर अपने हिस्से की रकम यूपी सिंचाई विभाग को पुल निर्माण को सौंप दी। यूपी सिचाई विभाग ने कुछ दिनों पहले ही शुरू किया गया। जिस पर पानी के बहाव को कुछ हिस्से से रोक कर पुल का निर्माण किया जा रहा था। लेकिन उसी दौरान पानी का बहाव तेज हुआ, जिसे पुराना बना पुल झेल न सका और वह टूट गया।

#### ग्रामीणों का आरोप

ग्रामीणों का कहना है कि 200 वर्ष पुराना यह पुल यूपी सिंचाई विभाग की वजह से गिरा है। इसे बनाने के लिए यूपी सिंचाई विभाग की तरफ से छह से आठ महीने की देरी हुई है। अगर समय पर पुल बन जाता तो लोगों को परेशानी न होती। एडवोकेट शिवदत्त वशिष्ठ व ग्राम वासी पुल की मरम्मत को लेकर कई बार प्रशासन को ज्ञापन देकर इसे बंद करवाने का आग्रह कर चुके थे। जर्जर हालत में होने से पुल अखिरकार टुट ही गया। इससे लोगों को अब बीपीटीपी और सेक्टर-आठ स्थित पुल का सहारा लेना होगा।

#### अभी दो हैं गिरासू

शाहपुरा गांव और डीग गांव पर भी अंग्रेजों के जमाने के बने हुए पुल हैं। जिसमें शाहपुरा गांव के लोगों ने पुल को पुरी तरह से बंद करने का प्रयास किया, लेकिन इस पर दोपहिया वाहनों को निकाला जा रहा है। वही डीग गांव में भी पुराने पुल का ही इस्तेमाल किया जा रहा है। इस पुल पर कभी भी कोई हादसा हो सकता है।

#### जिले में इतने पुल

जिले में एत्मादपुर, पल्ला, बड़ौली, खेड़ीकलां, बल्लभगढ़-तिगांव रोड़ पर, चंदावली के पास, शाहपुरा गांव, डीग गांव में पुल मौजूद है। जिसमें एतमादपुर, पल्ला, तिगांव में नया पल बन गया है। तिगांव के पुराने पुल को बंद कर दिया गया है। खेड़ीपुल का काम चल रहा है। वहीं शाहपुरा और डीग गांव का पुल नहीं बना है।

**प्रिय सदस्यगण,**

जैसा कि आपको भली-भाँति विदित है कि विगत कुछ वर्षों से कतिपय वैधानिक अड़चनों के कारण मैच्योरिटी भुगतान में कुछ विलम्ब की स्थिति उत्पन्न हुई, लेकिन हम एक दिन का भी विलम्ब से भुगतान करने पर अपने सम्मानित सदस्यों को विलम्बित अवधि का ब्याज अवश्य देते हैं। सोसाइटी के मेम्बर्स का हित प्रभावित न हो एवं अपने सदस्यों के सेवा पक्ष को और सुदृढ़ करने के लिए अपने अधिकृत केन्द्रों के अतिरिक्त कॉल सेन्टर, ग्रिवॉन्स सेल तथा सदस्यों को अपनी बात रखने के लिए पोर्टल की भी सुविधा प्रदान की गयी है।

हम अपने कोऑपरेटिव एडुकेटर साथीगण एवं सम्मानित सदस्यों से यह अपील करना चाहेंगे कि सोसाइटी सदैव आपकी हितों एवं सेवा के लिए कटिबद्ध है और आगे भी रहेगी। अतएव आप सरकारी प्रतिष्ठानों यथा प्रधानमंत्री कार्यालय, मुख्यमंत्री कार्यालय, जिलाधिकारी कार्यालय एवं पुलिस प्रशासन के अलावा सेन्ट्रल रजिस्ट्रार कार्यालय आदि को पत्र न लिखकर यदि सोसाइटी के पोर्टल के माध्यम से अपनी समस्या प्रेषित करते तो उसका समाधान और भी पहले मिल जाता तथा उन सरकारी कार्यालयों का समय खराब नही होता। क्योंकि उक्त प्रतिष्ठानों का दायित्व पूरे देश के विकास कार्यों का है।

अतः हम आपसे निवेदन करना चाहते है कि आप अपनी समस्त परेशानियों/शिकायतों को उपरोक्त सरकारी विभागों में न भेजकर हमारे निम्नलिखित पोर्टल, टोल फ्री नम्बर एवं ई.मेल, पतों पर भेजें-

**Website:** www.sccsl.sahara.in
**E-mail:** contactus.sccsl@sahara.in

पत्राचार का पता :
**सहारा क्रेडिट कोऑपरेटिव सोसाइटी लिमिटेड**
सहारा इंडिया भवन, 1, कपूरथला काम्प्लेक्स, अलीगंज
लखनऊ-226024 (उ०प्र०)
टोल फ्री नं. 1800-103-6894

# स्वास्थ्य और शिक्षा विभाग के आदेशों के बीच उलझे शिक्षक

## हेल्थ डिपार्टमेंट शिक्षकों से ले रहा कोरोना जांच का शुल्क

**कोरोना**

### निर्देशों देकर कोरोना जांच केन्द्र रविवार को खोलना भूल गए जिला सिविल सर्जन

**कविता।** फरीदाबाद

**सोमवार** से नौवीं से 12वीं कक्षा तक के विद्यार्थियों के लिए स्कूल खुल गए, लेकिन स्वास्थ्य और शिक्षा विभाग के आदेशों ने शिक्षकों की परेशानियां बढ़ा दी हैं। सीएमओ द्वारा जिला शिक्षा विभाग को सभी सरकारी और निजी स्कूलों के अध्यापकों को आने से पहले कोरोना जांच कराने के आदेश दिए हैं। जिसमें जांच के लिए शिक्षकों से शुल्क लेने की बात कही है। शिक्षकों ने शुल्क वसूलने पर विरोध जताया है। उनका कहना है कि कोरोना महामारी में सरकार के हर निर्देश के तहत काम किया। अब उनकी जांच के लिए उनसे शुल्क मांगा जा रहा है।

बीके अस्पताल में कोरोना जांच करवाने को लगी भीड

**नहीं हुई जांच**

शिक्षा विभाग ने स्वास्थ्य विभाग का यह आदेश स्कूलों में शनिवार को भेजा गया। शनिवार को सूचना देरी तक सभी को मिली। ऐसे में रविवार को जांच करवाना मुश्किल भरा था। क्योंकि निर्धारित किए गए शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में मात्र पोलियों बुथ ही खुले मिले। अन्य ज्यादातर केन्द्रों पर रविवार को जांच न होने की सूचना मिली। ऐसे में रविवार को उनकी जांच न हो सकी। मात्र दो या तीन प्रतिशत शिक्षक ही अपनी जांच करवा सके।

**यह था लेटर**

जिला सिविल सर्जन द्वारा 18 सितंबर को शिक्षा विभाग को शिक्षकों की कोरोना जांच करवाने के लिए पत्र भेजा गया। जिला सिविल सर्जन के द्वारा कुल 45 शहरी और ग्रामीण इलाकों के स्वास्थ्य केन्द्रों के नाम, डॉक्टर के नाम और नम्बर समेत दिए गए थे। इसके साथ मौजूद नोटिस में शिक्षकों को कोरोना जांच का शुल्क देने को कहा है। जिसमें आरटीपीसीआर जांच के लिए 1600 रुपये, रैपिड़ एंटीजन जांच के लिए 650 रुपये और एलाइजा टेस्टिंग के लिए 250 रुपये मांगे गए हैं।

**रविवार को बंद कोरोना जांच**

कोरोना जांच के लिए जिला सिविल सर्जन के द्वारा सिविल अस्पतालों के अलावा 45 शहरी और ग्रामीण स्वास्थ्य केन्द्रों की लिस्ट जारी की गई है। पायनियर ने पड़ताल के लिए जारी नंबरों पर फोन किया तो पता चला कि ज्यादातर स्वास्थ्य केन्द्र रविवार को बंद रहते हैं। जो स्वास्थ्य केन्द्र खुलते हैं, उनमें रविवार को लैब टैक्नीशियन न होने से कोरोना समेत अन्य सभी जांच नहीं हो पाती है। स्वास्थ्य विभाग के इस लापरवाह रवैये के कारण सोमवार को शिक्षक कोरोना जांच की लम्बी लाइनों में खड़े नजर आए।

# कोरोना: एक मौत, 251 पॉजिटिव से आंकड़ा 18012

**पायनियर समाचार सेवा।** फरीदाबाद

**कोरोना** के मरीजों की संख्या लगातार बढ़ती जा रही है। सोमवार को 251 पॉजिटिव मरीज आने से जिले में कोरोना 18 हजारी हो गया। 18 हजारी कोरोना महामारी में अब तक मृतकों की संख्या का आंकड़ा 206 पर पहुंच चुका है। वहीं सोमवार को पिछले 24 घंटे में राहत की बात यह रही कि 285 मरीजों ने कोरोना की जंग जीत ली। जिससे जिले का रिकवरी रेट 89.4 प्रतिशत पर पहुंच गया।

**मृतक और पॉजिटिव**

206 मृतकों में एक मौत सोमवार को हुई। 55 वर्षीय मृतक व्यक्ति आजाद कालोनी का रहने वाला था। वह कोरोना के साथ अन्य कई बीमारियों से ग्रस्त था। वहीं 251 पॉजिटिव में श्याम कालोनी, भारत कालोनी, स्प्रींग फिल्ड कालोनी, भूड कालोनी, भूपानी, पुरी प्रणायाम, सैनिक कालोनी, विनय नगर, सूर्या बिहार, शिव दुर्गा बिहार, एसी नगर, नंगला, दयालपुर, फतेहपुर तगा, मोहना, नवादा, ऊंचा गांव से 1-1 मरीज है। सेक्टर-3, 17, 15, खतरी वाड़ा, जीवन नगर, आदर्श नगर, सीही, अजरौंदा, बसंतपुर, ओल्ड फरीदाबाद, अमर नगर, मौजपुर, मेवला महाराजपुर, सीकरी, तजुपुर से 2-2 मरीज शामिल है। सेक्टर-31, 14, बसेलवा कालोनी, एनएच-5, 2, हाउसिंग बोर्ड कालोनी, फ्रेंडस कालोनी, महावीर कालोनी, तिगांव, जनता कालोनी, जवाहर कालोनी, पर्वतीया कालोनी, चावला कालोनी से 3-3 मरीज है। सेक्टर-30, 28, 16, 86, तिलपत, दयालबाग, आजाद नगर, खेड़ीकलां, एसजीएम नगर, एनएच-एक, तीन, सुंदर कालोनी से 4-4 मरीज है। ग्रीन फिल्ड कालोनी, सेक्टर-21, 9, 15, 88, शास्त्री कालोनी से 5-5 मरीज है।

**यह हैं आंकड़े**

| | |
|---|---|
| कुल सैंपल लिये | 184569 |
| रिपोर्ट नेगेटिव | 166236 |
| रिपोर्ट आनी है शेष | 321 |
| अब तक कुल पॉजिटिव | 18012 |
| अब तक कुल ठीक | 16106 |
| अब तक कुल मौत | 206 |
| गंभीर हालत में भर्ती | 55 |
| आईसीयू में भर्ती | 12 |

## संक्षिप्त समाचार

### नागर ने बताया पेड़ों का महत्व

**फरीदाबाद।** तिगांव के विधायक राजेश नागर के अनुज सुधीर नागर ने पेड़ों के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा है कि पृथ्वी पर पेड़ उगाकर भगवान ने मनुष्य को जीवन का सबसे बड़ा तोहफा दिया है। अगर पृथ्वी पर पेड़ नहीं होते तो मानव का बचना धरती पर नामुमकिन था। नागर उदयीमान क्रिकेटर युवराज के 14वें जन्मदिवस पर एसआरएस पर्ल सोसायटी के सैन्ट्रल पार्क में आयोजित पौधारोपण कार्यक्रम में पौधारोपित करने के बाद उपस्थित रेजीडेंट को सम्बोधित कर रहे थे। इस अवसर पर एसआरएस पर्ल रेजीडेंट वेलफेयर सोसायटी के अध्यक्ष सुभाष नरवाल व अन्य पदाधिकारी भी विशेष रूप से उपस्थित थे। उदयीमान क्रिकेटर युवराज केन्द्रीय विद्यालय नम्बर-2 के नेशनल टीम का प्रतिनिधित्व कर चुके हैं। अभी तक 1400 पौधों का रोपण करा चुके हैं। उपस्थित रेजीडेंट्स को सम्बोधित करते हुए नागर ने कहा कि पेड़ हमें ऑक्सीजन प्रदान करते है। इससे हमारा जीवन संभव होता है। पेड़ों से हमें फल-फूल व जीवन रक्षक औषधियां भी प्राप्त होती है। उन्होंने कहा कि क्रिकेटर युवराज की तरह ही प्रत्येक व्यक्ति को अपने जन्मदिवस पर पौधारोपण करवाना चाहिए। पृथ्वी पर जितने ज्यादा पौधे रोपित किए जाएगें। उतना ही हम ग्लोबल वार्मिंग की समस्या से छुटकारा पा सकेंगे।

### निगम मुख्यालय पर कर्मचारियों ने किया प्रदर्शन

**फरीदाबाद।** नव चयनित क्लर्कों की ज्वाइनिंग के बाद नगरपालिका, परिषदों व नगर निगमों में सालों से आऊटसोर्सिंग नीति पार्ट 1 व 2 में ठेके पर लगे क्लर्कों व कम्पयूटर आपरेटरों की छंटनी के खिलाफ निगम मुख्यालय कार्यालय पर जोरदार प्रदर्शन किया। प्रदर्शन के बाद कर्मचारी जुलूस लेकर निगम आयुक्त के आवास पर पहुंचे जहां निगम आयुक्त को आंदोलन का नोटिस दिया। नगरपालिका कर्मचारी संघ, हरियाणा ने चेतावनी दी है कि यदि सरकार ने छंटनी पर रोक नहीं लगाई और छंटनी किए गए कर्मचारियों को ड्यूटी पर वापस नहीं लिया तथा मानी गई मांगों को लागू नहीं किया तो संघ 23 सितंबर को रोहतक में तृतीय एवं चतुर्थ श्रेणी के कर्मचारियों की राज्य स्तरीय कन्वेंशन आयोजित कर हड़ताल की घोषणा करने के लिए मजबूर कर होगा। आज के प्रदर्शन की अध्यक्षता संघ के जिला प्रधान गुरुचरण खंडिया ने की तथा मंच का संचालन सफाई कर्मचारी यूनियन के सचिव सोहनपाल झिझोटिया ने किया।

### पायथन और मैटलैब अनुप्रयोगों पर कार्यशाला संपन्न

**फरीदाबाद।** वाईएमसीए स्थित जेसी बोस विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के गणित विभाग तथा कंप्यूटर इंजीनियरिंग विभाग के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित मैटलैब एवं पाइथन साफ्टवेयर अनुप्रयोगों का उपयोग करते हुए वैज्ञानिक कम्प्यूटिंग विषय पर एक सप्ताह की कार्यशाला संपन्न हो गई। टीईक्यूआईपी-3 के अंतर्गत प्रायोजित इस कार्यशाला में देश के विभिन्न राज्यों के 500 से अधिक प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। कार्यशाला के समापन सत्र को चैधरी बंसीलाल विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. राज कुमार मित्तल मुख्य अतिथि रहे। सत्र की अध्यक्षता कुलपति प्रो. दिनेश कुमार ने की। इस अवसर पर कंप्यूटर इंजीनियरिंग के विभागाध्यक्ष प्रो. कोमल भाटिया तथा गणित की विभागाध्यक्ष डा. नीतू गुप्ता भी उपस्थित थे। सत्र का समन्वय डॉ. सूरज गोयल ने किया।

### श्रमिकों को उजाड़ने की जगह रोजगार दें सरकार

**फरीदाबाद।** कोरोना काल में अपने रोजगारों को छोडक़र गए प्रवासी श्रमिकों को वापस लाने के लिए राज्य सरकार ने भरसक प्रयास किए, लेकिन अब प्रदेश की भाजपा सरकार के सामने उनको रोजगार मुहैया कराना एक बड़ी चुनौती है। कोरोना महामारी में जहां निजी उद्योगों की कमर पहले ही टूट चुकी है, वहीं सरकार स्वयं मजदूरों एवं कर्मचारियों की छंटनी करने में लगी हुई है। इन सब हालातों को देखते हुए आज प्रवासी भारतीय मजदूरों के सामने रोजी-रोटी का संकट उत्पन्न हो गया। इन्हीं हालातों के मद्देनजर रविवार को युवा कांग्रेस नेता गौरव चौधरी ने सेक्टर-9 स्थित स्वर्गीय विकास चौधरी के कार्यालय पर प्रवासी मजदूरों की एक मीटिंग का आयोजन किया। जिसमें प्रवासी मजदूरों सहित अनेक प्रवासी नेताओं ने शिरकत की। किसान कांग्रेस के वाइस चेयरमैन राकेश भड़ाना ने प्रदेश की भाजपा सरकार द्वारा स्थानीय युवाओं को नौकरी में 75 प्रतिशत आरक्षण दिए जाने प्रस्ताव को युवाओं के हित में बताया लेकिन साथ ही कहा कि इससे दूसरे राज्यों से आए प्रवासी मजदूरों के अधिकारों का हनन होगा और कहीं न कहीं उनकी प्रतिभाओं के साथ अन्याय होगा। इसलिए सरकार को इस नीति में सुधार की आवश्यकता है।

# घर में तोड़फोड़ कर आग लगाने की कोशिश

**फरीदाबाद।** पुरानी रंजिश में चार युवकों ने गढ़खेड़ा निवासी एक युवक के घर में घुसकर आग लगाने के उद्देश्य से डीजल डाल दिया। आरोपियों का विरोध करने पर उन्होंने मकान मालिक के साथ मारपीट करते हुए घर के भीतर तोड़फोड़ कर दी। जिस पर पीड़ित ने शोर मचा दिया। लोगों को आता देखकर आरोपी मौके से फरारा हो गए। पीड़ित की शिकायत पर पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है।

थाना छांयसा पुलिस के मुताबिक गढ़खेड़ा गांव के रहने वाले वीर सिंह ने दी अपनी शिकायत में बताया कि गांव में रहने वाले डालचंद उर्फ मोगली से उसके परिवार की रंजिश चली हुई है। आरोप है कि इसी रंजिश के चलते ये लोग हर समय झगड़े की फिराक में रहते हैं। वीर सिंह का कहना है कि 19 सितंबर की रात को वह अपने घर में परिवार सहित सोया हुआ था। आरोप है कि रात को करीब 12 बजे डालचंद उर्फ मोगली, दीसान, संजीव व हसन आए और उसके घर के बाहर लगे मीटर को तोड़ते हुए घर में घुसकर अन्य सामान तोड़ना शुरू कर दिया। आरोप है कि आरोपितों ने उसके घर में डीजल से भरी बोतल उडेलकर आग लगाने की कोशिश की। विरोध करने पर आरोपियो ने वीर सिंह व उसके बेटे देवेश के संग मारपीट भी की।

# चिंताजनक हालत में किया बच्चों को रोहतक रेफर

**पायनियर समाचार सेवा।** फरीदाबाद

**ताऊ** ने जिन दो मासूम बच्चों को सिगरेट से झुलसाया था, उनकी गंभीर हालत को देखते हुए बीके सिविल अस्पताल से रोहतक पीजीआई रेफर कर दिया गया। बच्चों की मां के पास पैसे न होने की स्थिति में समाजसेवी सतीश चौपड़ा ने उनके लिए एम्बुलेंस उपलब्ध कराई और बच्चों को रोहतक तक दाखिल करवाने पहुंचे। वहीं चाइल्ड हेल्प लाइन के सदस्य रविन्द्र को बच्चों को रोहतक पहुंचाने की जिम्मेदारी सौंपी गई थी। होश न आने की वजह से वे बच्चों का बयान नहीं ले पाए।

रोहतक में अपातकालीन कक्ष में भर्ती दोनों बच्चे

**शाम को किया रेफर**

रविवार शाम को छह बजे रोहतक के लिए रेफर कर दिया। रोहतक के लिए एम्बुलेंस करवाने और बच्चों के लिए फल, कपड़ों के इंतजाम की जिम्मेदारी समाजसेवी सतीश चौपड़ा ने उठाई। बीके अस्पताल से रोहतक तक उनका खर्च उन्होंने उठाया। देर रात दोनों ने बच्चों को भर्ती करवाने के बाद सुबह सतीश चौपड़ा व रविंद्र वापस लौट आए। वहीं जिला बाल संरक्षण अधिकारी गरिमा ने बच्चों और परिजनों की मदद के लिए रोहतक चाइल्ड हेल्पलाइन और बाल संरक्षण ईकाई रोहतक को बच्चों का फोलोअप करने को कहा है।

**नहीं आया होश**

चाइल्ड हेल्पलाइन के सदस्य रविन्द्र की माने तो वह सुबह आठ बजे रोहतक से वापस चले थे। तक तक 4 वर्षीय बच्चे को थोड़ा होश था, लेकिन वह कुछ बोलने की स्थिति में नहीं था। वहीं बच्ची पूरी तरह से बेहोश हैं। दोनों अपातकालीन कक्ष में भर्ती हैं। सर्जन ओपियन के बाद ही कुछ कहा जा सकता है। सभी तरह की जांच कराई गई हैं।

# कम्युनिस्ट पार्टी ने किया विरोध

**पायनियर समाचार सेवा।** फरीदाबाद

सीपीआईएम जिला कमेटी फरीदाबाद के बैनर तले सैकड़ों कार्यकर्ताओं ने आज सोमवार को दिल्ली दगों की सप्लीमेंट्री चार्जशीट में भारत की कम्युनिस्ट पार्टी मार्क्सवादी के जनरल सेक्रेटरी सीताराम येचुरी जानी-मानी अर्थशास्त्री जयंती घोष, दिल्ली विश्वविद्यालय के प्रोफेसर अपूर्वानंद, स्वराज इंडिया अभियान के राष्ट्रीय अध्यक्ष योगेंद्र यादव, डॉक्यूमेंट्री फिल्म निर्माता राहुल राय का नाम डाले जाने के विरोध में प्रदर्शन किया। पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार पार्टी के कार्यकर्ता बीके नगर निगम चौक पर एकत्रित हुए। यहां से प्रदर्शन करते हुए नीलम चौक तक गए। प्रदर्शनकारी दिल्ली दंगों की जांच के नाम पर षड्यंत्र करना बंद करो। राजनीतिक विरोधियों पर झूठे मुकदमे दायर करने पर रोक लगाओ के नारे लगा रहे थे। प्रदर्शनकारियों का नेतृत्व पार्टी के जिला सचिव शिवप्रसाद कर रहे थे। प्रदर्शनकारियों को संबोधित करते हुए जिला कमेटी के सदस्य वीरेंद्र सिंह डंगवाल और लाल बाबू शर्मा ने केंद्र सरकार पर अपने प्रमुख विरोधियों को गलत ढंग से फंसाने के लिए केंद्रीय एजेंसियों जैसे दिल्ली पुलिस, सीबीआई, एनआईए, तथा ईडी का खुलेआम दुरुपयोग करने का आरोप लगाया।

### युग स्पोर्ट्स ने नौ विकेट से जीता मैच

**फरीदाबाद।** पहला रविंद्र फागना टी-20 क्रिकेट लीग में युग स्पोर्ट्स क्लब (गुरुग्राम) ने केपी इलेवन (सोहना) को 9 विकेट से हराया। यह मुकाबला रविंद्र फागना क्रिकेट अकादमी स्थित मैदान पर खेला गया। बीबीसीआई कोच धर्मेंद्र फागना ने बताया कि ये मैच 20-20 ओवर का है। वहीं केपी इलेवन टीम की ओर बल्लेबाजी करते हुए टीम ने 9.2 ओवर में 10 विकेट पर 34 रन बनाए। टीम की और बल्लेबाजी करते हुए सुनील धनकड़ ने 14 और रोहित ने 8 रन बनाए। युग स्पोर्ट्स क्लबटीम की और से गेंदबाजी करते हुए योगेश कुमार ने 5 विकेट विशन पांचाल ने 3 विकेट,चिराग ओर अर्चित मलिक ने 1-1 विकेट लिए।

# युवा लेंगे सीएम के साथ इंकलाब का संकल्प

### पांच हजार से ज्यादा युवाओं ने कराया पंजीकरण

### शहीद-ए-आजम भगत सिंह की जयंती की पूर्व संध्या पर आयोजित होगी वेबिनार

**पायनियर समाचार सेवा।** फरीदाबाद

**शहीद**—ए—आजम भगत सिंह की 113वीं जयंती की पूर्व संध्या पर मुख्यमंत्री मनोहर लाल प्रदेश के हजारों ग्रामीण युवाओं से ऑनलाइन संवाद करेंगे। यूथ फॉर न्यू हरियाणा (वाईएफएनएच) के बैनर तले होने वाले इस संवाद को हम लाएंगे इंकलाब नाम दिया गया है। अब तक 5600 युवाओं ने इस संवाद के लिए पंजीकरण कराया है।

विशेष तौर पर संवाद में 18 से 45 आयु के युवा मौजूद रहेंगे। इस दौरान वे मुख्यमंत्री से सीधा संवाद करेंगे और विभिन्न मुद्दों पर अपनी राय भी देंगे। फरीदाबाद से करीब 300 युवा इस संवाद में हिस्सा लेंगे। यह जानकारी यूथ फॉर न्यू हरियाणा (वाईएफएनएच) के जिला मीडिया प्रभारी सुनील शर्मा ने दी। उन्होंने बताया कि शहीद शिरोमणि भगत सिंह की प्रेरणा से इस वेबिनार का आयोजन किया जा रहा है। क्योंकि मुख्यमंत्री मनोहर लाल के नेतृत्व वाली सरकार ने जिस प्रकार से नौकरियों में पारदर्शिता लाई है, वह भगत सिंह के सपनों का साकार करने जैसा है। सरकार ने नौकरियों के मामले में सिर्फ सुधार नहीं किया। बल्कि भर्ती प्रक्रिया को पारदर्शी बनाकर एक नये इंकलाब को जन्म दिया है। इस नई व्यवस्था से हरियाणा का युवा खासा प्रभावित है। वह समझ गया है कि वर्तमान सरकार के हाथों में ही उसका भविष्य सुरक्षित है। इसलिए वह भी सरकार के साथ मिलकर अपनी रचनात्मक भूमिका निभाना चाहता है। क्योंकि जब—जब देश को युवाओं की जरूरत पडी, तब—तब हरियाणवी युवा ने अपनी दृढ़ इच्छा-शक्ति से देश की हर आशा को और मजबूत किया है। इसी भाव को लेकर ग्रामीण युवा मंथन कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है।

# कोरोना काल में छह महीने बाद स्कूल पहुंचे बच्चे

### कोरोना महामारी के कारण सहपाठी दूरी बनाकर बैठे नजर आए

**पायनियर समाचार सेवा।** फरीदाबाद

शिक्षा विभाग की तरफ से नौवीं से 12वीं कक्षा तक स्कूल सोमवार को खोल दिए गए। छह महीने बाद कुछ बच्चों ने पहले दिन बेमन से पढ़ाई की। कोरोना महामारी के कारण सहपाठी दूरी बनाकर बैठे नजर आए। वहीं कोरोना गाइडलाइन के तहत ही उन्हें स्कूल के भीतर आने दिया गया। स्कूल संचालकों द्वारा स्कूलों में सोशल डिस्टेंसिंग के लिए दूर-दूर बैंच लगाई गई। थर्मल स्कैनिंग और सेनिटाइजेशन के बाद ही बच्चों को स्कूल के भीतर लिया गया। जो नियम बच्चों के लिए था, वहीं नियम अध्यापकों के लिए भी था। लेकिन अध्यापकों को बिना कोरोना जांच के अंदर नहीं जाने दिया गया। कोरोना जांच पर्ची के बिना पहुंचे अध्यापकों को कुछ स्कूलों ने लौटा दिया। वहीं दूसरी तरफ कालोनियों के कुछ स्कूलों में कोरोना महामारी के बीच नियम टूटते हुए नजर आए। डबुआ कालोनी स्थित एक निजी स्कूल में बिना मास्क के शिक्षक बच्चों को पढ़ाते हुए देखे गए।

# सरकार के कृषि विधेयक के खिलाफ कांग्रेस पार्टी ने किया हल्ला बोल

## काले गुब्बारे उड़ा कर कांग्रेस पार्टी ने जताया विरोध

### 26 गांवों को फरीदाबाद नगर निगम में शामिल करने के प्रस्ताव को रद्द किया जाए

**पायनियर समाचार सेवा।** फरीदाबाद

हरियाणा प्रदेश कांग्रेस कमेटी की अध्यक्षा कुमारी सेलजा एवं पूर्व मुख्यमंत्री व नेता प्रतिपक्ष भूपिंदर सिंह हुड्डा के निर्देशानुसार जिला फरीदाबाद के कांग्रेसजनों ने सेक्टर 12 स्थित लघु सचिवालय में भाजपा सरकार द्वारा लाए गए अध्यादेशों के खिलाफ जोरदार प्रदर्शन कर जिला उपायुक्त के माध्यम से महामहिम राष्ट्रपति के नाम ज्ञापन भेजा। केंद्र सरकार के अध्यादेश कृषि और किसान विरोधी हैं। सरकार न तो किसान संगठनों की आवाज सुनी गई और न ही किसानों की। आईएपीएमसी प्रणाली के खत्म होने का मतलब है- खरीद और न्यूनतम समर्थन मूल्य पर खतरा। कांग्रेस पार्टी आज राजनीतिक हितों से ऊपर उठकर देश के हर एक किसान के साथ खड़ी है।

केंद्र की भाजपा सरकार द्वारा तीन कृषि अध्यादेश लाए गए हैं जो कि पूरी तरह से किसान, मजदूर और आढ़ती विरोधी हैं। इन अध्यादेशों या विधेयकों के जरिए सरकार के कुछ पसंदीदा पूंजीपतियों को लूट की खुली छूट होगी। किसान अपनी फसल बेचने के लिए इन पूंजीपतियों पर निर्भर होंगे।

दूसरे अध्यादेश 'आवश्यक वस्तु अधिनियम संसोधन' के तहत अनाज, दाल, प्याज, आलू इत्यादि को जरूरी वस्तु अधिनियम से बाहर कर दिया गया है। इनकी स्टॉक सीमा समाप्त कर दी गई है। इससे अत्यधिक स्टॉक करके इन चीजों की कालाबाजारी होगी और ग्राहकों को महंगे दामों पर इन्हें बेचा जाएगा। तीसरे अध्यादेश में कॉन्टैक्ट फार्मिंग के माध्यम से किसानों का वजूद समाप्त करने की साजिश रची गई है। इस कानून के माध्यम से अनुबंध आधारित खेती को वैधानिकता प्रदान की गई है। ताकि बड़े पूंजीपति और कंपनियां अनुबंध के माध्यम से ठेका आधारित खेती कर सकें।

इस विरोध प्रदर्शन की अध्यक्षता पूर्व विधायक रघुवीर सिंह तेवतिया ने की। प्रदर्शन में पूर्व विधायक आनंद कौशिक, वरिष्ठ कांग्रेस नेता विजय प्रताप, वरिष्ठ कांग्रेस नेता योगेश गौड़, प्रदेश प्रवक्ता योगेश कुमार ढींगरा, प्रदेश प्रवक्ता सुमित गौड, प्रदेश प्रवक्ता जितेंद्र चंदेलिया, पूर्व वरिष्ठ उप महापौर मुकेश शर्मा, प्रदेश कांग्रेस महासचिव बलजीत कौशिक,जिला युवा कांग्रेस अध्यक्षा तरुण तेवतिया, प्रदेश कोंग्रेस कोऑर्डिनेटर गौरव ढींगरा, वरिष्ठ कांग्रेसी नेता मनोज अग्रवाल, युवा कांग्रेस प्रवक्त पराग शर्मा, युवा कांग्रेस नेता वरुण रघुबीर तेवतिया, फरीदाबाद विधानसभा युवा कांग्रेस अध्यक्ष नितिन सिंगला,, महिला कांग्रेस जिला अध्यक्ष प्रियंका भारद्वाज, प्रदेश सचिव राजन ओझा,वरिष्ठ कांग्रेसी नेता सत्यवीर डागर, एआईपीसी के जिला अध्यक्ष डॉ. सौरभ शर्मा, पूर्व पार्षद जगन डागर, दयाशंकर गिरी, पूर्व उप महापौर गजेंदर बामला, प्रदेश महासचिव युवा कांग्रेस मोनु ढिल्लों, बल्लभगढ़ युवा कांग्रेस अध्यक्ष चुन्नू राजपूत, वरिष्ठ कांग्रेस नेता मनोज नागर, वरिष्ठ कांग्रेस नेता एस. एल शर्मा, विजय कौशिक, वेदपाल दायमा, वेदप्रकाश यादव, राजेंद्र शर्मा, एनएसयूआई प्रदेश महासचिव कृष्ण अत्री, सुभाष कौशिक, बाबूलाल रवि, इशांत कथूरिया, अशोक रावल, संजय सोलंकी, अनीश पाल, समीर धमीजा, लक्ष्मण चैयरमैन, किरणपाल सरपंच डूंडसा, देवी सरपंच, अमर सरपंच, प्रह्लाद चैयरमैन, हरि ओम्, ब्रह्मानंद कौशिक, किशन सरपंच,एहसान कुरैशी, न आदि अन्य कांग्रेस कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

### विधायक त्रिखा ने नेत्रपाल को दी मुबारकबाद

**फरीदाबाद।** कैप्टन नेत्रपाल हुड्डा पहलवान को ध्यानचंद अवार्ड मिलने पर बड़खल विधानसभा क्षेत्र से भाजपा विधायक सीमा त्रिखा ने फूलों का गुलदस्ता भेंट कर मुबारकबाद दी। इस मौके पर विधायक सीमा त्रिखा ने कहा कि कहा केंद्र व प्रदेश की सरकार हर प्रकार के खेलों को बढ़ावा देने के लिए अनेक प्रकार की योजनाएं व स्कीम लागू कर रही है, जिससे युवाओं में खेलों की ओर तेजी से रुझान बढ़ा है। उन्होंने कहा कि पहले जहां युवा खेल को सिर्फ अपने स्वास्थ्य को बरकरार रखने की दृष्टि से खेलते थे लेकिन अब इस क्षेत्र में सुनहरा करियर के भी पर्याप्त अवसर मिल रहे है, जिससे युवा तेजी से खेलों की ओर लौट रहे हैं। उन्होंने कहा कि शहर के जाने-माने पहलवान को ध्यानचंद अवार्ड मिलने से जिले के युवाओं में कुश्ती के लिए रुझान बढ़ेगा और उम्मीद है भविष्य में जिले के पहलवानों को भी ऐसे ही अवार्डों ने नवाजा जाएगा।

# कोरोना भय के बीच कम ही विद्यार्थी पहुंचे स्कूल

## सोमवार को छह महीने पर खुले स्कूल

## स्कूलों में कोरोना से बचाव को बरती गईं सावधानियां

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

सोमवार को स्कूल खुलने के बाद पहुंची छात्रा का तापमान जांचते स्टाफ सदस्य।

सोमवार को स्कूल खुलने के बाद कक्षा में पहुंची एक छात्रा को पढ़ाती शिक्षिका।

**कोरोना** महामारी के भय से छह माह पूर्व 19 मार्च 2020 को बंद किए गए स्कूल सोमवार को खोल दिए गए। हालांकि स्कूलों में 9वीं से 12वीं कक्षा तक के विद्यार्थियों को ही बुलाया गया है। वह भी कम संख्या में। स्कूलों में पहुंचे विद्यार्थियों व स्टाफ ने कोरोना महामारी प्रोटोकॉल के तहत मास्क, सेनिटाइज व सामाजिक दूरी का ख्याल रखा गया।

सोमवार को जिले में स्कूलों को खोले जाने के साथ ही स्टाफ व अन्य कर्मचारियों ने पूरी ऐहतियात बरती। एक दिन पहले से ही सभी तैयारियां पूरी कर ली गई थी। सामाजिक दूरी के लिए फर्श पर पेंट से गोल दायरे बना दिए गए थे, ताकि सभी विद्यार्थी सामाजिक दूरी से ही खड़े हों। कक्षाओं में कमरों, बेंच को पूरी तरह से सेनिटाइज किया गया। जैसे ही विद्यार्थियों ने स्कूलों में प्रवेश किया गया, उनके हाथ धुनवाने, सेनिटाइज करने के साथ तापमान भी मापा गया। जिनका तापमान अधिक था, उनको प्रवेश देने से परहेज किया गया। स्कूलों में पहुंचने वाले शिक्षकों का कोरोना टेस्ट भी करवाया जा रहा है। ताकि किसी तरह का रिस्क ना रहे। निजी और सरकारी केंद्रों, अस्पतालों में कोरोना के टेस्ट किए जा रहे हैं। शिक्षकों ने इस दोनों स्थानों पर कोरोना की जांच करवाई। 9वीं से 12वीं तक की कक्षा के विद्यार्थियों के लिए शुरू किए गए स्कूलों में कम ही विद्यार्थियों को बुलाया गया है। उन विद्यार्थियों को बुलाया गया, जिन्हें ऑनलाइन पढ़ाई के दौरान कुछ समझ नहीं आया।

यहां जैकबपुरा स्कूल का दौरा किया तो देखा कि गेट के अंदर प्रवेश करते ही छात्राओं के हाथ सेनिटाइज कराने के साथ तापमान मापा जा रहा था। इसके बाद ही उन्हें कक्षाओं में प्रवेश दिया गया। स्कूल में पहुंचने वाले विद्यार्थियों के लिए यह भी जरूरी थी कि वे स्कूल में आने के लिए अपने परिजनों से पत्र लेकर आएं। यानी परिजन उन्हें पत्र देकर कहें कि वे अपनी मर्जी से अपने बच्चों को स्कूल भेज रहे हैं। सरकार ने सीधे तौर पर अपना बचाव किया है। अगर कल को किसी विद्यार्थी के साथ कोई परेशानी होती है तो सरकार इससे पल्ला झाड़ सकती है कि किसी विद्यार्थी को दबाव में नहीं बुलाया गया। हालांकि बच्चों की संख्या बहुत ही कम रही।

### मुफ्त में हों शिक्षकों के कोरोना टेस्ट

**शिक्षक** यूनियन के जिला प्रधान दुष्यंत ठाकरान का कहना है कि अभी तक 5 फीसदी शिक्षकों के भी कोरोना टेस्ट नहीं हो पाए हैं। साथ ही शिक्षकों से कोरोना जांच के नाम पर रुपए लिए जा रहे हैं। यानी कोरोना जांच सरकारी अस्पतालों में भी मुफ्त में करने की बजाय, रुपए लेकर की जा रही है। यह शिक्षकों के साथ भेदभाव है। अस्पतालों में आरटीपीसीआर टेस्ट के 1500 रुपए, रैपिड एंटीजन टेस्टिंग के 650 रुपये और एक जीसी बेस्ड ऐलिसा टेस्टिंग के 250 रुपये लिए जा रहे हैं।

## गांव खुर्रमपुर में दो पक्षों के बीच हुए झगड़े में महिला सहित चार घायल

**फर्रूखनगर।** खंड के गांव खुर्रमपुर खेडा में पूर्वजों की समाधि को लेकर दो पक्षों में झगड़ा हो गया। आपसी कहासूनी खूनी संग्राम में बदल गई। एक पक्ष ने दूसरे पक्ष के चार लोगों को लोहे की रॉड, सरिये, डंडे से मारपीट की और पथराव करके घायल कर दिया। घायलों का उपचार के लिए फर्रूखनगर के निजी अस्पताल में भर्ती कराया और झगड़े में गंभीर रुप से घायल साहिल को गुरुग्राम रेफर कर दिया गया है। पुलिस ने मौके की कार्रवाई के जांच शुरु कर दी है।

झगड़े में घायल हुए लेखराज ने बताया कि गांव में उनके पूर्वजों की समाधि बनी हुई है। समाधि पर हुए कब्जे को लेकर उनका परिवार के ही सदस्यों से मनमुटाव चल रहा था। रविवार को जब वह अपने घर पर थे तो उसी दौरन रोशन, नवीन, प्रवीण, जग्गी, नीरज, धीरज, कश्मीरी, भारती, प्रियंका, किरण, सरोज हाथो में लोहे की रॉड, सरिये, डंडे लेकर आये और गाली गलौच करने लगे। इसी बीच अचानक मारपीट शुरू कर दी। झगड़े के दौरान महिलाओं ने पथराव कर दिया।

## संक्षिप्त समाचार

### रेजांगला शौर्य की कहानी पाठ्यक्रम में शामिल हो : डॉ. टीसी राव

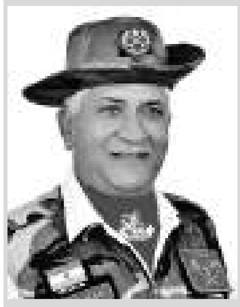

**गुरुग्राम।** पिछले छह सालों से की जा रही मांगों को स्वीकार करते हुए हरियाणा सरकार ने जिले के 144 सरकारी स्कूलों का नामकरण शहीदों के नाम पर करने का आदेश जारी किया है। इसके लिए ग्रामीण उत्थान-भारत निर्माण के संयोजक डॉ. टीसी राव ने मुख्यमंत्री का आभार व्यक्त किया है। टीसी राव ने यह भी कहा कि अब रेजांगला शौर्य की कहानी पाठ्यक्रम में शामिल की जाए। उन्होंने कहा कि 6 सालों से सरकार से निवेदन कर रहे थे कि शहीदों के नाम पर जिले के सभी स्कूलों का नाम उनके गांव के शहीद सैनिकों के नाम पर किया जाए। स्कूल के नामकरण के साथ-साथ स्कूल के प्रांगण में उस गांव के शहीदों की प्रतिमा की स्थापना भी की जाए। यह मांग काफी समय से लंबित थी। जिस पर हरियाणा सरकार इसकी घोषणा कर चुकी है। इसको क्रियान्वित करने के लिए जल्द से जल्द प्रयास किए जाएं। डॉ. राव कई बार मुख्यमंत्री से मिलकर इस मुद्दे पर चर्चा कर चुके हैं। सैनिक कल्याण मंत्री ओमप्रकाश यादव को पिछले 10 महीनों से बार-बार अवगत करवा रहे थे, उनका भी धन्यवाद करते हैं। हम तमाम शहीद परिवारों की ओर से पूर्व सैनिकों की ओर से और क्षेत्रवासियों की ओर से मुख्यमंत्री का एक बार फिर आभार व्यक्त करते हैं। स्कूलों के शहीदों के नाम पर नामांकरण से निश्चित रूप से गांव के युवाओं, जो स्कूल में पढ़ते हैं।

### अवैध हथियार सहित युवक गिरफ्तार

**सोहना।** सीआईए-39 गुरुग्राम पुलिस ने सोहना में अवैध हथियार लेकर घूम रहे युवक को गिरफ्तार किया है। जिसके खिलाफ सोहना सिटी थाना में मामला दर्ज कराया है। रविवार शाम सीआईए पुलिस सेक्टर-39 गुरुग्राम की टीम सोहना में गश्त कर रही थी। गश्त के दौरान सूचना मिलने पर जिला पलवल के थाना हथीन निवासी पीयूष को नागरिक अस्पताल के सामने से काबू कर लिया। तलाशी के दौरान अवैध हथियार बरामद कर लिया। आरोपी के खिलाफअवैध हथियार लेकर घूमने और लूट की वारदात को अंजाम देने की मंशा के तहत मामला दर्ज किया है।

### युवक तीन दिन बाद भी घर नहीं लौटा

**सोहना।** गांव खेड़ला में जरूरी काम के लिए घर से गया युवक 72 घंटे बीत जाने के बाद भी नहीं लौटा। युवक की पत्नी ने सोहना सदर थाना में शिकायत दर्ज कराई है। गांव खेड़ला निवासी सपना ने पुलिस को बताया कि उसका पति सुनील शर्मा शुक्रवार सुबह 8 बजे घर से बैंक के लिए निकला था। लेकिन तीन दिन से उनका कोई सुराग नहीं लग रहा है। उसका मोबाइल फोन बंद आ रहा है। पीड़िता महिला की शिकायत पर अज्ञात होने का पुलिस ने मामला दर्ज करने के बाद जांच शुरू कर दी है।

### लाइन कटने से शहर की पानी आपूर्ति व्यवस्था ठप

**सोहना।** सोहना में एलीवेटेड मार्ग निर्माण के दौरान बरती जा रही लापरवाही का खामियाजा आम लोगों को भुगतना पड़ रहा है। सड़क निर्माण कार्य को गति देने के प्रयास में बार-बार पेयजल आपूर्ति की लाइनें कट रही हैं। कॉलोनियों में पेयजल आपूर्ति न होने से लोग शहर के दूसरे वार्डों से पानी बाइक, स्कूटी, साइकिल से ढोकर ला रहे हैं। महिलाएं सिर पर बर्तन रख पानी लाने के लिए मजबूर हो रही हैं। सोहना के वार्ड-19 में बीते पांच दिनों में दो बार पेयजल पाइप लाइन कटने से समस्या ने विकराल रूप धारण कर लिया है। स्थानीय निवासी नैनसिंह सैनी का कहना है कि पांच दिन में मात्र दो घंटे पानी की सप्लाई मिली है। उन्होंने बताया कि सड़क निर्माण के दौरान मशीनों पर कार्य करने वाले इंजीनियर जमीन में दबी पानी लाइनों को नजरंदाज कर रहे हैं। मिट्टी खुदाई के दौरान जेसीबी या हाइड्रा से लाइनों को काट दिया जाता है। श्याम सिंह का कहना है कि दूसरे वार्ड में जाकर पानी साइकिल से लेकर आना पड़ रहा है। कोरोना काल में हर कोई जानकार अपने घरों में बाहरी लोगों को आने से रोक रहे हैं। जनस्वास्थ्य विभाग के अधिकारी व कर्मचारी एलीवेटेड मार्ग के निर्माण के दौरान पेयजल आपूर्ति की लाइन बार-बार कटने से परेशान हो रहे हैं। एसडीओ ओमप्रकाश का कहना है कि राष्ट्रीय लोक निर्माध विभाग के अधिकारियों को सड़क निर्माण कार्य में सतर्कता बरतने को कह दिया है। जिस स्थान पर लाइन कटती है। वहां पर लोकनिर्माण विभाग के कर्मचारी तुरन्त प्रभाव से ठीक करेंगे। ताकि पेयजल आपूर्ति की व्यवस्था किसी सूरत में समस्या का कारण न बने।

### फ्लाईंग स्कवायड टीमें रखेंगी पराली जलाने वालों पर नजर

**गुरुग्राम।** जिला में फसल के अवशेषों को जलाने से रोकने व इसकी निगरानी करने के लिए गांव, ब्लॉक एवं जिला स्तर पर फ्लाइंग स्कवायड टीमों का गठन कियागया है। ये टीमें जिला में फसलों के अवशेष जलाने की रोकथाम के लिए निरंतर कार्य कर रही हैं। उपायुक्तने बताया कि ग्रामीण स्तर पर मॉनीटरिंग के लिए संबंधित क्षेत्र के पटवारियों, सरपंचों तथा एडीओ की ड्यूटी लगाई गई है। इसी प्रकार खण्ड स्तर पर संबंधित खण्ड विकास एवं पंचायत अधिकारी, कानूनगो तथा खण्ड कृषि अधिकारी, उपमण्डल स्तर पर संबंधित एसडीएम, तहसीलदार, उपमण्डल कृषि अधिकारी तथा एसीपी निगरानी रखेंगे। उन्होंने बताया कि जिला स्तर पर जिला विकास एवं पंचायत अधिकारी, कृषि एवं किसान कल्याण विभाग, गुरूग्राम के उपनिदेशक तथा हरियाणा राज्यप्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के अधिकारी मोनिटरिंग करते हुए सुनिश्चित कर रही हैं कि जिला में फसलों के अवशेषों को ना जलाया जाए। जिला उपायुक्त ने जिला के सभी किसानों का आह्वान करते हुए कहा कि वे अपनी फसलों के अवशेष न जलाएं और फसलों के अवशेषों को जमीन मेंही मिलाएं ताकि भूमि की उर्वरा शक्ति बढ़ाई जा सके। उन्होंने किसानों से अपील करते हुए कहा कि किसान इस कार्य में जिला प्रशासन का सहयोग करें।

# एसओपी नियमों के अनुरूप सोमवार को खुले स्कूल

## बच्चों की हुई थर्मल स्क्रीनिंग और मांगा गया अभिभावक सहमति पत्र

पायनियर समाचार सेवा। तावडू

राजकीय मॉडल वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय तावडू में तापमान जांच कराते बच्चे।

**छह** महीने बाद स्कूल खुलने पर एक अलग ही चहल पहल दिखाई दी। कोरोना महामारी में कक्षा 9-12 तक के स्कूल खुलने की एसओपी का पालन करते हुए तावडू क्षेत्र के स्कूल खुले। जिन स्कूल संचालकों ने आज स्कूल नहीं खोला उन स्कूलों के स्टाफ ने सोमवार को सीएचसी व अपने स्कूल परिसर में कोरोना टेस्टिंग कराई। इन संचालकों ने कहा कि वे मंगलवार से स्कूल खोलेंगे।

स्कूलों में कदम रखते ही अध्यापकों व बच्चों की थर्मल स्क्रीनिंग हुई। सभी ने हाथों को सेनिटाइज किया गया व बच्चों से स्कूल प्रबंधन ने अभिभावकों का सहमति भरा पत्र भी लिया। इसके बाद ही बच्चे को स्कूल में अंदर आने की अनुमति मिली। हालांकि अभी स्कूलों में बच्चों को केवल परामर्श लेने को बुलाया गया है। सोशल डिस्टेंसिंग का अध्यापकों व बच्चों ने समुचित तौर पर पालन किया। यहां बता दें कि सरकार ने अनलॉक-4 में देश में 9वीं से 12वीं क्लास के छात्रों के लिए एहतियात के साथ स्कूल खोलने की मंजूरी दी है। कोरोना महामारी के चलते गत 6 महीने से स्कूल बंद थे। हालांकि अब भी वही छात्र स्कूल जा सकेंगे जिनके घर कंटेनमेंट जोन से बाहर हैं। ऐसे छात्रों के लिए ऑनलाइन क्लास अब भी जारी रहेगी। शांति निकेतन स्कूल पथरेडी के संचालक नरेश महलावत, स्प्रिंग डेजी कान्वेंट स्कूल के संचालक दीपक भाटी, ग्रीन डेल्ज स्कूल के संचालक भुवनेश्वर शर्मा, स्वामी विवेकानंद पब्लिक स्कूल के संचालक विनोद गोयल, हिंद हाई स्कूल के संचालक राजशेखर धर्मसोत, सर्वोदय सीनियर सेकेंडरी स्कूल के संचालक नरेश राठी, चंद्रवती स्कूल ऑफ एजुकेशन के संचालक बाबू रविंद्र गुप्ता, लिपिन पब्लिक स्कूल के संचालक संजीव यादव, जनता स्कूल के संचालक डॉ. केशव गोयल, एमएसडी स्कूल के संचालक हासम खान के अलावा कई अन्य स्कूल संचालकों ने सरकार की इस पहल का स्वागत किया है।

# परामर्श के लिए स्कूल पहुंचे 9 से 12वीं के विद्यार्थी

**सोहना।** राजकीय स्कूलों में सोमवार से कक्षा 9 से 12 के विद्यार्थियों को परामर्श के लिए बुलाया गया।

विद्यार्थियों को परामर्श के बाद घर भेज दिया। सोहना खंड हाई व सीनियर सेकेंडरी स्कूलों में 9 से 12वीं की कक्षाओं के विद्यार्थियों का स्कूल के प्रवेश द्वार पर बनाए गए विशेष जांच काउंटर पर शरीर का तापक्रम मापने के साथ उन्हें सैनेटाइज किया गया। शिक्षक और विद्यार्थियों के बीच सामाजिक दूरी का विशेष ध्यान रखा गया। पिछले छह माह जो विद्यार्थी अपने घर पर स्मार्ट मोबाइल फोन या नेटवर्क न होने के कारण पढ़ाई नहीं कर रहे थे। ऐसी छात्राओं को प्राथमिकता देते हुए सोमवार को स्कूल में पढ़ाई के लिए बुलाया। राजकीय कन्या वरिष्ठ माध्यमिक स्कूल की प्रधानाचार्य सुनील कुमारी ने बताया कि उन्होंने उन छात्राओं को परामर्श के लिए बुलाया है।

# फ्लाईओवर में आई दरार मरम्मत कार्य शुरू

एलीवेटेड मार्ग के निर्माणाधीन फ्लाईओवर में आई दरार। लाल घेरे में।

नरेश कुमार। सोहना

**गुरुग्राम-सोहना** के बीच निर्माणाधीन एलीवेटेड मार्ग पर ढाणी के पास बन रहे फ्लाईओवर में आई दरार ठीक करने की कवायद शुरू हो गई है। करीब दो माह पहले फ्लाईओवर की दो प्लेटों में दरार आने से हड़कंप मच गया था। पायनियर में छापी खबर का असर करीब एक माह के बाद दिखाई दे रहा है।

फ्लाईओवर की दो प्लेटों में दरार आने से फ्लाईओवर के निर्माण पर सवालियां निशान लगने लगे थे। वहीं फ्लाईओवर के निर्माण कार्य में बरती जा रही लापरवाही का खुलासा होने लगा। फ्लाईओवर का निर्माण कार्य एचजी इंफ्रा कंपनी द्वारा किया जा रहा है। दैनिक पायनियर अखबार ने समस्या को प्रमुखता से प्रकाशित किया था। जिससे कंपनी के ठेकेदार से लेकर अधिकारी तक हरकत में आ गए थे। करीब एक माह बाद कंपनी ने फ्लाईओवर में आई दरार दुरुस्त करने का कार्य शुरू कर दिया है। सूत्रों के अनुसार फ्लाईओवर में आई दरार ठीक करने वाले कारीगर उत्तर प्रदेश से आए हैं। समस्या दूर करने में कम से कम 15 दिन लगने की उम्मीद की जा रही है। इस संबंध में मौके पर मौजूद कंपनी के अधिकारियों से जानकारी प्राप्त करनी चाही तो उन्होंने कुछ भी बोलने से इंकार कर दिया।

## सस्पेंड सरपंच की जगह दूसरे को नहीं मिलने पर रुके विकास कार्य

**फर्रूखनगर।** खंड के गांव बांस हरिया अलियर की सरपंच सीमा उर्फ सविता को प्रधान सचिव पंचायती विभाग सुधीर राजपाल द्वारा फिर से सस्पेंड किए जाने के जिसके चलते गांव का सरपंच पद खाली पड़ा है। सरपंच पद रिक्त होने से लोगों को मूलभूत सुविधाओं स्ट्रीट लाइट, पेयजल, सफाई, सिवरेज आदि समस्याओं से दो चार होना पड़ रहा है। इतना ही नहीं स्कूल, कॉलेज के छात्रों को डोमोसाइल, चरित्र, जाति प्रमाण पत्र बनवाने में भी दिक्कत आ रही है।

गांव का सरपंच पद महिला आरक्षित है और गांव के कुल आठ पंचों में से 3 महिला पंच चुनी हुई है। अगर नियमों की बात करें तो इस सरपंच पद के लिए महिला पंचों में से ही कार्यवाहक सरपंच चुना जाना तय है। आठ पंचों में से पांच पंच जिस महिला पंच पर अपना विश्वास जताएंगे, वह गांव की नई कार्यवाहक सरपंच चुनी जा सकती है। जिला उपायुक्त ने खंड विकास एवं पंचायत अधिकारी को आदेश भी पारित किए हुए हैं कि गांव में कार्यवाहक सरपंच चुनने के लिए किसी बहुमत वाले पंच को चार्ज दिया जाए।

# पूर्व मंत्री जगदीश नेहरा बने नेहरा खाप ट्रस्ट के अध्यक्ष

## नेहरा खाप ट्रस्ट विधिवत रूप से पंजीकृत

## कर्नल धर्मवीर नेहरा सचिव, वरिष्ठ पत्रकार अमित नेहरा मैनेजिंग ट्रस्टी, बलवीर सिंह नेहरा बने सह -सचिव

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

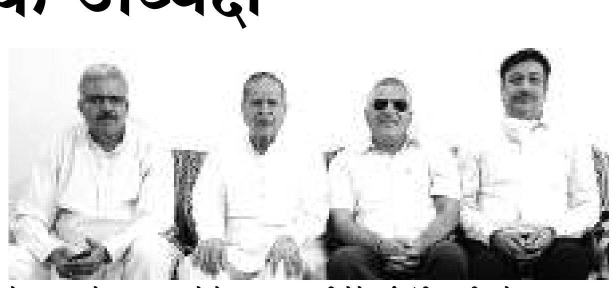

नेहरा खाप के अध्यक्ष बनने के बाद जानकारी देते पूर्व मंत्री जगदीश नेहरा।

**विश्व** शांति दिवस के मौके पर सुप्रसिद्ध नेहरा गौत्र की खाप के ट्रस्ट ने पंजीकरण कराया है। भविष्य में देश-विदेश के नेहरा गौत्र की सभी खापों की सभी गतिविधियां इस ट्रस्ट के अधीन होंगी। नेहरा खाप ट्रस्ट का अध्यक्ष पूर्व केबिनेट मंत्री जगदीश नेहरा, सचिव कर्नल धर्मवीर नेहरा, संयुक्त सचिव बलवीर सिंह नेहरा और मैनेजिंग ट्रस्टी वरिष्ठ पत्रकार अमित नेहरा को बनाया गया है। नेहरा खाप ट्रस्ट के अध्यक्ष जगदीश नेहरा ने कहा कि बड़े हर्ष का विषय है कि विश्व शान्ति दिवस पर नेहरा खाप ट्रस्ट का पंजीकरण हुआ है। इससे समाज में शान्ति और भाईचारे का संदेश जायेगा। नेहरा ने कहा कि देश-विदेश में अभी तक नेहरा खाप की गतिविधियां असंगठित रूप से चल रही थीं। ट्रस्ट बनने के बाद इनको संगठित रूप से आयोजित किया जा सकेगा। इससे संगठन में पारदर्शिता आयेगी। भविष्य में किसी प्रदेश या देश-विदेश में किसी भी नेहरा खाप के गठन या पुनर्गठन और चुनावों के लिए नेहरा खाप ट्रस्ट से मंजूरी लेनी आवश्यक होगी। जल्द ही नेहरा खाप ट्रस्ट, नेहरा खाप के लिए लिखित में दिशा-निर्देश जारी करेगा, ताकि संगठन में और ज्यादा पारदर्शिता आये। उन्होंने बताया कि नेहरा गौत्र का कोई भी व्यक्ति ट्रस्ट की सभी औपचारिकताएं पूरी करके ट्रस्टी बनकर समाजसेवा कर सकता है। नेहरा खाप ट्रस्ट के अध्यक्ष जगदीश नेहरा खाप के भी राष्ट्रीय अध्यक्ष हैं। उन्होंने कहा कि फिलहाल कोरोना काल चल रहा है। अत: खाप बड़े सामाजिक सम्मेलनों के आयोजनों से दूरी बनाए हुए है। जब तक स्थितियां सामान्य नहीं हो जातीं तब तक सामाजिक दूरी का पालन आवश्यक है। इस दौरान कम संख्या में एकत्रित होकर समाजसेवा के कार्य किये जाए। इस अवसर पर कृष्ण नेहरा, संदीप नेहरा, आशीष नेहरा, सहीराम सहारण पूर्व सरपंच और राम जाट समेत अनेक गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

# ...जो चाहो छांव तो वृक्षों सा झुक जाना जरूरी है

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

गुरुग्राम में काव्य गोष्ठी में शामिल कविगण।

**बड़े** हो तो बड़प्पन का हुनर आना जरूरी है, जो चाहो छांव तो वृक्षों सा झुक जाना जरूरी है। कवियत्री मोनिका शर्मा ने यह संदेशपरक रचना पढ़ी डिजिटल काव्य गोष्ठी में। यह हिन्दी विमर्श एवं काव्य गोष्ठी अखिल भारतीय साहित्य परिषद गुरुग्राम इकाई की ओर से आयोजित की गई। प्रख्यात कवि एवं साहित्य परिक्रमा के संपादक डॉ. इंदुशेखर तत्पुरुष ने मुख्य अतिथि के रूप में शामिल रहे। प्रख्यात कवि एवं गगनांचल पत्रिका के संपादक डॉ. आशीष कंधवे विशिष्ट अतिथि रहे।

कार्यक्रम की अध्यक्षता अभासा परिषद गुरुग्राम इकाई की अध्यक्ष प्रो. कुमुद शर्मा ने की। प्रान्तीय मार्गदर्शक शिव कुमार खंडेलवाल के सान्निध्य में प्रान्तीय महामंत्री डॉ. योगेश वशिष्ठ ने विषय प्रवर्तन की भूमिका का निर्वाह किया। कार्यक्रम का सुन्दर संचालन इकाई महामन्त्री मोनिका शर्मा ने किया।

गोष्ठी में डॉ. योगेश वशिष्ठ ने वर्तमान समय के कठिन दौर की प्रभावशाली रचना पढ़ी। उन्होंने सुनाया-हम समय के ऐसे कठिन दौर से गुजर रहे हैं, जिसमें बच्चों का बचपन टीवी मोबाइल ने लील दिया है। अपनी भाषा को भूलकर अंग्रेजी का जादू सिर चढ़कर बोल रहा है। हमारी भारतीयता व स्वाभिमान को लकवा मार गया है। हरीन्द्र यादव ने सम सामयिक हरियाणवी रचना पढ़ी-फीके पड़ गए सब त्योहार-कोरोना तेरो डर लागे, सबके मुंह चढ़ा आवरण- दे न शक्ल दिखाई, दो गज की दूरी रखकर-कैसे दें बधाई। नरेन्द्र खामोश ने सुनाया-फैल गयो सब देसन में, कहुं देस को कोउ प्रदेस बचो ना। शालिनी रस्तोगी के सस्वर काव्य पाठ निज दुख निज पीड़ा से कैसे तुमको एकाकार करूं। सविता स्याल ने सुनाया-काश, धरती से स्वर्ग तक मार्ग इक सुन्दर बन जाए, हम चंदा, तारों संग, अक्सर जा बैठ, बतियाएं। डॉ. इंदुशेखर ने रविवार को केन्द्र में रखकर मध्यम वर्गीय परिवार के बिम्ब से शानदार चित्र खींचा। उन्होंने सुनाया-हफ्ते में दो बार क्यों नहीं आता रविवार। राजकुमार गजलयार ने महानगरों की जीवनशैली से जुड़ी गजल में सुनाया-जिन्दगी में इतनी भागम-भाग क्यों है, सोती नहीं सड़कें रात-रात शहर में बेचैन जागम-जाग क्यों है।

डॉ. आशीष कंधवे ने अयोध्या के संदर्भ में रचना में कहा-धरा क्षितिज का देख आलिंगन हर्षित, हर्षित भारत-भू का कोना-कोना आज मधुवन है। कार्यक्रम की अध्यक्षता अभासा परिषद गुरुग्राम इकाई की अध्यक्ष प्रो. कुमुद शर्मा ने की। प्रान्तीय मार्गदर्शक शिव कुमार खंडेलवाल के सान्निध्य में प्रान्तीय महामंत्री डॉ. योगेश वशिष्ठ ने विषय प्रवर्तन की भूमिका का निर्वाह किया। कार्यक्रम का सुन्दर संचालन इकाई महामंत्री मोनिका शर्मा ने किया। इस गोष्ठी में साहित्यकार मुकेश शर्मा, विभा रश्मि, कमलेश कौशिक, कृष्णा जैमिनी, ज्योति वर्मा, अश्वनी शर्मा सहित कई साहित्य प्रेमियों ने शिरकत की।

## होम आइसोलेशन में कोरोना संक्रमितों को करा रहे वर्चुअल योगासन

**गुरुग्राम।** कोरोना संक्रमित होम आइसोलेशन में रह रहे मरीजों के लिए वर्चुअल माध्यम से योग सत्र का आयोजन भी शुरू किया गया है ताकि वे योग क्रियाएं करके अपने शरीर की बिमारियों से लड़ने की प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाकर जल्द कोरोना को मात दे सकें और स्वस्थ हो सकें।

जिला आयुष विभाग ने होमआइसोलेशन में रह रहे मरीजों के लिए एक घंटे का योग सेशन वर्चुअल माध्यम से शुरू किया है। इस दौरान होम आइसोलेशन में रहे रहे कोरोना संक्रमित मरीजों को उनयोग क्रियाओं की जानकारी दी जाती है जिससे उनकी रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ेतथा वे जल्दी इस बीमारी से रिकवर कर पाएं। यह वर्चुअल योग सेशन प्रतिदिन प्रात: 9 बजे से 10 बजे तक एकघंटे के लिए योग प्रशिक्षक भूदेव द्वारा करवाया जाता है।

# भ्रष्टाचार और काम में देरी बर्दाश्त नहीं होगी : सत्यप्रकाश जरावता

पायनियर समाचार सेवा। फर्रूखनगर

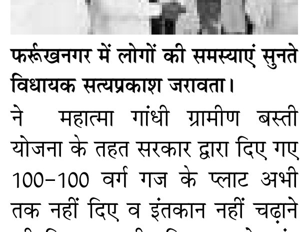

फर्रूखनगर में लोगों की समस्याएं सुनते विधायक सत्यप्रकाश जरावता।

**पटौदी** के विधायक सत्यप्रकाश जरावता ने सोमवार को खंड विकास एवं पंचायत अधिकारी कार्यालय परिसर में क्षेत्र की विभिन्न समास्याओं के समाधान के लिए अधिकारियों, कर्मचारियों की बैठक ली। इस बैठक में उन्होंने सख्त हिदायत दी कि भ्रष्टाचार और कार्य में देरी नहीं चलेगी। अधिकारी विशेष ध्यान दें, ताकि क्षेत्र की जनता को अपने कार्यों के लिए बार बार सरकारी दफ्तरों के चक्कर ना लगाने पड़े। अधिकारी, कर्मचारियों और जनप्रतिनिधियों का जनता की सेवा ही परम धर्म है।

उन्होंने कहा कि आज की अधिकारियों के साथ बैठक का मुख्य उद्देश्य कोरोना काल से पूर्व कराये गए विकास कार्यों की रुप रेखा और समीक्षा करना है। बैठक में शिकायत लेकर पहुंचे गांव महचाना के ग्रामीणों ने महात्मा गांधी ग्रामीण बस्ती योजना के तहत सरकार द्वारा दिए गए 100-100 वर्ग गज के प्लाट अभी तक नहीं दिए व इंतकान नहीं चढ़ाने की शिकायत की। विधायक ने तुरंत बीडीपीओ को गरीबों की फरियाद पर अमल करने के आदेश दिए। ग्रामीणों ने बिजली, पानी, सड़क, सीवरेज, पुलिस विभाग से जुड़ी समस्याओं को रखा तो उन्हें जल्द समस्या के समाधान का आश्वासन दिया। विधायक ने समस्याएं सुनने के उपरांत मीडिया से रूबरू होते हुए कहा कि अनाज मंडी फर्रूखनगर में बाजरे की खरीद शुरु होने से पहले जर्जर सड़क को दुरुस्त कर दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि तीन कृषि अध्यादेश से किसानों को असली आजादी मिलेगी। देश का किसान खुश है।

विपक्ष किसानों बरगलाने, बहकाने में जुटा है। उन्होंने शिक्षा विभाग के अधिकारियों से कहा कि फर्रूखनगर खंड के सभी गांवों के सरकारी स्कूलों में लड़के और लड़कियों के शौचालय बनाये जाये। मुशैदपुर हाई स्कूल को अपग्रेड करने की फाइल तैयार की जाये। उन्होंने पीडब्ल्यूडी विभाग के एसडीओं से फर्रूखनगर के सरकारी सरकारी अस्पताल के 50 बेड के भवन निर्माण, डिग्री कालेज फर्रूखनगर सुल्तानपुर के निर्माण के बारे में जानकारी ली और जल्द निर्माण पूरा करने के लिए कहा।

पायनियर
हरियाणा, मंगलवार 22 सितंबर, 2020



# जजपा ने किसानों से किया विश्वासघात : अशोक अरोड़ा

## प्रदर्शन कर कांग्रेस ने तीन अध्यादेशों के खिलाफ सौंपा ज्ञापन

पायनियर समाचार सेवा। कुरुक्षेत्र

तीन अध्यादेशों के खिलाफ पूर्व मंत्री अशोक अरोड़ा के नेतृत्व में प्रदर्शन करते कांग्रेसी कार्यकर्ता। प्रदर्शनकारियों को संबोधित करते पूर्व मंत्री अशोक अरोड़ा।

**केंद्र** सरकार द्वारा जारी तीन अध्यादेशों के विरोध में किसान, व्यापारी और मंडी मजदूरों द्वारा चलाए जा रहे आंदोलन के समर्थन में जिला कांग्रेस कमेटी ने प्रदर्शन किया। पूर्व मंत्री हरमोहिंद्र सिंह चट्ठा, अशोक अरोड़ा और लाडवा विधायक मेवा सिंह के नेतृत्व में कार्यकर्ताओं ने लघु सचिवालय पर नारेबाजी करते हुए रोष व्यक्त किया। यही नहीं, प्रदर्शनकारियों ने राष्ट्रपति के नाम नगराधीश को ज्ञापन भी सौंपा। राष्ट्रपति से अपील की गई कि संसद में पारित इन अध्यादेशों के बिल स्वीकृति प्रदान न करें। इससे पहले कांग्रेसी कार्यकर्ता पंचायत भवन पर एकत्रित हुए और वहां से सरकार विरोधी नारेबाजी करते हुए लघु सचिवालय पहुंचे।

प्रदर्शनकारियों को संबोधित करते हुए वरिष्ठ कांग्रेसी नेता एवं पूर्व मंत्री अशोक अरोड़ा ने कहा कि यदि राष्ट्रपति इन विधेयकों पर हस्ताक्षर करके इन्हें कानूनीजामा पहनाते हैं तो यह कानून देश के किसानों, मंडी के आढ़तियों और मंडी मजदूरों के लिये डेथ वारंट साबित होगा। केंद्र में सत्तारुढ़ भाजपा सरकार किसान विरोधी यह कानून बनाकर किसानों देश के बड़े-बड़े पूंजी पतियों के चंगुल में फंसाने का षड्यंत्र रच रही है इन विधेयकों में किसानों की फसल मंडी से बाहर बिक्री पर न्यूनतम समर्थन मूल्य पर बिकने की कोई गारंटी नहीं दी है।

कानून से मंडी सिस्टम खत्म हो जाएगा और मंडी से बाहर बड़े बड़े पूंजीपति और बड़ी कंपनियां किसानों की फसलों को औने-पौने दामों पर खरीदेगी, जिससे पहले ही कर्जे में डूबा कृषक वर्ग तबाह हो जाएगा। इसी के साथ साथ मंडी के आढ़ती उनकी दुकान पर काम करने वाले मुनीम, एमंडी मजदूर सब बेकार हो जाएंगे और इनके सामने आर्थिक संकट खड़ा हो जाएगा। प्रदेश के उप मुख्यमंत्री दुष्यंत चौटाला पर हमला बोलते हुए अरोड़ा ने कहा कि किसानों के नाम पर और भाजपा के विरोध में वोट मांग कर ये लोग सत्ता के लालच में भाजपा की गोदी में जा बैठे हैं और किसान हितैषी होने का ड्रामा रच रहे हैं।

उन्होंने कहा कि यदि जजपा के नेता अपने आप को चौधरी देवीलाल का अनुयायी और किसानों का हितैषी मानते हैं, तो उन्हें सत्ता का मोह त्याग कर भाजपा का साथ छोड़ देना चाहिए। प्रदर्शन में कांग्रेस प्रदेश महासचिव पवन गर्ग, पिहोवा के युवा कांग्रेसी नेता गगनजोत सिंह संधू, कांग्रेस के प्रदेश संगठन सचिव सुभाष पाली, इंप्रूवमेंट ट्रस्ट के पूर्व चेयरमैन जलेश शर्मा, शाहाबाद नगर पालिका के पूर्व चेयरमैन हरीश कवातरा, ओमप्रकाश हथीरा, पवन चौधरी, जिप की पूर्व उपाध्यक्ष सुनीता नेहरा, महिला कांग्रेस की पूर्व जिला प्रधान निशी गुप्ता, प्रवेश राणा, नीलम बड़ौंदा, सुनीता बतान, सुभाष हुड्डा, रणबीर बुरा और चंद्रभान बाल्मीकी सहित कई स्थानीय कांग्रेसी नेता एवं कार्यकर्ता मौजूद रहे।

## राष्ट्रपति से की कृषि विधयकों पर विचार करने की मांग

**करनाल।** केंद्र सरकार द्वारा पारित कराए गए तीन विधेयकों के विरोध में सोमवार को जिला कांग्रेस द्वारा करनाल में जिला मुख्यालय मिनी सचिवालय के बाहर प्रदर्शन किया। इससे पहले कांग्रेस के प्रतिनिधि मंडल ने राष्ट्रपति के नाम डीसी को ज्ञापन दिया। कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने पहले एडीसी को ज्ञापन देने से मना कर दिया बाद में एक घण्टे तक कांग्रेस नेता प्रदर्शन करने के बाद डीसी को ज्ञापन दिया। ज्ञापन के माध्यम से राष्ट्रपति से फिर से विचार के लिए इन विधेयकों को लौटाने की मांग की है। प्रतिनिधिमंडल की अगुवाई कांग्रेस के जिला संयोजक स. तरलोचन सिंह ने और बीरेंद्र राठौर ने की। इस अवसर पर वरिंद्र राठौर, भीम मेहता, अनिल राणा, डॉक्टर नवजोत कश्यप, बंताराम वाल्मीकि, रघुबीर संधू, सुरेश मतलोडा, जोगिंदर नली, पंकज पुनिया, कृष्ण बस्तारा, ललित बुटाना, राजिंदर बल्ला, राजेंदर कल्याण, राजबीर चौहान, पवन शाहपुर, जोगिंदर चौहान, परवीन शर्मा, उषा, तुलीरानी कांबोज और सुषमा नागपाल आदि बड़ी संख्या में लोग मौजूद रहे।

## मांग अनदेखा कर थोप दिए तीन अध्यादेश : शंकर घोष

**कुरुक्षेत्र।** आल इंडिया किसान खेत मजदूर संगठन के राष्ट्रीय महासचिव शंकर घोष ने कहा कि देशभर के किसानों द्वारा लंबे अरसे से उठाई जा रही कर्ज मुक्ति और और फसलों की लागत से डेढ़ गुणा लाभकारी दाम देने की दो प्रमुख मांगों को अनदेखा किया जा रहा है। केंद्र की भाजपा सरकार ने कोरोना-लॉकडाउन की विकट स्थिति का दुरुपयोग करते हुए 5 जून को किसान-विरोधी तीन काले अध्यादेश थौप दिए थे। इनके खिलाफ गांव से लेकर संसद तक उठी आवाज की निर्लज्जता से उपेक्षा कर किसानों, खासकर छोटे व मध्यम किसानों की कीमत पर भाजपा सरकार द्वारा देशी-विदेशी कोरपोरेट कम्पनियों के स्वार्थ में इन तीनों अध्यादेशों को कानूनी शक्ल दिए जाने का ऑल इण्डिया किसान खेत मजदूर संगठन कड़ी निंदा करता है।

## कृषि अध्यादेशों पर लड़ेंगे आर-पार की लड़ाई : निखिल

**सोनीपत।** समाजसेवी एवं कांग्रेस नेता निखिल मदान ने प्रदेश कांग्रेस कमेटी द्वारा पूर्व मुख्यमंत्री भूपेन्द्र सिंह हुड्डा के नेतृत्व में आयोजित धरना प्रदर्शन में युवा साथियों के साथ भाग लिया। निखिल मदान ने केंद्र सरकार द्वारा पेश किए कृषि अध्यादेशों को किसानों के लिए नुकसानदायक बताते हुए सरकार से अपील की कि वो इन अध्यादेशों को वापस ले और फसलों के न्यूनतम समर्थन मूल्य की बात करें।

पत्रकारों से बातचीत के दौरान निखिल मदान ने कहा कि सरकार वर्तमान अध्यादेश में फसलों को देश में किसी भी राज्य में बेचने की बात कर रही है, लेकिन न्यूनतम समर्थन मूल्य का वादा करने से बच रही है, जो किसानों के साथ सरासर धोखा है। ये अध्यादेश मुख्य तौर पर मंडियों को खत्म करने और कृषि का निजीकरण करने का प्रयास है। निखिल मदान ने बताया कि सरकार किसानों के धैर्य की परीक्षा न ले, अन्यथा वो किसानों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर सड़क पर उतरने को मजबूर होंगे। इस दौरान उनके साथ प्रदीप सांगवान, दिनेश हुड्डा, मंजीत गहलावत, मनजीत मलिक, इंतजार मिर्जा, हरेंद्र धनखड़, शीला आंतिल, रीना मलिक, राजेश मलिक, नीलम बाल्यान, पायल गुप्ता, रोहित हुड्डा, करनैल राणा, सचिन भारद्वाज, राजेश बवेजा, संदीप मलिक, शुभम जैन, संदीप सरोहा, मैना, नरेंद्र भोला, सुरेश प्रधान, संदीप सूद, मनोज खत्री, राजेश, अशोक गुप्ता आदि कांग्रेस कार्यकर्ता मौजूद रहे।

निखिल मदान के नेतृत्व में एकत्रित कांग्रेसी।

## संक्षिप्त समाचार

### विधायक ने वार्ड 2 व 31 में किया गलियों का उद्घाटन

**कैथल।** विधायक लीला राम ने नगर परिषद द्वारा कराए जा रहे विकास कार्यों में वार्ड 31 में 10 लाख से और वार्ड 2 में 7 लाख से निर्मित गली का उद्घाटन किया। विधायक ने कहा कि कैथल शहर में चारों तरफ विकास कार्य चल रहे हैं और जल्दी ही कैथल को साफ सुथरा कर चमका दिया जाएगा। आने वाले दिनों में कैथल में रिकॉर्ड तोड़ विकास कार्य कराए जाएंगे। इस मौके पर जिला पार्षद भाग सिंह खनोदा, गौरव मित्तल पाडला, पार्षद आशा रानी, पार्षद विनोद सोनी, रामकुमार नैन, नरेश मित्तल, प्रवीण सरदाना, सत्तू कटवाड़, विकास कटवाड़, राजेश ढुल, कुशल पाल सैन, केवल सिंह, सुरेंद्र पहलवान, वंदना, वाला, रवि, बाला, सावित्री देव, रवि कुमार, नरेश कुमार, संदीप कुमार, सुभाष चंद्र और कुलदीप सिंह भी मौजूद रहे।

### इंटरनेट सुविधाओं से लैस होंगे जिले के सभी गांव

**कैथल।** ग्राम पंचायतों के कार्यों को समूचित व आधुनिक परिवेश के अनुसार चलाने के लिए जिला की पंचायतों में ऑप्टीकल फाइबर व्यवस्था के तहत इंटरनेट की सुविधा दी जाएगी, जिससे सभी ग्राम पंचायतों में इंटरनेट की बेहत्तरीन सुविधा होगी और ऑनलाईन कार्य ठीक प्रकार से हो पाएंगे। इसी के तहत प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने घर तक फाइबर योजना का ऑनलाइन शुभारंभ किया। जिला की 160 पंचायतों में यह व्यवस्था शुरू हो गई है, बाकि बची ग्राम पंचायतों को जल्द ही ऑप्टीकल फाईबर के जरिए इंटरनेट की व्यवस्था से जोड़ा जाएगा। यह जानकारी उपायुक्त सुजान सिंह ने दी।

### कुपोषित बच्चों की पहचान के लिए आगे आईं आशा वर्कर्स

**कैथल।** महिला एवं बाल विकास विभाग की कार्यक्रम अधिकारी ऊषा मुवाल ने बताया कि जिला में चल रहे पोषण अभियान के तहत सभी आंगनबाड़ी केंद्रों पर आशा वर्करों द्वारा जीरो से छह वर्ष तक के बच्चों के वजन और शारीरिक लंबाई का आकलन किया गया, जोकि आज के पोषण माह की मुख्य थीम थी। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य कुपोषित बच्चों की पहचान करना था और अगर कोई कुपोषण के दायरे में है तो उनके अभिभावकों को उचित आहार के बारे में जागरूक किया, ताकि सभी बच्चे कुपोषण के दायरे से बाहर आ सके। उन्होंने बताया कि इसके साथ-साथ घर जाकर भी सभी लोगों को कुपोषण से बचने के उपाय के बारे में जागरूक किया। पोषण माह एक अक्तूबर तक जारी रहेगा, जिसके तहत विभिन्न क्रिया कलाप चलाए जाएंगे।

### 26 तक होगा परिवार पहचान पत्रों में संशोधन : कुंडू

**कैथल।** परिवार पहचान पत्र में त्रुटियों को दूर करने के लिए विशेष अभियान के तहत 23 सितंबर तक सभी सरकारी व प्राइवेट स्कूलों में शुद्धिकरण का कार्य किया जा रहा है। इसके साथ-साथ 24 से 26 सितंबर तक संबंधित बीएलओ अपने-अपने बुथों पर बैठकर शुद्धिकरण का कार्य करेंगे। उन्होंने सभी आह्वान किया कि इस समयावधि में अगर किसी को परिवार पहचान पत्र में कोई शुद्धि करवानी है तो वे जरूर करवाएं, ताकि सरकार द्वारा मिलने वाली विभिन्न योजनाओं का लाभ प्राप्त कर सकें।

### नवनियुक्त जिलाध्यक्ष का जजपाइयों ने किया स्वागत

**कैथल।** कैथल जजपा के नवनियुक्त जिलाध्यक्ष बनने पर रामफल मलिक खुराना का जजपा कार्यकर्ताओं ने रोड शो के माध्यम से स्वागत किया। नवनियुक्त जिलाध्यक्ष का रोड शो ढोल नगाड़ों सहित खुराना रोड से शुरू हुआ जो पुराने बस स्टैंड से होते हुए पार्टी कार्यलय तक पहुंचा। कार्यकर्ताओं ने फूल मालाओं के साथ जिलाध्यक्ष का स्वागत किया। स्वागत समारोह में पहुंचे गुहला विधायक ईश्वर सिंह ने जजपा का जिलाध्यक्ष नियुक्त होने पर रामफल मलिक को शुभकामनाएं दी और पार्टी हाईकमान के फैसले की तारीफ की। विधायक गुहला ईश्वर सिंह, रणदीप कौल, हरदीप पाडला, बलवान कोटडा, वीरेन्द्र ढाडा, चन्द्रभान दयौरा, संदीपा कयोडक, मांगेराम ढुल मौजूद रहे।

# किसान व कंपनी का विवाद होने पर नहीं जा सकते अदालत

## कृषि अध्यादेशों को लेकर कांग्रेस ने सौंपा राष्ट्रपति के नाम ज्ञापन

पायनियर समाचार सेवा। कैथल

कैथल में धरने पर बैठे कांग्रेस पार्टी के पदाधिकारी।

**भाजपा** सरकार द्वारा किसानों, आढ़तियों, मजदूर व गरीब विरोधी काला कानून तीन कृषि अध्यादेश के विरोध में कैथल में सोमवार को पूर्व मंत्री जयप्रकाश, वरिष्ठ कांग्रेस नेता सुदीप सुरजेवाला, पुंडरी से कांग्रेस प्रत्याशी सतबीर भाणा के नेतृत्व में सांकेतिक धरना दिया गया।

कांग्रेस ने आरोप लगाया कि ये तीनों अध्यादेश पूरी तरह से किसान, मजदूर और आढ़ती विरोधी हैं। इन अध्यादेशों के जरिए सरकार के कुछ पसंदीदा पूंजीपतियों को लूट की खुली छूट होगी और किसान अपनी फसल बेचने के लिए पूंजीपतियों पर निर्भर होंगे। उन्हें न्यूनतम समर्थन मूल्य भी नहीं मिल पाएगा। बाद में कांग्रेस ने महामहिम राष्ट्रपति को संबोधित एक ज्ञापन डीसी को सौंपा। तीन अध्यादेशों से जुड़े तथ्य का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि पहले अध्यादेश के मुताबिक पैन कार्ड धारक कोई भी व्यक्ति, कंपनी, सुपर मार्केट किसी भी किसान का माल किसी भी जगह पर खरीद सकते हैं। कृषि माल की बिक्री कृषि उपज मंडी समिति में होने की शर्त हटा ली गई है। जिससे मंडी में होने वाली प्रतिस्पर्धा और फसल का न्यूनतम समर्थन मूल्य दोनों समाप्त हो जाएंगे। कानून से मंडियां खत्म हो जाएंगी वहीं किसानों की फसल ओने-पौने दामों पर बिकेंगी, जिससे किसानों को भारी नुकसान होगा। किसानों के उत्पाद की खरीद मंडी में नहीं होगी तो सरकार इस बात को रेगुलेट नहीं कर पाएगी कि किसानों को न्यूनतम समर्थन मूल्य मिल रहा है या नहीं। अध्यादेश में एक महत्वपूर्ण बात यह भी है कि किसान व कंपनी के बीच विवाद होने की स्थिति में कोर्ट का दरवाजा नहीं खटखटाया जा सकता। इस अवसर पर हरियाणा किसान कांग्रेस के अध्यक्ष धर्मवीर कौलेखां, पूर्व मंत्री जयप्रकाश, सुदीप सुरजेवाला, दिल्लूराम बाजीगर, सुल्तान जडौला, सतबीर भाणा, बिल्लू चंदाना, मदन सांपली खेड़ी, गुरदेव ढूंढ़वा, रोशन पाडला, रणबीर सरपंच, मोहन शर्मा क्योड़क, बृजपाल राणा, जोरा सिंह सिनन्द, बलवान कुराड और बलवंती आदि मौजूद रहे।

## किसान अध्यादेश का कांग्रेस ने किया विरोध प्रदर्शन कर दिया ज्ञापन

**भिवानी।** भिवानी में कांग्रेस पार्टी के निर्देश पर कांग्रेस कार्यकर्ताओ ने किसान सम्बंधित अध्यादेश का विरोध प्रदर्शन कर उपायुक्त के माध्यम से राष्ट्रपति को ज्ञापन सौपा। इस अवसर पर अमर सिंह हलवासिया ने कहा कि अनानं फानन में भाजपा सरकार ने 3 किसान विरोधी अध्यादेश बिना संख्या बल के राज्य सभा में पारित कर के अपनी तानाशाही का परिचय दिया है, ये दिन देश के इतिहास में काला दिवस के रूप में जाना जायेगा। जिला कोर्डिनेटर शीशराम मेचु ने कहा कि इन अध्यादेशों के लागू होने से देश का किसान, मजदूर और छोटा व्यापारी पूरी तरह बर्बाद हो जायेगा, कांग्रेस पार्टी इन अध्यादेशों को किसी सूरत में लागू नहीं होने देगी, यह देश का दुर्भाग्य है कि हमारा अन्नदाता सड़क पर है और इस अध्यादेश से किसान केवल मजदूर बनकर रह जाएगा भाजपा सरकार कॉरपोरेट सेक्टर के हाथों में किसानों को सौंपना चाहती है। इस अवसर पूर्व विधायक सोमवीर सिंह, पूर्व विधायक राम किशन फौजी, कृष्ण लेघां, शीशराम गोलागढ़, हरिसिंह सागवान, परमजीत मडडू, दिलबाग नीमड़ी, सुभाष गोलागढ़ मौजूद थे।

## तीनों अध्यादेश किसानों की आय बढ़ाने के लिए हैं : रामकुमार कश्यप

**इंद्री।** विधायक रामकुमार कश्यप ने सिंचाई विभाग के विश्राम गृह में जन सुनवाई कार्यक्रम में हल्के के लोगों की शिकायतें एवं समस्याएं सुनी। मौके पर काफी संख्या में हल्कावासी मौजूद रहे। विधायक ने बताया कि हर सोमवार को सिंचाई विभाग के विश्राम गृह में जन सुनवाई कार्यक्रम आयोजित कर लोगों की समस्याओं का समाधान करते हैं और फोन के माध्यम से प्रशासन के अधिकारियों को लोगों की समस्याओं का शीघ्र समाधान करने के निर्देश देते हैं ताकि लोगों को सरकारी कार्यालयों के अनावश्यक चक्कर न लगाने पड़े।

जन सुनवाई कार्यक्रम में क्षेत्र के लोगों ने उनके समक्ष नालियों, गलियों, सड़कों, बांध बनवाने, पक्का मकान बनवाने, पीले राशन कार्ड, स्थानातंरण, बिजली, पानी, विकास कार्यों की ग्रांटों से संबंधित और सबसे अधिक रोजगार से संबंधित एवं विकास कार्यों के कराए जाने से संबंधित शिकायतें एवं समस्याएं रखीं।

कश्यप ने कहा कि विपक्षी दल तीनों अध्यादेशों को लेकर प्रदेश के किसानों को गुमराह कर रहे हैं और किसानों में तरह तरह की भ्रातियां फैला रहे हैं, लेकिन प्रदेश सरकार द्वारा किसानों की फसल का एक एक दाना खरीद किया जाएगा और प्रत्येक फसल का वाजिब दाम किसानों को दिलाया जाएगा। उन्होंने कहा कि देश व प्रदेश की सरकारें किसानों की आमदनी बढाने का हर संभव प्रयास कर रही है। इस अवसर पर धर्मपाल शाडिल्य, अमित खेड़ा, मुकेश तुसंगो, नवदीप सिंह, मनीष बैरागी, विजय कश्यप, सुभाष खेडा, रमेश रिण्डल, शिव कुमार, जसमेर सिंह, कृष्ण उमरपुर, मेहम सिंह धीमान, नरेश सैनी, मीना रानी सहित अनेक भाजपा पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता भी उपस्थित रहे।

## पायनियर क्लासीफाइड

◆ नाम परिवर्तन ◆

We, Vikram Singh S/o Rajbir Singh & Mamta Rani W/o Vikram Singh R/o VPO Damdama, Tehsil Sohna, Gurugram declare that Vikram Singh @ Vikram and Mamta Rani @ Mamta are one and same person respectively.

I, Prem Kumari W/o Yash Pal Narula R/o 2L-62 B.P, NIT Faridabad HR have changed my name to Poonam Narula

मैं, प्रितपाल कौर पुत्री श्री उपकार सिंह निवासी मं नं 86, नजदीक बामबा किरयाना स्टोर, न्यू जीवन नगर, सोनीपत (हरियाणा) बयान करती हूं कि मैंने अपना नाम प्रीतपाल से बदलकर प्रितपाल कौर रख लिया है भविष्य में मुझे इसी नाम से जाना व पढ़ा जाए।

◆ बेदखली सूचना ◆

हम, विनोद कुमार पुत्र लख्मी दास व सुरेश रानी पत्नी विनोद कुमार निवासीगण मकान न. बी-290, वार्ड नं. 31, भगत कालोनी, बल्लबगढ़, जिला फरीदाबाद ने अपने पुत्र भारत जो हमारे कहने से बाहर है, आपराधिक किस्म का है, इसलिए हमने उसको अपनी तमाम चल अचल संपत्ति से बेदखल कर दिया है। भविष्य में उससे लेनदेन, करने वाले स्वयं जिम्मेदार होंगे।

**बेदखली सूचना**

मैं, सुभाष चन्द पुत्र श्री चैना राम निवासी मकान न. 99, शान्ति नगर, चार मरला, सोनीपत बयान करता हूँ कि मेरा पुत्र गगन अपनी पत्नी के साथ किराए के मकान में पिछले 12 सालों से मुझसे अलग रह रहा हैं परंतु फिर भी मुझे तंग व परेशान करता रहता है मैं अपने पुत्र गगन व इसकी पत्नी को अपनी तमाम चल-अचल सम्पत्ति से बेदखल करता हूं भविष्य मे इनसे लेन-देन करने वाला स्वयं जिम्मेदार होगा तथा मेरी कोई जिम्मेदारी नही होगी।

**सार्वजनिक सूचना**

सर्वसाधारण सूचित किया जाता है कि ग्राम होशंगाबाद नई जोहड़ का रकबा 10 कनाल 17 मरले खसरा नं 38 सरेआम खुली बोली पर दिनांक 29 सितंबर 2020 समय प्रात: 12:00 बजे हरिजन चौपाल पर छोड़ी जाएगी बोलीदाता मौके पर बतौर जमानत राशि रूपये 10000 साथ मौके पर बोली के लिए पहुंचे बाकी शर्त मौके पर सुनाई जाएगी।

ग्राम सचिव - वेद प्रकाश
ग्राम सरपंच - महेश नागर

**पायनियर पाठकों के लिए**

यदि आपको अखबार की प्रति मिलने में कठिनाई आ रही है,तो आप निम्न पते से प्राप्त कर सकते हैं

- तरुण सतीजा दुकान नंबर 3689 निकट काबली गुरुद्वारा एसजीएम नगर 7701965422
- विनोद कुमार, ओल्ड रेड लाइट
- आनंद,एनआईटी 4-5 चौक 9818848494
- कामरेड,बल्लभगढ़ रेड लाइट
- मदनलाल, अंबेडकर चौक बल्लभगढ़ 9811477204
- पाहुजा,पलवल मीनार गेट
- त्रिलोक,फोर्टिस हॉस्पिटल, नीलम चौक
- हितेश सेक्टर 29, 9910533103

**नज़रिया**

दिनेश रघुवंशी, कवि

हताशा ही हताशा आँखों में अपनी लिये हैं अब
तेरे बच्चे ओ धरती-माँ यूँ मर-मर कर जिये हैं अब
नहीं मालूम जिनको 'क' भी कृषि का, वही देखो
किसानों की भलाई करने का दावा किये हैं अब

## भारत में 50 लाख लोग अल्जाइमर रोग से पीड़ित

सरबजोत सिंह दुग्गल। कुरुक्षेत्र

गोष्ठी में शामिल एलएनजेपी अस्पताल में मुख्य चिकित्सा अधिकारी डा. शैलेंद्र ममगाईं व अन्य चिकित्सक।

**भारत रत्न,** पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेई, पूर्व रक्षा मंत्री जॉर्ज फर्नांडिस और अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति रोनाल्ड रीगन में एक बहुत बड़ी समानता थी कि वह उस रोग से पीड़ित थे, जिसे आज पूरे विश्व में मनाया जा रहा है। यह दिवस है विश्व अल्जाइमर दिवस है।

लोकनायक जयप्रकाश जिला नागरिक अस्पताल के चिकित्सा अधीक्षक और हृदय एवं छाती रोग विशेषज्ञ डॉ. शैलेंद्र ममगाईं शैली ने आज अस्पताल परिसर में विश्व अल्जाइमर दिवस पर आयोजित गोष्ठी में बोलते हुए कहा कि भारत में 50 लाख से ज्यादा लोग मानसिक बीमारियों से पीड़ित हैं जिनमें से 80 प्रतिशत लोग इस बीमारी की चपेट में है। आशंका हए कि 2030 तक यह संख्या दुगनी हो जाएगी। यह एक तरह की दिमागी बीमारी है जिसमें मानसिक क्षमता में गिरावट आ जाती है और आने वाले समय में साधारण जिंदगी जीने में मुश्किल होती है। सरल भाषा में समझें, तो इस भूलने वाली बीमारी को ही अल्जाइमर रोग कहते हैं। इसमें अक्सर लोग छोटी बातें भूल जाते हैं। इसका मूल कारण मस्तिष्क में एमीलाइड प्रोटीन की मात्रा बढना है जिससे मस्तिष्क की कोशिकाएं नष्ट होने लगती हैं और उसकी याददाश्त, सोचने की शक्ति, व्यवहारिक व बौद्धिक ज्ञान प्रभावित होता है। कोविड-19 के संक्रमण से सबसे ज्यादा बुजुर्ग प्रभावित हो रहे हैं। अल्जाइमर नामक बीमारी भी 60 साल से ज्यादा उम्र के लोगों को होती है, जिसमें मस्तिष्क की कोशिकाएं सिकुड़ जाती हैं और दिमाग की कोशिकाओं में कुछ रसायनिक तत्वों की मात्रा असंतुलित हो जाती है। डा. ममगाईं ने बताया कि अल्जाइमर रोग को लेकर हमारा शरीर पहले से कई तरह के संकेत देता है। उदाहरण के तौर पर यदि रोगी यदि व्यक्ति ने 10 मिनट पहले कोई काम किया है या फिर वह सोचता है कि उसने काम किया था या नहीं, तो यह संभव है कि वह इस बीमारी से पीड़ित हो। इस बीमारी के लक्षणों की चर्चा करते हुए डा. शैली ने बताया कि शुरुआती दौर में इस बीमारी के लक्षणों को उस व्यक्ति के व्यवहार से पता चलाया जा सकता है, जिनमें याददाश्त का कमजोर होना, समय-जगह से भटकाव होना, एक ही सवाल को बार-बार पूछना, आसान गिनती न कर पाना मुख्य रूप से शामिल है। वरिष्ठ चिकित्सा अधिकारी डा. विमल कुमार, वरिष्ठ चिकित्सा अधिकारी डा. मेजपाल आदि मौजूद रहे।

## खान कॉलोनी वासियों की समस्यों से रूबरू हुए पूर्व चेयरमैन

पायनियर समाचार सेवा। सोनीपत

**शहर** की खान कॉलोनी में सोमवार को क्षेत्रवासियों की समस्या सुनने के लिए नगर परिषद के पूर्व चेयरमैन अशोक छाबड़ा पहुंचे। जहां पर लोगों ने उनका स्वागत किया। इस दौरान अशोक छाबड़ा ने क्षेत्रवासियों को आश्वासन देते हुए कहा कि जिस गर्मजोशी से उन्होंने स्वागत किया है, उसको वे दोगुना करके उनके क्षेत्र की समस्या का निदान कराने का काम करेंगे।

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता व नगर परिषद के पूर्व चेयरमैन ने कहा कि आज नगर निगम में शहरवासियों की सुनने वाला कोई नहीं है। निगम के अधिकारी व कर्मचारी आपस में ही एक दूसरे पर आरोप प्रत्यारोप लगा रहे हैं। ऐसे में निगम के अधिकारियों से समस्या के निदान की कल्पना नहीं की जा सकती। अधिकारी मनमानी चलाकर समस्या की शिकायत करने वाले शहरवासियों को अनाप-शनाप बोलते रहते हैं। शहरवासियों की समस्याओं का निदान तभी दूर किया जा सकता है, जब नगर निगम के चुनाव हो जाएगे। पूर्व चेयरमैन ने आश्वासन देते हुए कहा कि जल्द ही वे क्षेत्र की समस्या का समाधान कराएंगे। इस अवसर पर भूपेन्द्र गहलावत, रोहताश, रामधन, श्रीराम, युनिस खान, राजेश, जगबीर, राजकुमार, ममान काला, नंदू, दरिया, पप्पू, आनंद, मेहताब, राकेश, सलीम व अमीर खान आदि मौजूद थे।

सीएमवाईके प्रिंटेक लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक प्रवीण मोहंती द्वारा सोका क्रिएशन प्राइवेट लिमिटेड, प्लाट नंबर 262 आईकेएल, सेक्टर-24, फरीदाबाद (हरियाणा) से प्रकाशित और बीएफएल इंफोटेक लिमिटेड, सी-9, सेक्टर-3, नोएडा -201301 (उ.प्र.) से मुद्रित। सम्पादक : चंदन मित्रा, स्थानीय सम्पादक : प्रवीण मोहंती । दूरभाष नंबर : (0129) 4195000।
पी.आई.बी. एक्ट के अनुसार सभी विवादित समाचारों की जिम्मेदारी लेखक की होगी। पाठकों को सुझाव दिया जाता है कि इस अखबार के किसी भी विज्ञापन पर प्रतिक्रिया करने से पहले पूरी तरह उसके बारे में दिए गए दावों, शर्तों और तथ्यों की जांच कर लें। पायनियर ग्रुप के मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक या उसका कोई भी कर्मचारी विज्ञापनदाता द्वारा उनके किसी उत्पाद तथा सेवा हेतु किये गए किसी दावे की सच्चाई का आश्वासन या उत्तरदायित्व नहीं लेता है। ऐसे विज्ञापन के बाद किसी आर्थिक क्षति के लिए वे जिम्मेदार भी नहीं हैं।

# कोरोना वैक्सीन
## अमीर देशों का वर्चस्व

**कोरोनावायरस** वैश्विक महामारी से मुकाबला करने के लिए बनने वाली वैक्सीन के मामले में एक बार फिर 'वैक्सीन राष्ट्रवाद' की विकृत अवधारणा सामने आई है। अमीर देशों की खरीद शक्ति तथा दवाओं के पेटेंट के कारण एचआईवी-एड्स की जरूरी दवायें विकासशील देशों को उपलब्ध न होने की समस्या सभी जानते हैं। कोविड-19 की पांच वैक्सीनें वर्तमान समय में तीसरे क्लीनिकल परीक्षण के दौर में हैं। देखना होगा कि इसका लाभ सबसे पहले किस देश को मिलता है। एच1एन1 की सबसे पहले वैक्सीन बनाने वाले देश ने इसके निर्यात पर प्रतिबंध लगा दिया था, जबकि कुछ अमीर देशों ने दवा कंपनियों को अग्रिम खरीद आदेश दे दिए थे। लेकिन उस समय नुकसान इतना नहीं हुआ था जितना कोरोनावायरस के मामले में हो सकता है क्योंकि यह एच1एन1 की तुलना में ज्यादा संक्रामक व घातक है तथा गरीब देश इसके बोझ से परेशान हैं। आक्सफैम की एक रिपोर्ट के अनुसार, अमीर देशों की दुनिया में जनसंख्या केवल 13 प्रतिशत है, पर उन्होंने संभावित वैक्सीन की 51 प्रतिशत खूराकों पर कब्जा कर लिया है। गरीब देशों और विश्व स्वास्थ्य संगठन-डब्लूएचओ ने इस खतरनाक स्थिति का संकेत पहले ही दिया था। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के लिए वैक्सीन पुन: चुनाव जीतने का एक माध्यम है और वे इसे अपने मतदाताओं के लिए चाहते हैं। इस प्रकार सबसे पहले जिसे वैक्सीन मिलेगी वह विश्व शक्ति श्रृंखला में सर्वोच्च स्थान पर होगा और इसके असाधारण आर्थिक लाभ भी होंगे। कोविड वैक्सीन तैयार करने का प्रयास कर रही कंपनी माडर्ना को करदाताओं का 2.48 बिलियन डालर मिला है। उसका इरादा वैक्सीन से मुनाफा कमाना है। उसका इरादा अमेरिका में इसकी कीमत 12-16 डालर रखने तथा अन्य अमीर देशों को 35 डालर प्रति खूराक तक बेचने का है। ऐसे में गरीब देश वैक्सीन से वंचित हो जाएंगे। लेकिन कंपनी की उत्पादन क्षमता केवल 475 मिलियन लोगों तक पहुंच की है जो दुनिया का केवल 6 प्रतिशत हैं। यदि सभी पांच वैक्सीनें परीक्षण की दौड़ में सफल हो जाती हैं तो भी केवल 2022 तक दो तिहाई दुनिया तक उनकी पहुंच होगी। ऐसे में यात्रा पर नियंत्रण लगाने होंगे। डब्लूएचओ ने चेतावनी दी है कि यह वैश्विक महामारी है, अत: कुछ क्षेत्रों में ही वैक्सीन पहुंचने का कोई लाभ नहीं होगा। इसी कारण विभिन्न संगठन 'जनता की वैक्सीन' का आह्वान कर रहे हैं जिस पर दवा कंपनियों का एकाधिकारी नियंत्रण न हो तथा वे विभिन्न देशों से आवश्यक सूचनाओं के साझे का अनुरोध कर रहे हैं। उनका कहना है कि यह वैक्सीन सस्ते दामों पर हर मनुष्य को उपलब्ध होनी चाहिए और इसका वितरण भुगतान क्षमता के बजाय आवश्यकता पर आधारित होना चाहिए। यदि सभी पांच वैक्सीनें कारगर सिद्ध होती हैं तो आक्सफैम के अनुसार, इनकी संयुक्त उत्पादन क्षमता 5.94 बिलियन खूराक होगी। यह 2.97 बिलियन लोगों के लिए काफी होगी क्योंकि ज्यादा संभावना वैक्सीन की दो खूराकों की आवश्यकता होगी। वैक्सीन की 5,303 खूराकों की सप्लाई के समझौते किए जा चुके हैं जिनमें से 2,728 बिलियन, यानी लगभग 51 प्रतिशत पर अमीर देशों ने कब्जा कर लिया है। इनमें ब्रिटेन, अमेरिका, आस्ट्रेलिया, हांगकांग व मकाऊ, जापान, स्विटजरलैंड, इस्राइल तथा यूरोपीय संघ शामिल हैं। बाकी 2,575 खूराकें या तो विकासशील देशों ने खरीदी हैं या उनको इनके मिलने का वादा किया गया है। इन देशों में भारत, बांग्लादेश, चीन, ब्राजील, इंडोनेशिया, मैक्सिको, आदि शामिल हैं। इसमें एस्ट्राजेनेका वैक्सीन भी शामिल है जिसने कोवैक्स एडवांस्ड मार्केट कमिटमेंट-एएमसी से वादा किया है। इसने विकासशील देशों के लिए वैक्सीन वितरण व्यवस्था बनाई है। इस स्थिति की गंभीरता को समझते हुए विश्व शक्तियों को सार्वजनिक स्वास्थ्य तथा विश्व अर्थव्यवस्था को बेहतर बनाने के लिए नैतिक दृष्टिकोण अपनाना चाहिए।

# भारतीय सेलेब्रिटीज और नारीवाद

इक्कीसवीं शताब्दी में भारतीय महिला सेलेब्रिटीज़ की छवि जिस तरह पेश की जा रही है उससे अब तक नारीवाद द्वारा प्राप्त उपलब्धियां खतरे में पड़ती लग रही हैं।

**रिंकू घोष**
(लेखिका दि पायनियर की सह संपादक हैं)

आज महिलायें अपने पैरों पर खड़ी हो गई हैं, लेकिन क्या वे समझ रही हैं कि बदले संदर्भों में जनता के लिए उनको एक 'वस्तु' के रूप में पेश किया जा रहा है? ऐसा सही या गलत कारणों से हो रहा है। इससे वे भले ही अपना सशक्तीकरण समझें, पर जाने-अनजाने पुरुषवादी दृष्टिकोण को वैध बना सकती हैं। यदि वे सेलेब्रिटीज़ हों तो जनता की व्यापक समझ में उनके 'यौनीकरण' की संभावनायें और बढ़ जाती हैं। स्थिति यहां तक पहुंची है कि अब बड़े पर्दे के बजाय उनको राजनीति की वस्तु बना लिया गया है तथा तर्क के बजाय उनका प्रयोग एडवोकेसी के लिए हो रहा है। अपनी बौद्धिकता के कारण वे हजारों संघर्षशील महिलाओं की प्रतीक बन गई है जिनमें से कुछ अपने संघर्ष में सफल हुई हैं और उनको प्रशंसा मिली है। लेकिन इस प्रकार सामने आने वाले चेहरे प्राइम-टाइम का नया विषय बन गए हैं। कुल मिला कर इससे संघर्षशील दिखने वाली महिलायें उन सारी चीजों का मजाक उड़ा रही हैं जिनको नारीवाद ने प्राप्त किया है।

कंगना रनौत, रिया चक्रवर्ती, उर्मिला मातोंडकर को मिलने वाली कवरेज तथा मीडिया में उनकी बयानबाजी वर्तमान समय में राजनीतिक पार्टियों को अपना विमर्श आगे बढ़ाने में सहायक हो रही है। कंगना रनौत बहुत अच्छी अभिनेत्री हैं और भयानक उत्पीड़न के बावजूद उन्होंने अपने स्पेस पर कब्जा करने तथा उसे बनाए रखने में विरले साहस का प्रदर्शन किया है। फिल्म उद्योग में अनेक बाहरियों को विद्रोही बताया गया या समाहित कर लिया गया, लेकिन वे इनमें से नहीं हैं। उन्होंने भाई-भतीजावाद व वंशवाद पर चल रही व्यवस्था को चुनौती दी तथा लोकतंत्र पर जोर दिया जो रचनात्मक स्पेस को समृद्ध कर सकता है। उन्होंने यह करते हुए जीवन्त भूमिकायें निभाईं जिनसे महिलाओं की असली भूमिकायें फिल्म उद्योग में पुरुष सितारों के समान आमदनी का स्रोत बन गईं। दृष्टिकोण में मौजूद ईमानदारी और साहस ने उनको सबका प्रिय बना दिया। वे फैशन में समझदारी के साथ स्वतंत्र रूप से संवेदनशील लगीं। मी टू के बहुत पहले ही उन्होंने फिल्म उद्योग में पुरुष शोषकों के खिलाफ आवाज उठाई तथा अपनी स्पष्टवादिता से उन्होंने समान शक्ति व सम्मान प्रदर्शित किया।

कंगना रनौत ने बड़बोले लोगों के बीच अपना अलग सचेतन स्थान बना कर अपने प्रति आकर्षण पैदा किया। मीडिया आयोजनों और वार्ताओं में नियमित भूमिका अदा कर उन्होंने फिल्मों के संकुचित जीवन से बाहर निकलने का प्रयास किया। मीडिया ने भी उनको महत्व दिया। इसके साथ उन्होंने राजनीतिक हवा का रुख पहचाना तथा राष्ट्रवाद से दक्षिणपंथी प्रतिबद्धताओं की ओर झुकीं। हालांकि, अभिनेताओं समेत सभी नागरिकों को अपनी वैचारिक पसंद पर चलने का अधिकार है, पर सालों तक अपनी विशिष्ट आलोचनात्मक ब्रांड विकसित करनी वाली कंगना इस बार रास्ता भटक कर इसमें शामिल हो गईं। संभवत: भाजपा ने उनको अपना मुहरा बना लिया है, चाहे वह मामला नेहरू-गांधी परिवार का मजाक उड़ाना हो, महाराष्ट्र में शिवसेना पर हमला बोलना हो या सुशांत सिंह राजपूत की रहस्यमय मृत्यु का मामला उछालना हो। हालांकि, शिवसेना नेताओं के अपने विरोधियों से निपटने के कोई मानक नहीं हैं, पर कंगना द्वारा मुंबई को पाक-अधिकृत कश्मीर बताना राजनीतिक अपरिपक्वता थी जिससे शिवसेना के बजाय उनको ही ज्यादा नुकसान हुआ है। भाजपा को इस स्थिति का लाभ हुआ है क्योंकि शायद अनुराग ठाकुर व कपिल मिश्रा की बयानबाजी की तुलना में जनता ने इसे ज्यादा स्वीकारा है। फिल्म उद्योग से होने के कारण कंगना रनौत उसके लिए लाभदायक सिद्ध हो सकती हैं।

लेकिन फिल्म उद्योग पर लगे नशे का दाग साफ करने की प्रक्रिया में वे उद्योग में अपनी महिला साथियों पर ही हमले करने लगीं। इस प्रकार अतार्किक रूप से काम करते हुए वे उन महिला हितों के विरुद्ध चली गई हैं, जिनका वे प्रतिनिधित्व करती रही हैं। उन्होंने अभिनेत्री व समाजवादी पार्टी की राज्यसभा सांसद जया बच्चन पर हमला बोला जो सक्रिय सांसद के रूप में सामाजिक मुद्दों पर मुखर रही हैं। जया बच्चन का कहना था कि कुछ बुरे लोगों और नशा प्रयोग करने वालों के कारण 'सिन सिटी' नाम नहीं दिया जा सकता है, जबकि फिल्म उद्योग ने रोजगार और अवसर प्रदान किए हैं। उनका कहना था कि यह 'बिना सरकारी सहायता' के किया गया है। इस प्रकार कंगना ने अनेक महिला अभिनेत्रियों की भूमिका को भी खारिज कर दिया जिनके चलते वे वर्तमान स्पेस प्राप्त कर सकी हैं। कंगना ने जया बच्चन के 'थाली में छेद' वाली टिप्पणी पर प्रतिक्रिया करते हुए कहा, 'एक थाली मिली जिसमें दो मिनट की प्रशंसा आइटम गीतों तथा हीरो के साथ रोमांटिक सीन के लिए मिली और वह भी उसके साथ रात में सोने के बाद। मैंने फिल्म उद्योग को नारीवाद सिखाया।' हालांकि, जया बच्चन ने उनकी तुलना में महिलाओं की ज्यादा सशक्त भूमिकायें निभाई हैं। मनोरंजन की तरह खबरों को देखने वाले टेलीवीजन दर्शकों के अलावा इस विमर्श का कोई लाभ नहीं हुआ है। इससे वह पूर्वाग्रह मजबूत हुआ है कि 'महिलायें हमारी सबसे बड़ी दुश्मन' हैं। जया बच्चन की समकक्ष तथा भाजपा सांसद हेमा मालिनी ने यह स्थिति समझ कर जया के भाषण का समर्थन किया। हो सकता है कि कंगना को भविष्य में चुनाव लड़ने के लिए टिकट मिल जाए, पर वे इसे अपने रास्ते पर चल कर नहीं प्राप्त करेंगी और इस प्रकार उन धारणाओं को ही मजबूत करेंगी जो राजनीति में महिलाओं के प्रवेश को ताजा हवा की तरह समझते हैं। उनको तमिलनाडु की मुख्यमंत्री जे. जयललिता से सबक लेना चाहिए जिनका वे पर्दे पर प्रतिनिधित्व कर रही हैं। जयललिता राजनीति के सारे दांवपेंचों में महारत पाने के बाद सम्मानित नेता बनीं थीं। वे अपने संरक्षक एमजीआर की छाया से बाहर निकलीं तथा पुरुष समकक्षों द्वारा स्थापित तानाशाही का मुकाबला किया। दु:ख की बात है कि कंगना को एक मुहरे की तरह देखा जा सकता है। शायद वे सोशल व विजुअल मीडिया में मिलने वाली सुर्खियों से यह नहीं समझ रही हैं कि इसका प्रयोग देश की ज्यादा महत्वपूर्ण समस्याओं से ध्यान हटाने के लिए किया जा रहा है जिनमें कोरोनावायरस वैश्विक महामारी व लद्दाख में चीन की आक्रामकता है।

इस प्रकरण में दूसरे सिरे पर रिया चक्रवर्ती हैं। हर आदमी उनके बारे में जानकारियां उनकी फिल्मों या काम के बजाय स्वर्गीय अभिनेता सुशांत सिंह राजपूत का शोषण करने वाली गर्लफ्रेंड के रूप में प्राप्त करना चाहता है। निसंदेह एक योग्य अभिनेता बहुत जल्दी ही अपने जीवन से विदा हो गया। लेकिन उनकी मृत्यु की रहस्यमय परिस्थितियां, नशे व मानसिक स्वास्थ्य के कारण उनका अशांत अतीत, उनकी बिहारी पहचान तथा फिल्म उद्योग में 'बाहरी' वाली छवि, आदि अनेक ऐसे तत्व हैं जिनका प्रयोग राजनेता तथा प्रसारण मीडिया कर रहे हैं। पूरा देश बड़ी उत्सुकता के साथ षडयंत्र की वह कहानी समझ रहा है जिसमें रिया चक्रवर्ती ने सुशांत को नशे की ओर धकेला, उनका पैसा लूटा, उनके पैसे को ऐसी जगह लगाया जिससे वे कर्ज तथा नशा व्यापारियों के जाल में फंस गए। हालांकि, अभिनेता की मृत्यु के कोई विधिक प्रमाण और तथ्य नहीं हैं, लेकिन एक अभिनेत्री के मामले में संदिग्ध रूप से शामिल होने के कारण जनता की दिलचस्पी बनी हुई है। रिया के जेल जाने से त्वरित न्याय का संतोष भी लोगों को हुआ है। केवल 59 ग्राम गांजा मिलने पर रिया की गिरफ्तारी से वह भी अपने ब्वायफ्रेंड की असमय मौत से मिली कुख्याति को समझ रही है। विक्ट्री का संकेत करते हुए और 'डाउन विध पैट्रीआर्की' लिखी टी शर्ट पहने रिया भी महिला अधिकारों की पैरोकार बन सकती है।

यदि भाजपा 'जस्टिस फार सुशांत' अभियान को हवा दे रही है तो कांग्रेस ने 'रिया को न्याय' की मुहिम छेड़ दी है। स्वघोषित एक्टिविस्ट 'बंगाल की बेटी के खिलाफ निन्दा अभियान' का मुकाबला करते हुए प्रदर्शन कर रहे हैं। बंगाल कांग्रेस अध्यक्ष अधीर रंजन चौधरी ने रिया को 'बंगाली ब्राह्मण' के रूप में पेश किया है। क्या रिया इस जाल में फंस कर पितृसत्तात्मक सोच वाली महिलाओं की घृणा का निशाना बनना चाहती हैं। दु:ख की बात है कि दुनिया भर में लोकप्रिय संस्कृति की खबरों में स्थान बनाने वाली महिलायें अपने प्रतिनिधिक चरित्र के कारण स्थान पाती हैं, अपने व्यक्तित्व के कारण नहीं। इस प्रकार उनकी एक्टिविज्म एक प्रकार से फर्जी लगती है। समुदायों व समर्थकों के साथ सोशल मीडिया द्वारा गहन साझेदारी विकसित करने के प्रयास में वे मध्ययुगीन सोच वाली बाजार व्यवस्था को भी प्रोत्साहित करती हैं। यहां महिलायें कामगार मधुमक्खी की तरह विश्वसनीय मानी जाती हैं, पर वे स्वयं को रानी मधुमक्खी समझती रहती हैं।

# मध्य-पूर्व में बड़े बदलावों की आहट

> एकमात्र चीज जो डीसी में वाकई हुई वो यह थी कि यूएई और बहरीन ने इस्राइल के साथ पूर्व में अपने गोपनीय रिश्तों को, खासकर हथियारों के व्यापार मामले में, सार्वजनिक कर दिया है।

**गुइन डायर**
(लेखक स्वतंत्र पत्रकार हैं)

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने हाल ही में वाशिंगटन में ''नए मध्य-पूर्व के प्रादुर्भाव'' की घोषणा की क्योंकि संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) और बहरीन ने इस्राइल के साथ पहली बार एक सार्वजनिक समझौते पर हस्ताक्षर किए। जैसा कि ट्रंप ने दावा किया, यह कोई शांति समझौता नहीं है क्योंकि इनमें से एक भी देश इस्राइल के साथ युद्धरत नहीं रहा है। दस्तावेजों में राजदूतों का आदान-प्रदान और व्यापार समझौते शामिल थे। और यह महत्वपूर्ण है कि यद्यपि ट्रंप और इस्राइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू वहां पर स्वयं मौजूद थे, यूएई और बहरीन ने शासकों ने कागजों पर हस्ताक्षर करने के लिए अपने विदेश मंत्रियों को भेजा था। एकमात्र चीज जो व्हाइट हाउस में वाकई हुई वो यह थी कि यूएई और बहरीन ने इस्राइल के साथ पूर्व में अपने गोपनीय रिश्तों को, खासकर हथियारों के व्यापार मामले में, सार्वजनिक कर दिया है। यह बात पहले भी गोपनीय नहीं थी, लेकिन कम से कम येरुशलम के साथ उनके रिश्ते छिपे तौर पर रहे हैं। उसके अलावा, यह वही पुराना मध्य-पूर्व है, उतना ही भ्रष्ट, दुष्कार्यात्मक एवं विडंबनापूर्ण रूप से महत्वाकांक्षी, चमकता हुआ और फैशनेबल जितना कि हमेशा रहा है। पिछली बार इस्राइल ने अपने किसी भी अरब पड़ोसी से यदि युद्ध किया भी तो वह 1982 में किया था, लेबनान पर पूर्णरूपेण आक्रमण जिसका अंत इस्राइल द्वारा लंबे समय तक उस देश के दक्षिणी भाग पर सैन्य कब्जा बने रहने के रूप में हुआ। वह बहुत पुरानी बात है, यद्यपि लेबनान भयावह रूप से दुर्दशा का शिकार बना रहा, लेकिन संपूर्ण क्षेत्र में लड़े गए अन्य युद्ध भारी रूप से निर्बाध चलते रहते हैं।

द्वितीय लीबियाई गृहयुद्ध अपने छठे वर्ष में भी जारी है, जिसमें बहुत से विदेशी भागीदार एवं समर्थक हैं जिनमें रूस, तुर्की, फ्रांस, मिस्र और यूएई शामिल हैं। यमन में सऊदी अरब के नेतृत्व में अत्याचारों से परिपूर्ण विदेशी सैन्य हस्तक्षेप जिसमें अधिकतर तानाशाही अरब राज्य एवं उनके पश्चिमी हथियार आपूर्तिकर्ता शामिल हैं, केवल एक वर्ष कम है और प्रतिमाह लगभग 5,000 लोगों को मौत की नींद सुला रहा है। सीरियाई गृहयुद्ध अपने नवें वर्ष में प्रवेश कर चुका है। इसमें लगभग आधा मिलियन लोग मारे जा चुके हैं और लगभग आधी जनसंख्या अपने घरों को छोड़कर पलायन कर चुकी है। हो सकता है अब यह अपने अंत की ओर बढ़ रहा हो, जहां केवल एकमात्र प्रांत ही बागियों के नियंत्रण में है, लेकिन बागियों को तुर्की सेना का समर्थन हासिल है और रूसी वायुसेना असद हुकूमत के पक्ष में लड़ती है।

इराक 2003 में अमेरिका के आक्रमण के बाद से सापेक्षिक शांति के दूसरे वर्ष में प्रवेश कर गया है, लेकिन संकेत बढ़ रहे हैं इस्लामिक स्टेट वहां पर बड़ी वापसी करने जा रहा है। तेल की कीमतें गिर जाने के कारण अधिकतर जनसंख्या गरीबी की हालत में पहुंच गई है। नगरीय युवा खुले विद्रोह पर उतारू हैं, जहां सैकड़ों इस वर्ष पुलिस की गोलियां खा चुके हैं। और जब कुछ वास्तविक रूप से अंतहीन अशांति की सिथति में होता है जो क्षेत्र की राजनीति को पृथक करता है, तो उसका स्वागत नहीं किया जाता। कभी स्थिर, अंतर-अरब राजनीति की रूढ़िवादी धुरी हुआ करता था, अब एक ढीली-ढाली तोप में परिवर्तित हो गया है, न जीते जाने योग्य लड़ाइयां प्रारम्भ कर रहा है, सीरिया में जिहादी अतिवादियों को पैसा और हथियार मुहैया करा रहा है, और हुकूमत के आलोचकों की सुनियोजित ढंग से हत्याओं को अंजाम दे रहा है, जैसा कि पत्रकार जमाल खाशोगी की हत्या से सिद्ध हो गया था।

इन सभी लड़ाइयों पर आच्छादित होकर, और असलिसत में उनमें से कुछ को विभाजित करना क्रांतिकारी शिया ईरान और रूढ़िवादी सुन्नी राजतंत्रों एवं पूर्वी अरब जगत की तानाशाही हुकूमतों के बीच धार्मिक एवं रणनीतिक टकराव है। इसी लिए बड़ी मात्रा में अरब के हथियारों की खरीद हुई है, इस्राइल से युद्ध करने के लिए नहीं।

निश्चित रूप से, येरुशलम, सुन्नी अरब राज्यों एवं ईरान के बीच क्षेत्रव्यापी शीत युद्ध में मौन साझीदार है, यही है जिसने व्हाइट हाउस में हुए छोटे से समारोह को संभव बनाया। अरब-इस्राइल के बीच कोई संघर्ष नहीं चल रहा है। प्रमुख अरब राज्य पहले से ही इस्राइल के सहयोगी हैं, और इस्राइली सेना फिलिस्तीनियों के खिलाफ अपनी छिटपुट दंडात्मक कार्रवाइयों को घास के मैदान को समतल करने जैसी कार्रवाई का नाम देती है।

इस क्षेत्र में असली बदलाव ग्लेशियल गति धीमी होने के साथ होता है, यदि कोई हुआ भी, लेकिन इसका अर्थ नहीं कि वह स्थायी है। इसके विपरीत, वह अचानक उग्र रूप से एक भिन्न राज्य में तब्दील हो सकता है। लगभग ऐसा ही उसने 2010-12 में किया था, अरब वसंत के वर्षों में, और जिन ताकतों ने विद्रोह को आगे बढ़ावा वे अब और भी ज्यादा मजबूत हैं। मध्य-पूर्वी एवं उत्तरी अफ्रीकी देशों में आधी जनसंख्या 25 वर्ष से कम आयु की है। क्योंकि जनसंख्या बढ़ती है, जैसे कि इराक की जनसंख्या 1990 के खाड़ी युद्ध के बाद से दोगुनी होकर 40 मिलियन पहुंच गई है, अर्थव्यवस्थाओं ने शांति कायम नहीं रखी तथा जीवन स्तरों में लगभग हर जगह गिरावट आई है। एक विशाल, अधिकतर युवा जनसंख्या का निराशा में जीना अब अरब जगत का मानक बन गया है।

तेल संसाधनों से समृद्ध खाड़ी राज्य इस शासन के अपवाद रहे थे, लेकिन अब नहीं रह गए। इस बार आई तेल के दामों में गिरावट अस्थायी प्रकृति की नहीं है। मांग गिर रही है और गिरना जारी रहेगा क्योंकि जलवायु संकट तथा सस्ते नवीन स्वच्छ ऊर्जा स्रोत तेल के परम्परागत बाजारों को नुकसान पहुंचा रहे हैं। व्हाइट हाउस में हुआ हालिया तमाशा पुराने संघर्ष के चंद ढीले छोरों को व्यवस्थित करने के लिए हुआ था। इसकी कुछ प्रासंगिकता भी होती यदि भविष्य वर्तमान से कुछ ज्यादा हो पाता, लेकिन ऐसा नहीं है। समय अनिश्चित है लेकिन गंतव्य स्पष्ट है।

बड़े बदलाव आ रहे हैं जो बहुत सी वर्तमान हुकूमतों को नेस्तानाबूद कर देंगे तथा क्षेत्र की राजनीति को नया रूप देंगे। प्रसन्नतादायी अंत अवश्यंभावी नहीं है, लेकिन भिन्न प्रकार के अंत व्यावहारिक रूप से निश्चित होंगे।

## आप की बात

### कृषि संबंधी विधेयक

**संपादक** महोदय, आपका संपादकीय कृषि संबंधी विधेयक खेती का संभावित निगमीकरण पढ़ा। सरकार ने पांच वर्षों में किसानों की आय दुगनी करने की बात कही थी लेकिन ये शायद सरकार की सामर्थ्य से बाहर है इसलिए खेती का निगमीकरण किया जा रहा है। देश की जनसंख्या में साठ प्रतिशत किसान हैं लेकिन ये अब चंद पूंजीपतियों के हाथों में खेलेंगे और फैक्ट्रियों में काम करने वाले मज़दूरों जैसे बन जाएंगे। कृषि उत्पादन बढ़ेगा, आय बढ़ेगी पर किसान के हाथ न्यूनतम मज़दूरी जैसी चीजें ही आयेंगी और सारा फायदा पूंजीपतियों के पास चला जायेगा। जिस तरह निजी कंपनियों के आने के बाद सार्वजानिक क्षेत्र की कंपनियां ठप्प हो गईं ठीक उसी तरह से कृषि मंडियों की समान्तर व्यवस्था भी धीरे-धीरे बैठ जाएगी। रेलवे, कोयला खदानों का निजीकरण, एयर इंडिया और बीमा कंपनियों सहित तमाम सार्वजनिक उपक्रमों में विनिवेश की प्रक्रिया ये साबित करती है कि सरकार को खुद से ज्यादा पूंजीपतियों पर भरोसा है और उसे लगता है की विकास सिर्फ पूंजीपतियों के हाथों ही हो सकता है। ये कल्याणकारी राज्य की अवधारणा का पराभव और पूंजीवादी व्यवस्था का प्रादुर्भाव है।

– **बृजेश माथुर**, गाजियाबाद

### प्रोटोकाल का पालन करें!

**कोरोनावायरस** के मामले दिन के दिन बढ़ते ही जा रहे हैं। और अब तो यह देखने में मिल रहा है कि 1 दिन में भारत में लगभग 92 हजार मामले तक आ रहे हैं। इसीलिए यह हम सबके लिए जरूरी हो जाता है कि हम महामारी से जुड़े सभी प्रोटोकॉल का पालन करें। जैसे मास्क लगाना, सैनिटाइजर का प्रयोग करना और सोशल डिस्टेंसिंग का पालन करना आदि। अभी कड़े प्रोटोकॉल्स के चलते कई बड़े खिलाड़ी भी बड़े टूर्नामेंटों से बाहर हुए हैं, इसे हम सब को सीख लेनी चाहिए। आजकल लोगों में लापरवाही देखने को मिल रही है जैसे कि कुछ लोग अगर कोई छोटे समय के लिए बाहर जाते हैं तो वह मास्क का प्रयोग नहीं करते हैं। अगर ऐसा ही चलता रहा तो मां से का प्रचलन लगभग समाप्त हो जाएगा। और हम एक महामारी की चपेट में दोबारा आ जाएंगे। इसके लिए हमें जन जागरूकता फैलाने होगी। सबसे जरूरी है सोशल डिस्टेंसिंग का पालन करना जो कि आजकल कम देखने को मिल रही है। जैसे कि कहीं बस अड्डों में भीड़ देखने को मिल रही है, दुकानों में लोग ज्यादा इकट्ठा हो रहे हैं और ऑफिसों में आवश्यकता से ज्यादा गतिविधि देखने को मिल रही है। हमारी सरकार ने इस और बहुत सारे कदम लिए हैं जो की बहुत ही सराहनीय है।

– **सुदर्शन सोराड़ी**, नैनीताल

### धर्मांतरण एक अपराध

**लालच** व प्रलोभन देकर धर्मांतरण कराना अक्षम्य अपराध होने के साथ-साथ बहुत ही निंदनीय है। लेकिन प्रलोभनों में आकर धर्मांतरण करने वाले गरीबों व आदिवासियों की लाचारी मजबूरी को भी समझना होगा। अगर ये सक्षम होते व इनको सरकार व समाज का पूरी तरह सहयोग मिलता रहता तो निश्चित ही ये ऐसे प्रलोभन के झांसे में आने वाले नहीं हैं। इन गरीबों, आदिवासियों को हर दृष्टि(शिक्षा, स्वास्थ्य, आर्थिक, रोजगारी) से मजबूत करना होगा तथा इनकी जरूरतों को पूरी करना होगा, अन्यथा भूखे पेट वालों को ना धर्म दिखता है, ना समाज, ना नैतिकता, केवल जीने के लिए जो सहारा देंगे, उसी के सहारे होंगे। जो रोजी-रोटी दे, शिक्षा, स्वास्थ्य व जीवन स्तर सुधार का ख्याल रखें, वही उनका सबसे बड़ा धर्म हो जाता है । यही कारण है कि ये गरीब बड़ी मात्रा में धर्मांतरण करते हैं। सरकार व हमारी सामाजिक व्यवस्था को ये सभी कमी बेसिया व दोष दूर करना ही होंगे, अन्यथा धर्मांतरण रुकने वाला नहीं है। जिसके पेट में रोटी नहीं होती, उसके लिए धर्म, जाति, समाज सब बातें खोटी होती है।

– **हेमा हरि उपाध्याय**, उज्जैन

**पाठक अपनी प्रतिक्रिया ई-मेल से pioneerhry@gmail.com पर भी भेज सकते हैं।**

## फरमाया

**बगैर** किसी वैधता वाले आडियो के कारण पेरू में जीवन ठप नहीं हो सकता। महामारी प्रबंधन और आर्थिक पुन: सक्रियता को स्थगित नहीं किया जा सकता।

– **मार्टिन विज़कारा**
पेरू के राष्ट्रपति

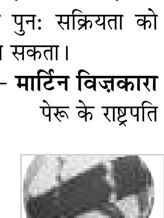

**तीनों** कृषि अध्यादेशों से बिचौलियों को को प्रोत्साहन मिलेगा और बड़े उद्योपतियों को लाभ होगा। इनसे कालाबाजारी भी बढ़ेगी।

– **गोविंद सिंह दोतासर**
राजस्थान पीसीसी प्रमुख

**आंकड़ों** का हवाला देकर भाजपा को श्रेय से वंचित करने के प्रयास हो रहे हैं। हर कोई जानता है कि अतीत में मुसलमानों को किस तरह वोट बैंक बनाकर सीमित कर दिया गया था।

– **चंद्रमोहन**
उप्र भाजपा सचिव

# कोरोना से निपटने में प्रदेशवासियों ने किया सरकार का सहयोग : सीएम

### भाजपा कार्यालय में मुख्यमंत्री ने किया सेवा ही संगठन ई-बुक का विमोचन

पायनियर समाचार सेवा। चंडीगढ़

**मुख्यमंत्री** मनोहर लाल ने कहा कि कोरोना आपदा से निपटने के लिए आमजन के साथ सामाजिक संगठनों से सरकार का पूरा सहयोग किया। कोरोना आपदा कोष में सहायता राशि जमा कराने से लेकर गरीबों को राशन पहुंचाने में आमजन पीछे नहीं रहा। भाजपा कार्यकर्ता भी सेवा भाव के साथ हर मोर्चे पर डटे रहे। सेवा संकल्प के रूप में रहे इसी उद्देश्य को लेकर भाजपा की ओर से सेवा ही संगठन ई-बुक तैयार की गई है।

मुख्यमंत्री मनोहर लाल सोमवार को प्रदेश भाजपा कार्यालय में सेवा ही संगठन ई-बुक का विमोचन करने के बाद पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे। मुख्यमंत्री ने कहा कि कोरोना राहत आपदा कोष में करीब 290 करोड़ रुपये की राशि जमा हुई है, जिसे खर्च करने के लिए कमेटी गठित की गई है। कहीं पर किसी की सहायता से लेकर खाद्य सामग्री पहुंचाने से लेकर का काम तुरंत किया जा रहा है।

प्रदेशाध्यक्ष ओमप्रकाश धनखड़ ने कहा कि वैश्विक महामारी कोरोना से पूरे विश्व में भयावह की स्थिति पैदा हो गई थी। लॉकडाउन की अवधि के दौरान भाजपा की ओर से 1 करोड़ 46 लाख से अधिक खाने के पैकेट और गांवों में रहने वाले जरूरतमंद लोगों को 13 लाख से अधिक सूख राशन के पैकेट पहुंचाए गए।

भाजपा सरकार ने 8 लाख प्रवासी मजदूरों को भी अपने घर सकुशल पहुंचाया। इसी अवधि के भीतर 21 लाख मास्क तथा 20 लाख सेनिटाइजर भी वितरित किए गए। इसके साथ ही करीब 18 हजार युवाओं व स्वयं सेवकों को चिह्नित किया, जिन्होंने बुजुर्ग व बीमार लोगों की सहायता की।

मंच संचालन प्रदेश महामंत्री एडवोकेट वेदपाल ने किया। इस अवसर प्रदेश संगठन मंत्री सुरेश भट्ट और प्रदेश प्रवक्ता रणदीप घनघस प्रमुख रूप से मौजूद रहे।

## किसानों को पूंजीपतियों का गुलाम बनाने का कर रही प्रयास

### छुट्टी के दिन जबरदस्ती कानून पास कराया, देश के लिए काला दिन

**भिवानी।** कांग्रेस विधायक किरण चौधरी ने किसानों को लेकर बनाए गए कानून पर केंद्र व प्रदेश सरकार पर हमला बोलते हुए कहा कि सरकार कानून बनाकर किसानों को पूंजीपतियों के हाथों बेचना चाहती है और किसानों को पूंजीपतियों के गुलाम बनाना चाहती है, उन्होंने कहा कि छुट्टी के दिन राज्यसभा में जबरदस्ती बिल को पास कराया जो दिखाता है कि सरकार किस कदर तानाशाही पर उतर आई है।

किरण चौधरी ने कहा कि कोरोना की आड़ में सरकार कृषि अध्यादेश लेकर आई ताकि कोरोना के नाम पर इसका कोई विरोध नहीं करेगा। जब किसानों ने अपनी बात रखनी चाही तो किसानों पर लाठियां बरसाई गई, देश के अन्नदाताओं के ऊपर किए गए अत्याचार का केंद्र व प्रदेश की गठबंधन सरकार को भुगतना होगा और किसानों पर पड़ी एक एक लाठी का हिसाब देना होगा। उन्होंने कहा कि प्रदेश की गठबंधन सरकार को इस कानून का विरोध करना चाहिए पर प्रदेश की बहरी व गूंगी सरकार अपनी जुबान नहीं खोल पा रही और जब किसान अपनी आवाज बुलंद करने के लिए सड़क पर आया तो प्रदेश की गठबन्धन सरकार किसानों पर लाठियां बरसा रही है इसका खामियाजा प्रदेश की गठबन्धन सरकार को भुगतना होगा। किरण चौधरी ने कहा कि कोरोना की आड़ में देश के बेशकीमती संसाधनों को पूंजीपतियों के हाथों बेच चुकी केंद्र सरकार अब किसानों को बेचने पर तुली हुई है।

## संक्षिप्त समाचार

### जिला शारीरिक शिक्षकों से पुलिस की हुई झड़प

**भिवानी।** अपनी बहाली की मांग के समर्थन में हरियाणा शारीरिक शिक्षक अपने तय कार्यक्रमानुसार सोमवार को स्थानीय लघु सचिवालय से जुलूस की शक्ल में सरकार के खिलाफ नारेबाजी करते हुए कृषिमंत्री जेपी दलाल की अनुपस्थिति में उनके पीए को उनके आवास पर मुख्यमंत्री मनोहर लाल के नाम मांगपत्र भेजा। प्रदर्शनकारियों का नेतृत्व हरियाणा शारीरिक शिक्षक संघर्ष समिति के राज्य संयोजक धर्मेंद्र पहलवान व जिला शारीरिक शिक्षक संघर्ष समिति के जिला संयोजक दिलबाग जांगड़ा संयुक्त रूप से कर रहे थे। प्रदर्शन में चार जिलों के शारीरिक शिक्षकों ने भाग लिया। जिनमें चरखी दादरी, भिवानी, रोहतक, झज्जर आदि थे। इनेलो महिला विंग की जिला प्रधान इंदु परमार ने भी अपना समर्थन दिया। जिला शारीरिक शिक्षकों के साथ पुलिस की तीखी नोकझोंक भी हुई। पुलिस प्रशासन ने कृषिमंत्री जेपी दलाल के आवास के बाहर बैरीकेड लगा रखे थे, जिसे शारीरिक शिक्षकों ने बैरीकेड लांगते हुए उनके आवास का घेराव किया। इससे पहले सभी शारीरिक शिक्षक यहां लघु सचिवालय के बाहर एकत्रित हुए वहां पर एक सभा का अयोजन किया। उन्होंने कहा कि एक अक्टूबर को मुख्यमंत्री मनोहर लाल के साथ शारीरिक शिक्षकों के प्रतिनिधियों की वार्तालाप होगी। अगर शारीरिक शिक्षकों को बहाल नहीं किया गया तो वे 2 अक्तूबर को महात्मा गांधी जयंती पर पूरे हरियाणाभर से चार जत्थे निकाले जाऐंगे।

### भिवानी जिले में कोरोना के 22 नए पोजिटिव केस आए

**भिवानी।** भिवानी जिले में आज सोमवार को 22 नए कोरोना पॉजिटिव के केस सामने आए है। जिनमें से दो सेक्टर 13 से एक जागृति कालोनी भिवानी से दो जैन चौक भिवानी से एक बिचला बाजार भिवानी से एक अन्य रोहतक जिले से दो गांव कोहाड़ से एक गांव बलियाली से एक गांव बड़सी जाटान से एक तोशाम से एक बाढ़ड़ा से एक सिंघानी से एक जगत कालोनी से एक गांव पालुवास से एक गांव तिगड़ाना से एक गांव धारवानबास से एक डीसी कालोनी भिवानी से दो बिचला बाजार भिवानी से और एक लोहड़ बाजार भिवानी से है। अब तक जिले में कुल 2409 कोरोना पॉजिटिव हो चुके है जिसमें से 2000 ठीक हो चुके हैं। अब जिले में कोरोना के 383 एक्टिव केस है।

### समाजसेवी लाजपत राय सिंगला ने किया 39वीं बार रक्तदान

**कैथल।** समाजसेवी व प्रधानमंत्री जन कल्याणकारी प्रसार प्रचार योजना के जिलाध्यक्ष लाजपत राय सिंगला ने सोमवार को 39वीं बार गांव बाता ब्रह्मपुरी मंदिर में प्रधानमंत्री के 70वें जन्म दिवस के उपलक्ष में रक्तदान किया। बीजेपी सरकार की तरफ से मनाए जा रहे सेवा सप्ताह के तहत आयोजित इस रक्तदान शिविर में राज्यमंत्री कमलेश ढांडा मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थीं। मुख्यातिथि ने लाजपत राय सिंगला को स्मृति चिह्न व प्रशंसा पत्र देकर सम्मानित किया गया। सिंगला ने बताया कि मैं ऐसे ही सामाजिक सेवा करता रहूंगा और बढ़-चढ़कर भाग रक्तदान शिविरों में भी भाग लेता रहूंगा।

### पर्यावरण संरक्षण में अहम भूमिका निभाएगा कल्पत : ट्रस्ट

**कुरुक्षेत्र।** कल्पतट्रस्ट के निदेशक विकास शर्मा ने कहा कि यह ट्रस्ट पर्यावरण संरक्षण में अहम भूमिका निभाने का प्रयास कर रहा है। हमारा प्रयास रहता है कि समाज को भी इसके लिए जागरूक किया जाए। अकेले सरकार के प्रयासों से यह सम्भव नहीं है। वे शेख चहेली मकबरा में पौधारोपण के समय बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि पर्यावरण को हम सब मिलकर खराब कर रहे हैं, तो उसे ठीक करने की जिम्मेदारी भी हमारी सबकी बनती है। ट्रस्ट की सदस्य मीना चौधरी ने बताया कि आज शेख चेहली मकबरा के पास के क्षेत्र में त्रिवेणी के पौधे लगाए गए। इन पौधों के साथ हमारी आस्था तो जुड़ी हुई है उसके साथ ये सबसे अधिक आक्सीजन देने वाले हैं। ट्रस्ट की योजना हर सप्ताह पौधारोपण करने की है। कार्यक्रम में राकेश वर्मा, धर्मपाल शोरगीर, टेकचंद, अतुल ग्रोवर, संदीप कुमार आदि का सहयोग रहा।

### अवॉर्ड लेकर गांव पहुंचे चेयरमैन का किया स्वागत

**कुरुक्षेत्र।** कुरुक्षेत्र की जिला परिषद को वर्ष 2018-19 के लिए पूरे भारत में दीन दयाल उपाध्याय पंचायत सशक्तिकरण पुरस्कार की श्रृंखला में प्रथम पुरस्कार मिलने पर जिला परिषद के चेयरमैन गुरदयाल सुनहेडी का गांव सुनहेडी खालसा में जोरदार स्वागत किया गया। गांव में पहुंचने पर जिला परिषद के चेयरमैन गुरदयाल सुनहेडी ने बताया कि यह पुरस्कार केन्द्र सरकार द्वारा दिया गया है और इसके तहत 50 लाख रुपये की राशि कुरुक्षेत्र की जिला परिषद को मिली है।

## नगर निगम कार्यालय पर कर्मियों ने किया विरोध प्रदर्शन

**सोनीपत।** ऑल हरियाणा पीडब्ल्यूडी कर्मचारियों संबंधित हरियाणा कर्मचारी महासंघ जनस्वास्थ्य अभियंत्रिकी शाखा सोनीपत ने पूर्व घोषित कार्यक्रम के अनुसार सोमवार को विश्राम गृह प्रांगण में एकत्रित होकर प्रतिनियुक्ति को समाप्त करने के लिए सरकार के खिलाफ प्रदर्शन किया। प्रदर्शन की अध्यक्षता जिला एवं शाखा प्रधान रणवीर दलाल ने की। कर्मचारी विश्राम गृह प्रांगण में एकत्रित हुए और प्रदर्शन करते हुए नगर निगम आयुक्त कार्यालय के समक्ष पहुंचे।

वहां पर कर्मचरियों ने बैठकर नगर निगम प्रशासन एवं हरियाणा सरकार के खिलाफ जोरदार नारेबाजी की। संगठन के प्रधान रणबीर दलाल ने नगर निगम प्रशासन को चेतावनी देते हुए कहा कि अगर नगर निगम प्रशासन ने प्रतिनियुक्ति पर गए कर्मचारियों को 30 सितंबर तक वापस उनके मूल विभाग में नहीं भेजा तो संगठन निगम के कार्यालय के समक्ष अनिश्चितकालीन धरना आरंभ कर देगा। अगर आवश्यकता हुई तो नगर निगम क्षेत्र के जलापूर्ति एवं जलमल व्यवस्था को जाम किया जा सकता है। जिसके पूर्ण जिम्मेवारी नगर निगम प्रशासन की होगी।

## सुभाष मंडी में हो रहे रेता-बजरी के कारोबार से बढ़ा प्रदूषण

सरबजोत सिंह दुग्गल। कुरुक्षेत्र

सुभाष मंडी में पड़ी रेत-बजरी और खड़े ट्रक व डंपर।

**शहर** की सुभाष मंडी में रेता-बजरी का हो रहा कारोबार दुकानदारों व राहगीरों के जी का जंजाल बना हुआ है। यही नहीं, वहां रिहायशी क्षेत्र के लोग भी इससे काफी परेशान हैं। मामूली सी हवा चलने पर यह रेता उड़ कर दुकानों व घरों में चली जाती है। इस कारण लोगों के स्वास्थ्य पर भी इसका दुष्प्रभाव पड़ रहा है। रेता-बजरी के कारण मंडी का मुख्य नाला भी अक्सर ठप रहता है, जिस कारण गंदा पानी बाहर सडक़ पर बहता है।

आम आदमी पार्टी व्यापार मंडल कुरुक्षेत्र के जिलाध्यक्ष सुरेन्द्र मित्तल ने पत्रकारों को मौका मुआयना कराते हुए सारी समस्या की जानकारी दी। मित्तल ने बताया कि रेता-बजरी में प्रयोग हो रहे ट्रक व डंपरों की आवाजाही से यहां का वातावरण प्रदूषित हो रहा है। उन्होंने बताया कि नगरपरिषद का ध्यान इस विषय पर कई बार दिलाने के बावजूद परिणाम शून्य है। उन्होंने नगरपार्षद पर भी आरोप लगाया कि चयनित होने के बाद उन्होंने कभी भी इस क्षेत्र की सुध नहीं ली। हालांकि मंडी में 150 से ज्यादा दुकानदार हैं, जिनके पास सैकड़ों लोग रोजाना खरीद-फरोख्त के लिए आते हैं। मित्तल ने बताया कि नियमानुसार इस मंडी में रेत-बजरी का कारोबार नहीं किया जा सकता है, फिर भी प्रशासन की नाक तले पिछले लंबे समय से यह कारोबार फलफूल रहा है। उन्होंने सफाई व्यवस्था पर भी सवाल उठाते हुए बताया कि क्षेत्र में चहुंओर गंदगी व अव्यवस्था फैली है।

यही नहीं, टिप्परों द्वारा यहां डंप किए जा रहे कूड़े ने उनकी परेशानी ओर भी बढ़ा दी है। इस अवसर पर आम आदमी पार्टी के जिला संयोजक जवाहर गोयल, व्यापार मंडल के प्रदेश उपाध्यक्ष सतीश बिंदल, नार्थ जॉन के संयुक्त सचिव नवीन अग्रवाल व बीर सिंह बिहोली, जिला प्रवक्ता अशोक कुमार व रामलाल, आप के विधानसभा क्षेत्र प्रत्याशी रहे सुमित गर्ग, जिला सचिव हितैश जैन, संयुक्त सचिव नीतिन सिंगला और जिला कोषाध्यक्ष प्रमोद मित्तल आदि मौजूद रहे।

## अध्यापकों से परामर्श लेने स्कूल पहुंचे विद्यार्थी

### लिटल एंजल्स स्कूल के कोविड-19 सुरक्षित परिसर में बच्चों का आगमन

पायनियर समाचार सेवा। सोनीपत

लिटल एंजल्स स्कूल में कोविड की सुरक्षा के लिए लगाया गया अत्याधुनिक डिसपेंसर।

**लॉकडाउन** के बाद लिटल एंजल्स स्कूल कोविड-19 सुरक्षित परिसर में कक्षा 10वीं व 12वीं के बच्चों का अपने अध्यापकों से परामर्श लेने के लिए पुन: आगमन हुआ। लिटल एंजल्स स्कूल देश का पहला ऐसा स्कूल है, जिसने इन विषम परिस्थितियों में बच्चों की सुरक्षा के लिए अद्भुत कदम उठाए हैं। अत्याधुनिक तकनीकों का प्रयोग करके स्कूल को पूर्णत: कोविड-19 सुरक्षित परिसर बनाया है। पहले दिन विद्यालय में 158 बच्चे उपस्थित थे।

बच्चों के पुन: आगमन पर सर्वप्रथम उनकी थर्मल स्कैनिंग की गई। सभी के लिए मास्क व दस्ताने पहनना अनिवार्य था। सभी बच्चों ने विद्यालय में प्रवेश से पहले संवेदी हाथों से मुक्त संक्रांति डिसपेंसर का प्रयोग किया। अभिभावकों ने विद्यालय द्वारा किए प्रयासों की सराहना की। उन्होंने कहा कि कठिन समय में बच्चों की सुरक्षा के लिए विद्यालय द्वारा किए गए प्रयास प्रशंसनीय है। विद्यालय के चेयरमैन आशीष आर्य, डायरेक्टर डॉ. नेहा आर्य व प्रधानाचार्य आशा गोयल ने सभी बच्चों के अच्छे स्वास्थ्य की कामना की। चेयरमैन आशीष आर्य ने कहा कि महामारी से बचने के लिए विद्यालय में सुरक्षा के सभी जरूरी प्रबंध किए हैं।

विद्यालय को कोविड-19 सुरक्षित परिसर बनाने के लिए विद्यालय में यूवीसी लैंप लगाए गए हैं, जो विद्यालय को कीटाणुरहित करने के लिए कार्यात्मक है। कक्षाओं के बाद यूवीसी लैंप द्वारा कक्षाओं को प्रतिदिन सैनेटाइज किया जाएगा। कैंपस में विभिन्न जगहों पर स्टेनलेस स्टील हैंडस फ्री वाशबेसिन लगाए गए हैं, साथ ही बच्चों के लिए एंटी कोविड-19 फुटमेट तैयार किए गए हैं। बच्चों के आगमन पर सोशल डिस्टेंसिंग का पूर्ण रूप से ध्यान रखा गया है। स्कूल बसों में भी यूवीसी. एल.ई.डी. स्ट्रीपस लगाई गई हैं।

### पहले दिन स्कूलों में पहुंचे इक्का-दुक्का बच्चे

**रादौर।** शिक्षा विभाग द्वारा सोमवार से सरकारी स्कूलों में 9वीं से 12वीं तक के बच्चों की कक्षाएं शुरू किये जाने की घोषणा की थी, लेकिन विभाग की घोषणा के बावजूद ब्लॉक रादौर के सरकारी स्कूलों में इक्का-दुक्का ही बच्चे स्कूल पहुंचे। ब्लॉक के सबसे बड़े राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय रादौर में सोमवार को 9वीं से 12वीं तक का कोई भी छात्र-छात्रा स्कूल नहीं पहुंची। सरकारी स्कूल रादौर के प्रिंसिपल व जिला उप शिक्षा अधिकारी शिवकुमार ने बताया कि स्कूल में एक अध्यापक के संक्रमित पाये जाने के बाद उन्हें क्वारेंटाइन किया है।

## मोदी ने देश के सैनिकों का बढ़ाया सम्मान

मोहम्मद हारून। हथीन

**प्रधानमंत्री** नरेन्द्र मोदी के 70वें जन्मदिन के अवसर पर शुरू किये गये सेवा सप्ताह के तहत हथीन के राम मंदिर में आंखों का चेकअप व चश्मा वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि भाजपा जिला अध्यक्ष चरण सिंह तेवतिया ने लोगों से कहा कि सेवा सप्ताह में मोदी जी को हां प्लास्टिक को ना, आंखों के कैंप के साथ चश्मा वितरण कार्यक्रम शुरू किए गए हैं। उन्होंने कहा कि मोदी ने धारा 370 हटाई वहीं देश के सैनिकों का सम्मान किया। विशिष्ट अतिथि हथीन विधायक प्रवीन डागर ने पार्टी कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि मोदी जी के नेतृत्व में देश ने बहुत बड़ी तरक्की की है। कार्यक्रम में

### चीनी सैनिकों को हम मुंहतोड़ जवाब देने में सक्षम : प्रवीन डागर

मंच संचालन जयसिंह चौहान ने किया। कार्यक्रम को संजय सिंह राणा, मुकेश राणा, महिला मोर्चा की गीता सौरोत, नगर पालिका चेयरमैन सुमित राजपूत, वीरपाल दीक्षित, योगेंद्र सहरावत आदि ने संबोधित किया। इस अवसर पर हथीन मार्केट कमेटी के पूर्व वाइस चेयरमैन चौधरी नरेश चंद सिंगला, सूरज पांडे, वेदप्रकाश उर्फ चुन्नू प्रधान, लेखराज सहरावत, मंडल राकेश गर्ग, विजय सिंगला, डाक्टर लेखराज गहलब, अनिल कोशिक, भारत भूषण, उमेश शर्मा, रफीक, हारून खान मलाई आदि भाजपा कार्यकर्ता मौजूद रहे।

## न्यूनतम समर्थन मूल्य पर नहीं पड़ेगा प्रतिकूल प्रभाव : नायब सिंह

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

नई दिल्ली में हरियाणा भवन में संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए केन्द्रीय जल शक्ति राज्यमंत्री रतन लाल कटारिया और सांसद नायब सिंह सैनी।

**केन्द्रीय** जल शक्ति राज्यमंत्री रतन लाल कटारिया ने कहा कि कृषि से संबंधित पारित किए बिलों के परिणामस्वरूप कृषि क्षेत्र के विकास को नई दिशाएं मिलेगी। कृषि क्षेत्र आर्थिक रूप से सुदृढ़ हो सकेगा।

उल्लेखनीय है कि लोकसभा व राज्यसभा द्वारा कृषि क्षेत्र से संबंधित पारित किये गये बिलों के संदर्भ में नई दिल्ली में हरियाणा भवन में संवाददाता सम्मेलन को सम्बोधित करते हुए केन्द्रीय राज्यमंत्री रतन लाल कटारिया ने कहा कि इन बिलों के परिणामस्वरूप कृषि क्षेत्र की दशा व दिशा परिवर्तित होने जा रही है। किसान प्रत्यक्ष रूप से राष्ट्रीय व अन्तरराष्ट्रीय कृषि बाजारों से जुड़ने जा रहा है। कुरुक्षेत्र लोकसभा क्षेत्र के सांसद नायब सिंह सैनी ने भी केंद्रीय जल शक्ति राज्यमंत्री के साथ संयुक्त रूप से संवाददाता सम्मेलन को संबोधित किया।

केंद्रीय कृषि राज्यमंत्री ने कहा कि इन बिलों का भूमि से कोई संबंध नहीं है, केवल कृषि उपज से ही संबंध है। इन बिलों से किसानों को उनके कृषि उत्पाद देष में कही भी बेचने का अधिकार मिल सकेगा। किसानों के हित पूर्णतया सुरक्षित किये गये हैं। न्यूनतम समर्थन मूल्य पर कोई भी प्रतिकूल प्रभाव नहीं पड़ेगा। कृषि मंडियां का अस्तित्व बना रहेगा। मंडियों में न्यूनतम समर्थन मूल्य पर खरीद होगी। पूरे देष में कही भी न्यूनतम समर्थन मूल्य से अधिक भाव यदि मिल रहा होगा तो किसान वहा स्वतंत्र रूप से अपना कृषि उत्पाद बेच सकेगा।

## कैंची मारकर पत्नी की हत्या करने वाला गिरफ्तार

**कुरुक्षेत्र।** कैंची मारकर पत्नी की हत्या करने के आरोपी पति को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। पुलिस प्रवक्ता रोशन लाल ने बताया कि 19 सितम्बर 2020 को थाना सदर थानेसर के अंतर्गत रहने वाली एक नाबालिग लड़की ने थाना में दी अपनी शिकायत में बताया कि 16 सितम्बर 2020 को उसके पिता ने उसकी माता के पेट में कैंची मारकर हत्या कर दी थी। शिकायत पर पुलिस ने उसके पिता राजकुमार के विरुद्ध हत्या का मामला दर्ज कर जांच आरंभ कर दी। मामले की जांच करते हुए पुलिस ने आरोपी राजकुमार उर्फ राजा पुत्र मांगेराम वासी कनिपला को गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ पर आरोपी ने स्वीकार किया कि वह शराब पीने का आदि है।

## तीन महीने में एक बार बॉयोमैट्रिक से पेंशन लेना जरूरी

**भिवानी।** विभिन्न सामाजिक सुरक्षा योजनाओं के अंतर्गत पेंशन का वितरण तीन महीने में एक बार बॉयोमैट्रिक, बाउचर के माध्यम से प्राप्त करना जरूरी है। सरकार के निर्देशानुसार पात्र व्यक्तियों को बॉयोमैट्रिक, बाउचर से 30 सितंबर 2020 तक अपनी पेंशन लेनी होगी, अन्यथा उनकी पेंशन रोक दी जाएगी।

जिला समाज कल्याण विभाग के अनुसार सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग के निर्देशानुसार पेंशन योजनाओं के लाभपात्र द्वारा तीन महीने में एक बार बॉयोमैट्रिक, बाउचर से पेंशन लेनी होगी और यदि इस तरह से पेंशन नहीं की जाती है तो तीन माह की पेंशन राशि बैंक, पोस्ट ऑफिस द्वारा विभाग को वापस भेज दी जाएगी। विभाग द्वारा भविष्य में पेंशन लाभार्थी के खाते में नहीं भेजी जाएगी। इसके बाद लाभार्थी को नए सिरे से पेंशन बनवानी होगी। अगर कोई लाभार्थी अपनी पेंशन 30 सितंबर तक अपनी पेंशन बॉयौमैट्रिक के माध्यम से नहीं निकलवाता है तो उसकी पेंशन रोक दी जाएगी।

## केयर रेटिंग्स ने जिंदल स्टेनलेस लि. की ऋण सुविधा रेटिंग 'केयर ए-' पर बरकरार रखी

पायनियर समाचार सेवा। हिसार

**केयर** रेटिंग्स ने जिंदल स्टेनलेस (हिसार) लिमिटेड (जेएसएचएल) की दीर्घकालिक ऋण सुविधाओं की रेटिंग स्थिर दृष्टिकोण के साथ 'केयर ए-' पर बरकरार रखी है। कंपनी की अल्पकालिक ऋण सुविधाओं की रेटिंग भी केयर ने 'केयर ए 2प्लस' पर स्थिर रखी है। जेएसएचएल की रेटिंग वित्तीय और परिचालन क्षेत्रों में अपने कुशल ट्रैक रिकॉर्ड के कारण बनी रही। साथ ही, विस्तृत उद्योगों के लिए उपयुक्त होने और मूल्य-वर्धित उत्पादों में अपनी विशेष पहचान के चलते जेएसएचएल ने यह रेटिंग हासिल की। कंपनी के मजबूत प्रति-टन मुनाफे, ऋण में कटौती और बेहतर धनापूर्ति ने यह रेटिंग बरकरार रखने में अहम भूमिका निभाई है।

इस परिणाम पर जेएसएचएल के प्रबंध निदेशक अभ्युदय जिंदल ने कहा, यह परिणाम जेएसएचएल की मजबूत बुनियाद का सूचक है। हमारी हिसार इकाई की परिचालन क्षमता घरेलू बाजार में सबसे आगे है और हमारे सर्वोच्च स्पेशिलिटी प्रोडक्ट्स विश्व-भर में प्रख्यात हैं। केयर के अनुसार कंपनी का संतुलित प्रदर्शन और विस्तृत उत्पाद-सूची मुख्य मानक रहे। मुझे विश्वास है कि भारतीय उत्पादकों को सशक्त करने के लिए भारत सरकार द्वारा लिए गए कदम घरेलू उद्योग को प्रोत्साहित करेंगे। रिपोर्ट अनुसार जेएसएचएल के प्रदर्शन के मुख्य कारण थे- मूल्य-वर्धित इस्पात क्षेत्र (300-ग्रेड और 400-ग्रेड) में बेहतर बिक्री के चलते वित्त-वर्ष 2019 की तुलना में प्रति टन पीबीआईएलटीडी 14,894 से बढ़कर वित्त-वर्ष 2020 में 15,945 रहा। बेहतर पीबीआईएलटीडी मार्जिन और कम ब्याज दरों के चलते, कंपनी के शुद्ध मुनाफे का मार्जिन वित्त-वर्ष 2019 में 2.89 प्रतिशत से बढ़कर वित्त-वर्ष 2020 में 3.80 प्रतिशत हो गया। जेएसएचएल सभी प्रकार के स्टेनलेस स्टील ग्रेड बनाने में सक्षम है, जैसे कि 200-ग्रेड, 300-ग्रेड और 400-ग्रेड। 200-ग्रेड का उपयोग बर्तन, घरेलू वस्तुओं, रसोई उपकरण, ट्यूब, पाइप, इत्यादि में होता है।

## सही लाइफस्टाइल बच्चों को कई कैंसर से बचाने में कारगर : डॉ. गौरी कपूर

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली।

**कैंसर** आज न केवल भारत में बल्कि पूरे विश्व में एक ऐसी भयानक बीमारी बन चुका है। जागरुकता के प्रयासों के बावजूद यह महामारी के रूप में तेजी से फैल रहा है। ऐसे में कैंसर तथा उसके कारणों के प्रति लोगों को जागरूक किए जाने की आवश्यकता है ताकि वे इस बीमारी, इसके लक्षणों और इसके भयावह खतरे के प्रति जागरूक रहें। अगर कैंसर का सही समय पर पता लगा लिया जाए तो उपचार संभव है। सितंबर माह को 'चाइल्डहुड कैंसर अवेयरनेस मंथ के रूप में मनाया जाता है।

चाइल्डहुड कैंसर को लेकर रोहिणी दिल्ली स्थित राजीव गांधी कैंसर इंस्टीट्यूट एवं रिसर्च सेंटर (आरजीसीआईआरसी) की निदेशक बाल चिकित्सा हेमाटोलॉजी एवं ऑन्कोलॉजी और आरजीसीआईआरसी नीति बाग की मेडिकल डायरेक्टर डॉ. गौरी कपूर ने बच्चों में होने वाले कैंसर को लेकर जानकारी साझा की। डॉ. गौरी कपूर ने बताया, बच्चों में कैंसर बहुत आम नहीं है। कुछ पश्चिमी देशों में 10 लाख बच्चों में 110 से 130 बच्चों में इसकी शिकायत मिली है। आबादी के आधार पर पर्याप्त आंकड़े नहीं होने के कारण अपने देश में इस तरह के मामलों का पूरी तरह अनुमान लगाना संभव नहीं है। हालांकि एक अनुमान के मुताबिक, 14 साल से कम उम्र के बच्चों में कैंसर के लगभग 40000 से 50000 नए मामले हर साल सामने आते हैं। अधिकतर बच्चों का समय से निदान नहीं हो पाता, जिसका मुख्य कारण है स्वास्थ्य सेवा तक पहुंचने में देरी। उन्होंने बताया कि बच्चों में होने वाले कैंसर में सबसे आम ल्यूकेमिया (ब्लड कैंसर), लिंफोमा और मस्तिष्क या पेट में ट्यूमर हैं। बच्चों में होने वाले कैंसर के प्रकार वयस्कों की तुलना में अलग तरह के होते हैं जैसे ल्यूकीमिया, ब्रेन एवं अन्य सेंट्रल नर्वस सिस्टम ट्यूमर, न्यूरोब्लास्टोमा, लिम्फोमा, रैब्डोमायोसरकोमा, रेटिनोब्लास्टोमा, हड्डी का कैंसर आदि। आमतौर पर इसके अलावा अन्य प्रकार के कैंसर बच्चों में नहीं देखे जाते।

उन्होंने आगे बताया कि कैंसर के लक्षण को पहचानना मुश्किल होता है क्योंकि ये सामान्य बीमारी की तरह होते हैं जैसे सुस्ती, कमजोरी, चक्कर आना, पीठ, पैर, जोड़ों में दर्द, सिरदर्द, असामान्य रक्तस्त्राव, मसूढ़ों से खून आना, भूख न लगना, वजन घटना, पेट में सूजन, पेटदर्द, कब्ज, सांस लेने में कठिनाई, लगातार खांसी, पीठ दर्द, पुतली के पीछे सफेद रंग आदि। इसलिए इसमें से कोई लक्षण होने पर अस्पताल में जांच जरूरी और थोड़ा भी शक होने पर कैंसर अस्पताल में जांच करायी जाये।

# ईरान पर प्रतिबंध दोबारा लगाने के संबंध में अभी कोई मदद नहीं करेगा संरा : गुतारेस

**संयुक्त राष्ट्र।** संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुतारेस ने कहा है कि संयुक्त राष्ट्र, सुरक्षा परिषद से हरी झंडी मिलने तक ईरान पर दोबारा प्रतिबंध लगाने के संबंध में कोई मदद नहीं कर पाएगा, जिसकी अमेरिका मांग कर रहा है। महासचिव ने परिषद को लिखे पत्र में कहा कि अमेरिकी विदेश मंत्री माइक पोम्पिओ ने सुरक्षा परिषद के प्रस्ताव में स्नैपबैक का इस्तेमाल किया है या नहीं, इस पर अनिश्चितता प्रतीत होती है।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के प्रशासन ने शनिवार को घोषणा की थी कि ईरान के खिलाफ सभी प्रतिबंध बहाल कर दिए गए हैं। उसके इस कदम को विश्व के अधिकतर देशों ने खारिज कर दिया

## ट्रंप प्रशासन ने घोषणा की थी कि ईरान के खिलाफ सभी प्रतिबंध बहाल कर दिए हैं

है। अमेरिका की इस घोषणा से सोमवार से शुरू हो रही संयुक्त राष्ट्र की वार्षिक उच्च स्तरीय बैठक में विवाद खड़ा हो सकता है। कोविड-19 के कारण इस साल यह बैठक ऑनलाइन आयोजित की जा रही है। अमेरिका की ओर से यह घोषणा पोम्पिओ के परिषद को स्नैपबैक का इस्तेमाल करने की जानकारी देने के करीब 30 दिन बाद की गई है।

स्नैपबैक का तात्पर्य है कि परमाणु करार के तहत दी गई ढील या हटा ली गई पाबंदियों को संयुक्त

राष्ट्र के सदस्य देशों द्वारा दोबारा लगाया जा सकता है। गुतारेस ने पत्र में कहा कि सुरक्षा परिषद, उसके सदस्यों या उसके अध्यक्ष ने अमेरिकी विदेश मंत्री के पत्र की प्राप्ति के बाद कोई कार्रवाई नहीं की है। उन्होंने कहा कि परिषद के अधिकतर सदस्यों ने परिषद के अध्यक्ष को चिट्ठी लिखी है कि (पोम्पिओ के) पत्र में यह स्पष्ट नहीं किया कि स्नैपबैक का इस्तेमाल किया गया है या नहीं।

उन्होंने कहा कि अगस्त और सितंबर के लिए परिषद के अध्यक्षों ने संकेत दिया है कि वे इस मामले में कोई कार्रवाई करने की स्थिति में नहीं हैं। गुतारेस ने कहा कि महासचिव इस मामले को आगे नहीं बढ़ा सकते हैं। गुतारेस ने कहा कि संयुक्त राष्ट्र हटाए गए प्रतिबंधों को दोबारा लगाने के संबंध में सुरक्षा परिषद से स्पष्टीकरण मिलने तक कोई कार्रवाई नहीं करेगा।

## ईरान ने यूएन प्रतिबंधों को बहाल करने की अमेरिकी कोशिश खारिज की

**तेहरान ( ईरान )।** ईरान के राष्ट्रपति हसन रूहानी ने संयुक्त राष्ट्र के सभी प्रतिबंधों को बहाल कराने के अमेरिकी प्रयासों को खारिज किया है। वाशिंगटन से बढ़े आर्थिक दबाव की वजह से ईरान की स्थानीय मुद्रा रविवार को अब तक के सबसे निचले स्तर पर पहुंच गई। ईरान की मुद्रा रियाल की कीमत एक अमेरिकी डॉलर के मुकाबले तेहरान में मुद्रा विनिमय की दुकानों पर घटकर 2,72,500 पर रह गई। जून से अब तक डॉलर के मुकाबले रियाल के मूल्य में 30 फीसदी से अधिक की गिरावट आई है क्योंकि अमेरिकी प्रतिबंध की वजह से ईरान वैश्विक स्तर पर अपना तेल बेचने में समर्थ नहीं है। साल 2015 में वैश्विक शक्तियों के साथ ईरान के समझौते के समय एक डॉलर 32,000 रियाल के बराबर था। इस समझौते पर तत्कालीन अमेरिकी राष्ट्रपति बराक ओबामा प्रशासन ने हस्ताक्षर किया था लेकिन राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने इस समझौते से अमेरिका को बाहर कर लिया।

# विपक्षी पार्टियों ने इमरान खान को हटाने के लिए किया गठबंधन

## पहले चरण में विपक्षी पार्टियां सभी चार प्रांतों में अक्टूबर में संयुक्त रैलियां करेंगी

**इस्लामाबाद।** पाकिस्तान के प्रधानमंत्री इमरान खान का तत्काल इस्तीफा मांगते हुए मुल्क की प्रमुख विपक्ष पार्टियों ने उनकी सरकार को हटाने के वास्ते देशव्यापी प्रदर्शन करने के लिए गठबंधन किया है। रविवार को हुए सर्वदलीय सम्मेलन में 26 बिंदु वाले एक प्रस्ताव को स्वीकार किया गया। इस सम्मेलन में पाकिस्तान मुस्लिम लीग-नवाज (पीएमएल-एन), जमीयत उलेमा-ए-इस्लाम फजल (जेयूआई-एफ) और कई अन्य पार्टियों ने शिरकत की थी। इस सम्मेलन की मेजबानी पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी (पीपीपी) ने की थी।

सर्वदलीय बैठक के बाद संयुक्त पत्रकार वार्ता में जेयूआई-एफ प्रमुख मौलाना फजल उर रहमान ने प्रस्ताव पढ़ा और कहा कि विपक्षी पार्टियां पाकिस्तान डेमोक्रेटिक मूवमेंट (पीडीएम) नाम से गठबंधन बनाने को राजी हो गई हैं ताकि पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) पार्टी की हुकूमत के खिलाफ अक्टूबर से देशव्यापी प्रदर्शन शुरू किए जा सकें। प्रस्ताव में सेना का नाम लिए बिना

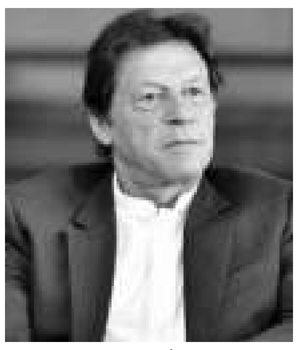

आरोप लगाया गया है कि खान की सरकार को उसी संस्थान ने फर्जी स्थिरता दी है जिसने मौजूदा शासकों को सत्ता में लाने के लिए चुनाव में हस्तक्षेप किया था। शक्तिशाली फौज का जाहिर तौर पर संदर्भ देते हुए प्रस्ताव में कहा गया है कि मुल्क के अंदरूनी मामलों में संस्थान की बढ़ती दखलअंदाजी बेहद चिंतनीय है और इसे देश की स्थिरता तथा संस्थानों के लिए खतरा बताया गया है। प्रस्ताव के मुताबिक, प्रदर्शन चरणों में शुरू होंगे। पहले चरण में विपक्षी पार्टियां सभी चार प्रांतों में अक्टूबर में संयुक्त रैलियां करेंगी। दूसरा चरण दिसंबर में शुरू होगा, जिस दौरान विपक्ष देशभर में बड़ी रैलियां करेगा। इसके बाद अगले साल जनवरी में सरकार को हटाने के वास्ते इस्लामाबाद के लिए निर्णायक बड़ा मार्च शुरू होगा। विपक्ष ने यह भी मांग की कि फिर से चुनाव कराएं जाएं और पारदर्शी तरीके से कराएं जाएं और स्वतंत्र एवं निष्पक्ष चुनाव के लिए चुनाव सुधार पारित किए जाएं। संसद को रबड़ स्टैंपै बताते हुए, पीडीएम ने घोषणा की कि विपक्ष विधाई प्रक्रिया में सरकार के साथ सहयोग नहीं करेगा। रहमान ने कहा कि संयुक्त प्रस्ताव में मुल्क में सरकार की राष्ट्रपति प्रणाली लाने की किसी भी कोशिश को खारिज किया गया है और संसदीय प्रणाली को मजबूत करने का संकल्प लिया गया है। इससे पहले लंदन से वीडियो लिंक के माध्यम से सम्मेलन को संबोधित करते हुए पूर्व प्रधानमंत्री नवाज शरीफ ने कहा था कि विपक्ष प्रधानमंत्री इमरान खान के खिलाफ नहीं है, बल्कि उनके खिलाफ है जो अक्षम व्यक्ति को सत्ता में लेकर आए हैं। पाकिस्तान मुस्लिम लीग-नवाज (पीएमएल-एन) के प्रमुख शरीफ (70) पिछले साल नवंबर से लंदन में रह रहे हैं। लाहौर उच्च न्यायालय ने उन्हें इलाज के वास्ते चार हफ्तों के लिए विदेश जाने की इजाजत दी थी। पीपीपी के प्रमुख आसिफ अली जरदारी ने शुक्रवार को शरीफ से फोन पर बातचीत की थी और उन्हें रविवार को ऑनलाइन होने वाली विपक्ष की अगुवाई वाले सर्वदलीय सम्मेलन में हिस्सा लेने के लिए आमंत्रित किया था। सम्मेलन में शरीफ ने खान का कथित रूप से समर्थन करने के लिए देश की ताकतवर फौज की आलोचना की। उन्होंने कहा, हमारा संघर्ष इमरान खान के खिलाफ नहीं है।

### सबसे बड़ी प्राथमिकता चयनित सरकार और इस व्यवस्था को हटाने की हो

**आज**, हमारा संघर्ष उन लोगों के खिलाफ है, जिहोंने इमरान खान को बैठाया है और जिन्होंने उन जैसे अक्षम व्यक्ति को लाने के लिए (2018 के) चुनाव को प्रभावित किया और मुल्क को तबाह किया। पूर्व प्रधानमंत्री ने कहा कि सबसे बड़ी प्राथमिकता इस चयनित सरकार और इस व्यवस्था को हटाने की होनी चाहिए। उन्होंने कहा, अगर बदलाव नहीं होते हैं तो मुल्क को अपूरणीय क्षति होगी। उन्होंने कहा कि सेना को सियासत से दूर रहना चाहिए और संविधान एवं राष्ट्रपिता कायदे आज़म मोहम्मद अली जिन्ना की दृष्टि का अनुसरण करना चाहिए तथा लोगों की पसंद में दखल नहीं देनी चाहिए। शरीफ ने कहा, हमने इस देश को अपनी नजर में और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी मजाक बना दिया है। पूर्व राष्ट्रपति आसिफ अली जरदारी ने भी वीडियो लिंक के जरिए सम्मेलन को संबोधित किया और सरकार की आलोचना की। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार विपक्ष को दबाने के लिए हथकंडे अपना रही है।

# बहरीन का दावा 2020 की शुरुआत में आतंकी हमले की साजिश नाकाम की

**दुबई।** बहरीन ने सोमवार को कहा कि उसने इस साल के शुरू में देश में राजनयिकों और विदेशियों पर हमला करने के लिए ईरान समर्थित आतंकवादियों की साजिश को नाकाम कर दिया। इससे कुछ घंटे पहले सऊदी अरब के सरकारी चैनल और बहरीन के एक स्थानीय अखबार ने रविवार रात को अपनी खबरों में कहा था कि यह साजिश नई है। गौरतलब है कि बहरीन और इजराइल ने कुछ दिन पहले ही रिश्ते सामान्य किए हैं। इस देश में अमेरिका की नौसेना का पांचवां बेड़ा तैनात है। संयुक्त राष्ट्र में ईरान के मिशन ने बहरीन के दावे को खारिज किया और कहा कि बिना सच्चाई वाले बेतुके और झूठे इल्जामों की कड़ी में यह एक और मिसाल है।

मिशन के प्रवक्ता अली रज़ा मीर यूसुफी ने एपी से कहा कि ऐसा लगता है कि अमेरिका और क्षेत्र में उसके ग्राहक राष्ट्रों द्वारा ईरान को कोसने की कोई सीमा नहीं है। वे फलस्तीन के लोगों तथा अपनी जनता से हाल में किए गए विश्वासघात से ध्यान हटाने की कोशिश कर रहे हैं। सऊदी अरब के सरकारी टीवी पर प्रसारित फुटेज में दिख रहा है कि पुलिस ने एक घर पर छापा मारा है। फुटेज में दिख रहा है कि छापेमारी में राइफल और विस्फोटक जब्त किए गए हैं।

सऊदी अरब के सरकारी टीवी ने कहा कि नौ आतंकवादियों को गिरफ्तार किया गया है और माना जाता

है कि नौ अन्य ईरान में हैं। बहरीन के सरकार समर्थित समाचार पत्र अखबार अल -खलीज ने गृह मंत्रालय के अधिकारियों के हवाले से खबर दी है कि कथित रूप से विदेशी शिष्टमंडल को निशाना बनाने के लिए एक सड़क पर लगाए गए विस्फोटक के मिलने के बाद अधिकारियों ने साजिश का पर्दाफाश किया।

समाचार पत्र के मुताबिक, मंत्रालय ने ईरान की सेना पर आतंकवादियों का समर्थन करने का आरोप लगाया है। आतंकवादियों ने बहरीन के अधिकारियों के सुरक्षा गार्डों की हत्या की भी योजना बनाई थी। यह स्पष्ट नहीं है कि सभी गिरफ्तारियां और कथित साजिश कब की है क्योंकि अखबार अल-खलीज की खबर घटनाओं को 2017 की बता रही है। समाचार पत्र ने आतंकवादियों का संबंध अल अश्तार ब्रिगेड से बताया है। यह शिया संगठन है जिसने बहरीन में कई विस्फोटों की जिम्मेदारी ली है। बहरीन के गृह मंत्रालय ने बाद में सफाई देते हुए कहा कि यह मामले इस साल के शुरू के हैं और नए नहीं हैं।

# जापान के पीएम सुगा ने ट्रंप से फोन पर की बातचीत

**तोक्यो।** योशिहिदे सुगा ने जापान के प्रधानमंत्री के तौर पर कार्यभार संभालने के बाद पहली औपचारिक बातचीत अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से की। देश के नेता के रूप में उनका पहला राजनयिक फोन ट्रंप को करना, दोनों सहयोगियों के बीच घनिष्ठ संबंध को उजागर करता है।

स्वास्थ्य कारणों के चलते शिंजो आबे ने प्रधानमंत्री पद से इस्तीफा दे दिया था। इसके बाद सुगा ने उनकी जगह ली है। सुगा ने ट्रंप से फोन पर बात करने के बाद रविवार देर रात को संवाददाताओं से कहा, मैंने उनसे कहा कि जापान-अमेरिका गठबंधन क्षेत्रीय शांति और स्थिरता की नींव है और हम करीबी समन्वय जारी रखने पर सहमत हुए। सुगा ने कहा कि ट्रंप ने भी कहा कि वह भी गठबंधन को मजबूत करना चाहते हैं। उन्होंने कहा कि दोनों नेताओं ने कोरोना वायरस के खिलाफ लड़ाई और उत्तर कोरिया के मिसाइल एवं परमाणु खतरों के संबंध में सहयोग करने पर सहमति व्यक्त की।

जापान के विदेश मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि दोनों नेताओं ने करीब 25 मिनट फोन पर बात की। दोनों नेताओं ने कोरोना वायरस के टीके के विकास और उपचार के साथ-साथ क्षेत्रीय सुरक्षा चिंताओं में भी सहयोग का संकल्प जताया। घरेलू मुद्दों पर अपने राजनीतिक कौशल के लिए पहचाने जाने वाले, सुगा ने कम ही विदेश यात्राएं की हैं।

## रूट मोबाइल के शेयर सूचीबद्ध हुए, निर्गम मूल्य के मुकाबले 105 प्रतिशत का उछाल

**नई दिल्ली।** रूट मोबाइल लिमिटेड के शेयर सोमवार को निर्गम मूल्य के मुकाबले 105 प्रतिशत के प्रीमियम पर शेयर बाजारों में सूचीबद्ध हुए। कंपनी के शेयर बीएसई पर 708 रुपये पर सूचीबद्ध हुए, जो 102.28 प्रतिशत के उछाल को दर्शाता है। बाद में शेयर 110 प्रतिशत की बढ़त के साथ 735 रुपये के स्तर पर आ गए। एनएसई पर क्लाउड कम्युनिकेशंस सर्विस प्रदाता के शेयर निर्गम मूल्य के मुकाबले 104.85 प्रतिशत की बढ़त के साथ 717 रुपये पर सूचीबद्ध हुए। रूट मोबाइल के आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) को 74 गुना अभिदान मिला था।

## व्हाइट हाउस के पते पर रिसिन वाला पत्र भेजने की आरोपी महिला गिरफ्तार

**वाशिंगटन।** व्हाइट हाउस के पते पर जहर रिसिन वाला एक पत्र भेजने की संदिग्ध एक महिला को न्यूयॉर्क-कनाडा सीमा पर गिरफ्तार कर लिया गया।

कानून प्रवर्तन तीन अधिकारियों ने यह जानकारी दी। पत्र को व्हाइट हाउस पहुंचने से पहले गत सप्ताह की शुरुआत में बीच में ही रोक लिया गया था। महिला को अमेरिकी सीमाशुल्क एवं सीमा रक्षा अधिकारियों ने सीमा के निकट पीस ब्रीज से गिरफ्तार किया और ऐसी संभावना है कि वह संघीय आरोपों का सामना करेगी।

अभी महिला का नाम जाहिर नहीं किया है। व्हाइट हाउस के पते पर भेजा गया यह पत्र मूलत: कनाडा में तैयार किया गया प्रतीत होता है। रॉयल कनाडा माउंटेड पुलिस ने इसकी जानकारी दी है। यह पत्र उस सरकारी प्रतिष्ठान में रोका जो राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और राष्ट्रपति कार्यालय व्हाइट हाउस आने वाली डाक की जांच करता है। अधिकारी ने बताया कि प्रारंभिक जांच में इसमें जहर रिसिन होने की पुष्टि हुई है। अधिकारी ने नाम गोपनीय रखने की शर्त पर यह जानकारी दी। इससे पहले भी पत्र के जरिए रिसिन भेजकर अमेरिकी अधिकारियों को निशाना बनाने की कई कोशिशें हुई हैं। नौसेना के पूर्व कर्मचारी को ट्रंप और उनके प्रशासन के सदस्यों को इसी प्रकार के लिफाफे भेजने के आरोप में 2018 में गिरफ्तार किया था।

## बिगलीप टेक्नालॉजीज 2021 तक 6,000 लोगों को भर्ती करेगी

**हैदराबाद।** हैदराबाद स्थित मानव संसाधन प्रदाता कंपनी बिगलीप टेक्नालॉजीज एंड सॉल्युशंस ने सोमवार को कहा है कि वह 2021 तक 6,000 से अधिक कर्मचारियों को भर्ती करने की योजना बना रही है।

इसके साथ ही कंपनी ने अगले दो वर्षों में अपने कारोबार को दोगुना करने का लक्ष्य तय किया है। कंपनी ने एक विज्ञप्ति में कहा कि कर्मचारियों की संख्या में इस बढ़ोतरी के साथ ही 10,000 से अधिक कर्मचारी उसके आउटसोर्सिंग वेतनमान पर नियुक्त होंगे। बिगलीप के परिचालन की शुरुआत 2015 में हुई थी और उसका परिचालन 22 राज्यों में है।

# इजराइल में नेतन्याहू के खिलाफ हजारों लोगों ने किया प्रदर्शन

**यरुशलम।** हजारों इजराइली प्रदर्शनकारियों ने प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के खिलाफ रविवार को मध्य यरुशलम में उनके सरकारी आवास के बाहर अपना साप्ताहिक प्रदर्शन फिर से शुरू कर दिया। हालांकि पूरे देश में एक नया लॉकडाउन आदेश लागू किया गया है जिसका उद्देश्य देश में कोरोना वायरस के बढ़ते मामलों पर लगाम लगाना है।

पिछले शुक्रवार को लागू तीन सप्ताह के लॉकडाउन में एक अपवाद को शामिल किया गया था जिसके तहत लोगों को सार्वजनिक प्रदर्शन करने की इजाजत दी गई थी। प्रदर्शन में शामिल कई प्रदर्शनकारी हालांकि सामाजिक दूरी के नियम को नजरंदाज करते दिखे। प्रदर्शनकारियों से कहा गया था कि वे छोटे-छोटे समूहों में रहें। पूरे ग्रीष्मकाल में हजारों लागों ने प्रदर्शनों में हिस्सा लिया है। उनकी मांग है कि नेतन्याहू अपने पद से इस्तीफा दे दें क्योंकि उनके खिलाफ भ्रष्टाचार के आरोपों में सुनवाई चल रही है। इजराइल के वाणिज्यिक केंद्र तेल अवीव के पास स्थित बनेई ब्राक नगर में 100 से अधिक प्रदर्शनकारी सड़कों पर उतरे और सार्वजनिक प्रार्थनाओं पर पाबंदियों के खिलाफ कचरा जलाया।

प्रदर्शन यहूदी नववर्ष की छुट्टी समाप्त होने के कुछ घंटे बाद फिर से शुरू हुए। नेतन्याहू सरकार ने छुट्टी शुरू होने से कुछ ही घंटे पहले नया लॉकडाउन लागू कर दिया था। इजराइल में पहला लॉकडाउन मार्च और अप्रैल में लागू किया गया था। नेतन्याहू पर धोखाधड़ी, अमानत में खयानत और तीन अलग अलग मामलों में रिश्वत स्वीकार करने के आरोप हैं। उनके खिलाफ आपराधिक सुनवाई जून में शुरू हुई थी लेकिन उन्होंने पद छोड़ने से इनकार कर अपने खिलाफ लगे आरोपों को खारिज कर दिया था। इजराइल में अभी तक कोरोना वायरस के 1,80,000 से अधिक मामले सामने आए हैं और 1,200 से अधिक मरीजों की मौत हो गई है।

## अमेरिका में डेमोक्रेटिक पार्टी के चिह्न गधे की मूर्ति में आग लगाई

**बाउडोइनम ( अमेरिका )।** मेन टाउन में एक मैदान में लगी गधे की मूर्ति में आग लगाने की घटना सामने आई है और एक सांसद ने इसे राजनीतिक आतंकवाद करार दिया है। गधा डेमोक्रेटिक पार्टी का चिह्न है और इस मूर्ति को डाउग चेस ने बनाया था, जो कि यहां के स्थानीय कलाकार और बस चालक हैं। इसे लकड़ी, कार्डबोर्ड, फाइबर ग्लास समेत अन्य चीजों से बनाया गया था।

बाउडोइनम में इस मूर्ति को शुक्रवार देर रात दो बजे आग के हवाले कर दिया गया। यह मूर्ति पूर्व प्रवर बोर्ड सदस्य टेरिजा टर्गन की जमीन पर बनी हुई थी। वह अभी कस्बे के प्रवर बोर्ड में निर्वाचित होने के लिए चुनाव लड़ रही हैं। न्यूजसेंटरमेन डॉट कॉम नाम की एक वेबसाइट को उन्होंने बताया, मुझे नहीं लगता कि यह निजी मामला है। मैं कल्पना भी नहीं कर सकती कि यह निजी मामला है।

# गूगल पे, वीजा ने कार्ड आधारित भुगतान के लिए साझेदारी की

**नई दिल्ली।** गूगल पे ने सोमवार को अपने मंच पर टोकनाइजेशन लागू करने की घोषणा की, जिसके जरिए उपयोगकर्ता अपने डेबिट या क्रेडिट कार्ड का सुरक्षित रूप से इस्तेमाल कर सकेंगे। टोकनाइजेशन के जरिए गूगल पे एंड्रायड उपयोगकर्ता अपने डेबिट या क्रेडिट कार्ड का इस्तेमाल अपने कार्ड को प्रत्यक्ष रूप से स्वैप किए बिना कर सकेंगे। इसके तहत कार्ड से जुड़े मोबाइल नंबर पर भेजे गए सुरक्षित डिजिटल टोकन के जरिए भुगतान हो जाएगा।

कंपनी ने एक बयान में कहा कि वीजा और बैंकिंग भागीदारों के साथ यह सुविधा अब एक्सिस और एसबीआई कार्ड के सभी उपयोगकर्ताओं के लिए उपलब्ध है। कोटक और अन्य बैंकों के साथ यह सुविधा बहुत जल्द शुरू होने की उम्मीद है। बयान में कहा गया कि टोकन भुगतान के साथ, गूगल पे उपभोक्ताओं को एनएफसी सक्षम एंड्रायड डिवाइस या फोन का इस्तेमाल करके सुरक्षित भुगतान करने में मदद मिलेगी।

बयान के मुताबिक इस सुविधा से 25 लाख से अधिक वाजा व्यापारिक स्थानों पर संपर्क रहित भुगतान किया जा सकेगा। इसके साथ ही 15 लाख से अधिक भारत क्यूआर में स्कैन करके भुगतान किया जा सकेगा।

गूगल पे के कारोबार प्रमुख सजीथ शिवनंदन ने कहा, हम अपने उपयोगकर्ताओं को सुरक्षित भुगतान के अनुभव की पेशकश करने के लिए प्रतिबद्ध हैं, और टोकन के इस्तेमाल से धोखाधड़ी का कोई मौका भी खत्म हो जाता है।

# संक्षिप्त समाचार

## भारती एक्सा ने नई यूनिट लिंक्ड व्यक्तिगत बीमा योजना पेश की

**बेंगलुरु।** भारती एंटरप्राइजेज और एक्सएए के संयुक्त उद्यम भारती एक्सा लाइफ इंश्योरेंस ने सोमवार को भारती एक्सा लाइफ वेल्थ प्रो नाम से एक नई यूनिट लिंक्ड व्यक्तिगत बीमा योजना पेश की। कंपनी ने एक बयान में कहा कि इसके तहत नियमित बचत के मुकाबले अधिक लाभ वाले बाजार आधारित प्रतिफल की पेशकश की गई है, और इसमें अधिक सुरक्षा उपाए किए गए हैं। कंपनी ने बयान में कहा कि नई और मूल्यवर्धित यूलिप से ग्राहकों को परिवार के लिए वित्तीय सुरक्षा के साथ अपने वित्तीय लक्ष्यों को हासिल करने में मदद मिलेगी। बयान के मुताबिक योजना के दो संस्करण हैं- वृद्धि और विरासत। वृद्धि संस्करण में ग्राहक दस साल, 15 साल या 20 साल के लिए पॉलिसी ले सकते हैं और प्रीमियम का भुगतान एकमुश्त, या पांच, सात, 10, 15 या 20 वर्ष तक कर सकते हैं। एकमुश्त प्रीमियम भुगतान का विकल्प चुनने वाले ग्राहकों को अधिक बीमा कवर दिया जाएगा। ऐसे ही विरासत संस्करण में ग्राहकों को अधिक बीमा कवर मिलेगा।

## सोयाबीन वायदा भाव में गिरावट

**नई दिल्ली।** कमजोर हाजिर मांग से सोमवार को सोयाबीन वायदा भाव नौ रुपये टूटकर 3,997 रुपये प्रति क्विंटल रह गया। नेशनल कमोडिटी एंड डेरिवेटिव्स एक्सचेंज में सोयाबीन का अक्टूबर अनुबंध नौ रुपये या 0.22 प्रतिशत के नुकसान से 3,997 रुपये प्रति क्विंटल रह गया। इसमें 38,455 लॉट का कारोबार हुआ। इसी तरह सोयाबीन का नवंबर आपूर्ति अनुबंध तीन रुपय। या 0.08 प्रतिशत के नुकसान से 3,980 रुपये प्रति क्विंटल पर आ गया। इसमें 40,705 लॉट का कारोबार हुआ।

## बिनौला खल वायदा भाव चढ़ा

**नई दिल्ली।** मजबूत हाजिर मांग के बीच कारोबारियों की लिवाली से सोमवार को बिनौला खल का वायदा भाव 14 रुपये बढ़कर 1,830 रुपये प्रति क्विंटल पर पहुंच गया। नेशनल कमोडिटी एंड डेरिवेटिव्स एक्सचेंज में बिनौला खल का दिसंबर आपूर्ति का अनुबंध 14 रुपये या 0.77 प्रतिशत बढ़कर 1,830 रुपये प्रति क्विंटल पर पहुंच गया। इसमें 19,090 लॉट का कारोबार हुआ। इसी तरह बिनौला खल का जनवरी अनुबंध 15 रुपये या 0.82 प्रतिशत की बढ़त के साथ 1,836 रुपये प्रति क्विंटल पर पहुंच गया। इसमें 2,840 लॉट का कारोबार हुआ।

## टेक्सास और लुइसियाना की तरफ बढ़ रहा बीटा चक्रवात

**ह्यूस्टन।** अमेरिका में आया उष्णकटिबंधीय चक्रवात बीटा रविवार को टेक्सास और लुइसियाना के तटों की ओर बढ़ा जिससे पहले ही तूफानों की मार झेल चुके देश के इस हिस्से में तेज हवा के साथ और ज्यादा बारिश और तबाही होने की उम्मीद है। राष्ट्रीय मौसम सेवा ने रविवार को कहा कि अगले कुछ दिनों में टेक्सास और लुइसियाना के कुछ हिस्सों में बीटा के कारण 51 सेंटीमीटर तक बारिश हो सकती है। राष्ट्रीय तूफान केंद्र ने कहा कि बीटा ने रविवार दोपहर को थोड़ी रफ्तार पकड़ी और वह सोमवार देर रात तक टेक्सास सेंट्रल या अपर गल्फ कोस्ट से टकराएगा।

## एसबीआई लाइफ का बीमा पॉलिसियों के लिए यस बैंक से करार

**नई दिल्ली।** एसबीआई लाइफ इंश्योरेंस ने यस बैंक के साथ बैंक एश्योरेंस करार किया है। इसके तहत यस बैंक देशभर में एसबीआई लाइफ इंश्योरेंस के जीवन बीमा समाधान की पेशकश कर सकेगा। इस भागीदारी के तहत एसबीआई लाइफ के व्यक्तिगत और समूह बीमा समाधानों की पेशकश 28 राज्यों और आठ संघ शासित प्रदेशों में यस बैंक के ग्राहकों को की जा सके। एसबीआई लाइफ के वृहद उत्पाद पोर्टफोलियो तथा बैंक की डिजिटल क्षमता और व्यापक स्तर पर मौजूदगी से ग्राहकों को जीवन बीमा उत्पाद आसानी से उपलब्ध होंगे। इस बारे में करार पर यस बैंक के वैश्विक प्रमुख (खुदरा बैंकिंग) राजन पेंटल तथा एसबीआई लाइफ इंश्योरेंस के क्षेत्रीय निदेशक-मुंबई क्षेत्र एवीएस शिवरामकृष्णन ने हस्ताक्षर किए। इस मौके पर एसबीआई लाइफ के प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी महेश कुमार शर्मा तथा एसबीआई लाइफ के अध्यक्ष-जोन। रवि कृष्णमूर्ति भी मौजूद थे।

## एचसीएल टेक आईटी कंपनी डीडब्ल्यूएस का अधिग्रहण करेगी

**नई दिल्ली।** एचसीएल टेक्नालॉजीज ने सोमवार को कहा कि वह ऑस्ट्रेलियाई आईटी समाधान कंपनी डीडब्ल्यूएस का अधिग्रहण करेगी। इस कदम से कंपनी को ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड के बाजारों में अपनी स्थिति मजबूत करने में मदद मिलेगी। एचसीएल टेक्नालॉजीज ने शेयर बाजार को बताया कि पूरी तरह चुकता आधार पर कुल 13.18 करोड़ शेयरों के लिए 15.82 करोड़ ऑस्ट्रेलियाई डॉलर (850.33 करोड़ रुपये) का भुगतान किया जाएगा। कंपनी ने बयान में कहा कि इसके अलावा डीडब्ल्यूएस के शेयरधारकों को कंपनी द्वारा हाल में घोषित किए गए 0.03 ऑस्ट्रेलियाई डॉलर प्रति शेयर का लाभांश भी दिया जाएगा। एचसीएल टेक्नालॉजीज ने बताया कि डीडब्ल्यूएस के अधिग्रहण से ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड में हो रही डिजिटल पहल में कंपनी का योगदान उल्लेखनीय रूप से बढ़ेगा और प्रमुख उद्योगों में एचसीएल का ग्राहक आधार मजबूत होगा। कंपनी ने बताया कि सौदे के लिए अभी नियामक मंजूरियां ली जानी बाकी हैं। उम्मीद जताई जा रही है कि नियामक मंजूरियां मिलने के बाद दिसंबर 2020 तक अधिग्रहण की प्रक्रिया पूरी हो जाएगी। डीडब्ल्यूएस में 700 से अधिक कर्मचारी हैं और मेलबर्न, सिडनी, एडिलेड, ब्रिसबेन और कैनबरा में इसके कार्यालय हैं। कंपनी की आय वित्त वर्ष 2020 में 16.79 करोड़ ऑस्ट्रेलियाई डॉलर थी।

## सेंसेक्स 812 अंक लुढ़का, निफ्टी 11,300 के नीचे आया

**मुंबई।** वैश्विक स्तर पर बिकवाली के बीच घरेलू शेयर बाजार में बंबई शेयर बाजार (बीएसई) सेंसेक्स सोमवार को 812 अंक लुढ़क गया। रिलायंस इंडस्ट्रीज, आईसीआईसीआई बैंक और भारती एयरटेल की

अगुवाई में यह गिरावट आई। तीस शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 811.68 अंक यानी 2.09 प्रतिशत की गिरावट के साथ 38,034.14 अंक पर बंद हुआ। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी भी 254.40 अंक यानी 2.21 प्रतिशत का गोता लगाकर 11,250.55 अंक पर बंद हुआ। सेंसेक्स के शेयरों में सर्वाधिक नुकसान इंडसइंड बैंक को हुआ। इसमें 8 प्रतिशत से अधिक की गिरावट आई। इसके अलावा जिन अन्य प्रमुख शेयरों में गिरावट आई, उनमें भारती एयरटेल, टाटा स्टील, आईसीआईसीआई बैंक, महिंद्रा एंड महिंद्रा, मारुति, एक्सिस बैंक और ओएनजीसी शामिल हैं। दूसरी तरफ कोटक बैंक, इन्फोसिस और टीसीएस लाभ में रहने वाले शेयरों में शामिल हैं। कारोबारियों के अनुसार यूरोप में कोविड-19 के बढ़ते मामलों को लेकर चिंता के बीच दुनिया के प्रमुख शेयर बाजारों में अचानक से हुई बिकवाली का असर घरेलू शेयर बाजारों पर पड़ा। वैश्विक स्तर पर एशिया के अन्य बाजारों में चीन का शंघाई, हांगकांग और दक्षिण कोरिया के सोल में उल्लेखनीय गिरावट रही। यूरोप के प्रमुख बाजारों में भी शुरुआती कारोबार में भारी बिकवाली रही और तीन प्रतिशत तक गिरावट आई। इस बीच, वैश्विक तेल मानक ब्रेंट क्रूड 2.04 प्रतिशत गिरकर 42.27 डॉलर प्रति बैरल पर करोबार कर रहा था। इधर, विदेशी विनिमय बाजार में अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपया 7 पैसे मजबूत होकर 73.38 पर बंद हुआ।

## ब्रिटेन चिकित्सा सलाहकार: कोविड के मामले बेतहाशा बढ़ सकते हैं

**लंदन।** ब्रिटेन के शीर्ष चिकित्सा सलाहकार ने कहा है कि कोविड-19 के मामलों के लिहाज से देश बहुत खराब मुकाम पर पहुंच चुका है और ऐसे संकेत हैं कि समय रहते कदम नहीं उठाए गए तो बीमारी बेतहाशा बढ़ सकती है। मुख्य चिकित्सा अधिकारी क्रिस विट्टी ने सोमवार को लोगों को बताया कि बीमारी की दर गलत दिशा में जा रही है और उम्मीद है कि सरकार महामारी पर नियंत्रण के लिए नए कदमों की घोषणा की तैयारी कर रही है। उन्होंने कहा कि हफ्तों से संक्रमण दर में बढ़ोतरी के बाद हम बेहद बुरे मायनों में एक अहम पड़ाव पर पहुंच गए हैं। प्रधानमंत्री बोरिस जॉनसन ने सप्ताहांत मंत्रियों के साथ चर्चा की कि संक्रमण के बढ़ते मामलों पर सरकार कैसे प्रतिक्रिया दे, जो एक बार फिर मई की संक्रमण दर के स्तर पर पहुंच रहे हैं। इस हफ्ते सरकार द्वारा कुछ अल्पकालिक पाबंदियों की घोषणा किए जाने की उम्मीद है जो इस बीमारी की गति को रोकने के लिए सर्किट ब्रेकर के तौर पर काम करेंगे।

## सुप्रीम कोर्ट ने एनएलएसआईयू, बेंगलुरु की प्रवेश परीक्षा एनएलएटी-2020 रद्द की

**पांच वर्षीय एकीकृत बीए एलएलबी (आनर्स) में प्रवेश को हुई थी परीक्षा**

**याचिका में विवि के प्रवेश परीक्षा कराने को पूरी तरह बताया गया मनमाना**

**नई दिल्ली।** उच्चतम न्यायालय ने सोमवार को एनएलएसआईयू, बेंगलुरु की अलग प्रवेश परीक्षा के लिए अधिसूचना रद्द कर दी। नेशनल लॉ एप्टीट्यूड टेस्ट-2020 का आयोजन एनएलएसआईयू, बेंगलुरु के पांच वर्षीय एकीकृत बीए एलएलबी (आनर्स) पाठ्यक्रम में प्रवेश के लिए 12 सितम्बर को हुआ था। शीर्ष अदालत ने एनएलएटी-2020 प्रवेश परीक्षा रद्द करते हुए यह भी निर्देश दिया कि सभी 22 राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालयों (एनएलयू) में प्रवेश सीएलएटी-2020 के तहत हो, जिसका आयोजन 28 सितम्बर को होना निर्धारित है।

न्यायमूर्ति अशोक भूषण की अध्यक्षता वाली पीठ ने यह आदेश नेशनल लॉ स्कूल ऑफ इंडिया यूनिवर्सिटी (एनएलएसआईयू), बेंगलुरू के पूर्व कुलपति एवं एक अभ्यर्थी के अभिभावक प्रोफेसर आर वेंकट राव की ओर से दायर उस याचिका पर दिया, जिसमें उन्होंने एनएलएटी-2020 को चुनौती दी थी।

पीठ में न्यायमूर्ति आर एस रेड्डी और न्यायमूर्ति एम आर शाह भी शामिल थे। पीठ ने कहा कि एनएलयू को अपना शैक्षणिक सत्र अक्टूबर के मध्य तक शुरू करना चाहिए। प्रवेश परीक्षा है। बेंगलुरु का नेशनल लॉ स्कूल आफ इंडिया यूनिवर्सिटी (एनएलएसआईयू) इनमें से एक है। 17 सितम्बर को शीर्ष अदालत ने एनएलएटी-2020 अधिसूचना रद्द करने के अनुरोध वाली याचिका पर अपना फैसला सुरक्षित रख लिया था। याचिका में पांच साल के बीए, एलएलबी (ऑनर्स) पाठ्यक्रम 2020-21 में प्रवेश के लिए जारी चार सितंबर की अधिसूचना रद्द करने का अनुरोध किया गया है।

न्यायालय ने 11 सितंबर को इस मामले की सुनवाई करते हुए एनएलएसआईयू, बेंगलुरु को 12 सितंबर को अलग से प्रवेश परीक्षा के आयोजन की अनुमति प्रदान कर दी थी, लेकिन उसे इस याचिका के लंबित होने के दौरान परीक्षा के नतीजे घोषित करने और किसी भी छात्र को प्रवेश देने से रोक दिया था। पीठ ने कहा था कि यह महत्वपूर्ण मामला है जिस पर फैसले की जरूरत है। साथ ही पीठ ने एनएलएसआईयू और इसके कुलपति प्रो सुधीर कृष्णास्वामी को नोटिस जारी करके उनसे जवाब मांगा था। याचिका में इस विश्वविद्यालय में प्रवेश परीक्षा अलग से कराने को पूरी तरह मनमाना और गैरकानूनी बताया गया था। याचिका में दावा किया गया था कि एनएलएसयूआई की इस कार्रवाई ने एक अप्रत्याशित अनिश्चितता पैदा कर दी है और छात्रों पर भी अनावश्यक बोझ डाल दिया है, जो अब भावी कार्यक्रम को लेकर अनिश्चय की स्थिति में हैं। अधिसूचना में कहा गया था कि एनएलएसआईयू शैक्षणिक वर्ष 2020-2021 में प्रवेश के लिए सीएलएटी-2020 के स्कोर स्वीकार नहीं करेगा और एनएलएटी परीक्षा ऑनलाइन आयोजित की जाएगी।

### कृषि सुधार 21वीं सदी के भारत की जरूरत

## किसानों को आत्मनिर्भर बनाने के प्रयास जारी रहेंगे : मोदी

**प्रधानमंत्री ने कानूनों को ऐतिहासिक करार देते हुए आश्वस्त किया कि इससे न तो न्यूनतम समर्थन मूल्य और न ही कृषि मंडियां समाप्त होंगी**

**नई दिल्ली।** प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को संसद से पारित कृषि सुधारों से संबंधित विधेयकों को ऐतिहासिक करार देते हुए सोमवार को कहा कि ये सुधार 21 वीं सदी के भारत की जरूरत हैं। इससे किसानों का भविष्य उज्ज्वल होगा। उन्होंने किसानों को आश्वस्त किया कि इससे तो न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) और न ही कृषि मंडियां समाप्त होंगी बल्कि इससे किसानों के हितों की रक्षा होगी।

प्रधानमंत्री ने वीडियो कांफ्रेंस के माध्यम से बिहार में 14,258 करोड़ रुपये की लागत से तैयार होने वाली नौ राजमार्ग परियोजनाओं और राज्य के सभी 45,945 गांवों को इंटरनेट से जोड़ने के लिए ऑप्टिकल फाइबर इंटरनेट सेवाओं उद्घाटन करने के बाद अपने संबोधन में विपक्षी दलों खासकर कांग्रेस पर किसानों को गुमराह करने का आरोप लगाया। कहा कि देश के किसानों को आत्मनिर्भर बनाने के लिए उनकी सरकार के प्रयास निरंतर जारी रहेंगे।

उल्लेखनीय है कि कृषि क्षेत्र से जुड़े दो महत्वपूर्ण विधेयकों कृषि उपज व्यापार और वाणिज्य (संवर्धन और सुविधा) विधेयक-2020 और कृषक (सशक्तिकरण एवं संरक्षण) कीमत आश्वासन समझौता और कृषि सेवा पर करार विधेयक-2020 को रविवार को राज्यसभा ने ध्वनिमत मंजूरी दे दी। ये विधेयक लोकसभा से पहले ही पारित हो चुके हैं। इस प्रकार इन विधेयकों को संसद की मंजूरी मिल गई है, जिन्हें अब राष्ट्रपति के पास हस्ताक्षर के लिए भेजा जाएगा और राष्ट्रपति की मंजूरी मिल जाने पर इन्हें अधिसूचित कर दिया जाएगा।

मोदी ने कहा, कल देश की संसद ने किसानों को अधिकार देने वाले बहुत ही ऐतिहासिक कानूनों को पारित किया है। इसके लिए मैं देश के किसानों को और भारत के उज्ज्वल भविष्य के लिए आशावादी लोगों को भी बहुत-बहुत बधाई देता हूं। यह सुधार 21 वीं सदी के भारत की जरूरत है। उन्होंने कहा कि देश में अब तक उपज और बिक्री की जो व्यवस्था चली आ रही थी, जो कानून थे, उसने किसानों के हाथ-पांव बांधे हुए थे। इन कानूनों की आड़ में देश में ऐसे ताकतवर गिरोह पैदा हुए थे, जो किसानों की मजबूरी का फायदा उठा रहे थे।

उन्होंने कहा, आखिर यह कब तक चलता रहता। इसलिए इस व्यवस्था में बदलाव करना आवश्यक था। यह बदलाव हमारी सरकार ने कर के दिखाया है। मोदी ने कहा कि नए कृषि सुधारों ने देश के हर किसान को आजादी दी है कि वह किसी को भी, कहीं पर भी अपनी फसल, अपने फल व सब्जियां, अपनी शर्तों पर बेच सकता है। अब उसे अपने क्षेत्र की मंडी के अलावा भी कई और विकल्प मिल गए हैं। अब उसे अगर मंडी में ज्यादा लाभ मिलेगा तो वह मंडी में अपनी फसल बेचेगा, मंडी के अलावा कहीं और से ज्यादा लाभ मिलता है तो वहां जाकर बेचेगा।

उन्होंने कहा कि किसानों को मिली इस आजादी के कई लाभ दिखाई देने शुरू भी हो गए हैं। ऐसे प्रदेश जहां पर आलू बहुत होता है, वहां से जानकारी आ रही है कि जून-जुलाई के दौरान थोक खरीदारों ने किसानों को अधिक भाव देकर सीधे कोल्ड स्टोरेज से ही आलू खरीद लिया। उन्होंने कहा, मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश, छत्तीसगढ़, पश्चिम बंगाल जैसे राज्यों में में जहां दालें बहुत होती हैं, इनमें पिछले साल की तुलना में 15 से 25 फीसद तक ज्यादा दाम सीधे किसानों को मिले हैं।

मोदी ने कहा कि अब कृषि मंडियों के भविष्य को लेकर सवाल उठाए जा रहे हैं। लेकिन मैं यहां स्पष्ट कर देना चाहता हूं। कृषि मंडी में पहले काम जैसे होता था, अब भी वैसे ही होगा। बल्कि यह हमारी ही एनडीए सरकार है जिसने देश की कृषि मंडियों को आधुनिक बनाने के लिए, निरंतर काम किया है। कांग्रेस को निशाने पर लेते हुए प्रधानमंत्री ने आरोप लगाया कि कृषि क्षेत्र में इतने बड़े व्यवस्था परिवर्तन के बाद कुछ लोगों को अपने हाथ से नियंत्रण जाता हुआ दिखाई दे रहा है इसलिए, यह लोग अब एमएसपी पर किसानों को गुमराह करने में जुटे हुए हैं। ए वही लोग हैं जो बरसों तक एमएसपी पर स्वामीनाथन आयोग की सिफारिशों को अपने पैरों के नीचे दबा कर बैठे रहे। उन्होंने कहा, मैं देश के प्रत्येक किसान को इस बात का भरोसा देता हूं कि एमएसपी की व्यवस्था जैसे पहले चलती आ रही थी वैसे ही चलते रहने वाली है।

## शीर्ष अदालत ने पूर्व मंत्री प्रजापति के जमानत आदेश पर लगाई रोक

**नई दिल्ली।** उच्चतम न्यायालय ने सामूहिक बलात्कार के मामले में गिरफ्तार उत्तर प्रदेश के पूर्व मंत्री गायत्री प्रजापति को इलाज के लिए दो महीने की अंतरिम जमानत देने के इलाहाबाद उच्च न्यायालय के आदेश पर सोमवार को रोक लगा दी।

उच्च न्यायालय की लखनऊपीठ ने तीन सितंबर को प्रजापति को अंतरिम जमानत दी थी। प्रजापति उत्तर प्रदेश में समाजवादी पार्टी की सरकार में मंत्री थे। उच्च न्यायालय से जमानत के बावजूद प्रजापति धोखाधड़ी के एक नए मामले की वजह से जेल में ही थे।

न्यायमूर्ति अशोक भूषण, न्यायमूर्ति आर सुभाष रेड्डी और न्यायमूर्ति एम आर शाह की पीठ ने उत्तर प्रदेश सरकार के कथन का संज्ञान लिया और प्रजापति की जमानत के आदेश पर रोक लगा दी। पीठ ने इसके साथ ही आरोपी प्रजापति से अपील पर जवाब मांगा है। राज्य सरकार ने अपनी अपील में कहा है कि उच्च न्यायालय ने पॉक्सो मामले में आरोपी को गलत तरीके से मेडिकल आधार पर दो महीने की जमानत प्रदन कर दी लेकिन इस तथ्य को नजरअंदाज किया कि आरोपी का लगातार प्रतिष्ठित केजीएमसी और संजय गांधी पीजीआई में इलाज चल रहा था। यही नहीं, आरोपी की मुख्य जमानत याचिका 28 सितंबर के लिए सूचीबद्ध थी। राज्य सरकार ने कहा कि आरोपी पूर्ववर्ती सरकार में महत्वपूर्ण मंत्री था और सत्ता के गलियारे में उसका काफी प्रभाव है।

अपील में कहा गया है कि आरोपी की राजनीतिक हैसियत का अनुमान इसी तथ्य से लगाया जा सकता है कि उसके खिलाफ उच्चतम न्यायालय के हस्तक्षेप के बाद ही प्राथमिकी दर्ज की जा सकी थी। उच्च न्यायालय ने आरोपी को जमानत देते हुए कहा था कि पूर्व मंत्री को कोविड-19 से वास्तव में खतरा है और डाक्टरों ने उन्हें सुपर स्पेशियलिटी अस्पताल में उपचार कराने की सलाह दी है, क्योंकि वह कई बीमारियों से ग्रस्त है। प्रजापति 15 मार्च 2017 से जेल में हैं और इस समय तमाम बीमारियों के लिए केजी मेडिकल कॉलेज में उनका इलाज चल रहा है। प्रजापति और अन्य पर एक महिला से बलात्कार करने और उसकी नाबालिग बेटी का लज्जा भंग करने का प्रयास करने का आरोप है। इस मामले में गौतमपल्ली थाने में 2017 में बलात्कार का मामला दर्ज किया गया था। इस मामले में बाद में 15 मार्च, 2017 को प्रजापति को गिरफ्तार किया गया था।

## केन्द्रीय सशस्त्र बलों में करीब एक लाख रिक्तियां : सरकार

**नई दिल्ली।** बीएसएफ और सीआरपीएफ जैसे केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों (सीएपीएफ) में एक लाख से अधिक पद रिक्त पड़े हुए हैं। ज्यादातर पद सेवानिवृत्ति, त्यागपत्र और मृत्यु के कारण खाली हुए हैं। सरकार ने सोमवार को ये जानकारी दी।

केंद्रीय गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय ने कहा कि सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) में सबसे अधिक रिक्तियां (28,926) हैं, इसके बाद केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) में (26,506), केन्द्रीय औद्योगिकी सुरक्षा बल (सीआईएसएफ) में (23906), सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी) में (18,643), भारत तिब्बत सीमा पुलिस आईटीबीपी में (5,784) और असम राइफल्स में (7328) पद रिक्त हैं। उन्होंने एक प्रश्न के लिखित उत्तर में कहा, सीएपीएफ और असम राइफल्स में रिक्तियां सेवानिवृत्ति, इस्तीफे, मृत्यु, नए इकाई के बनाने, नए पदों के सृजन, कैडर समीक्षा आदि के कारण उत्पन्न होती हैं।

मंत्री ने कहा कि सरकार ने सीएपीएफ में रिक्त पदों को भरने के लिए त्वरित कदम उठाए हैं, जो एक सतत प्रक्रिया है। उन्होंने कहा कि मौजूदा समय में, कांस्टेबल के 60,210 पदों के लिए भर्ती की प्रक्रिया, कर्मचारी चयन आयोग के माध्यम से उप-निरीक्षकों के 2,534 पद और संघ लोक सेवा आयोग के माध्यम से सहायक कमांडेंट के 330 पदों पर भर्ती की प्रक्रिया चल रही है।

## मप्र विधानसभा में प्रणब, लालजी को दी गई श्रद्धांजलि

**भोपाल।** मध्य प्रदेश विधानसभा के एक दिवसीय सत्र में सोमवार को हाल ही दिवंगत हुए पूर्व राष्ट्रपति प्रणब मुखर्जी, मध्यप्रदेश के पूर्व राज्यपाल लालजी टंडन एवं अन्य नेताओं को श्रद्धांजलि दी गई।

विधानसभा का सत्र शुरू होते ही मध्य प्रदेश विधानसभा के अस्थाई अध्यक्ष (प्रोटेम स्पीकर) रामेश्वर शर्मा ने मुखर्जी, टंडन, छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्यमंत्री अजीत जोगी, पूर्व केन्द्रीय मंत्री हंसराज भारद्वाज, मध्यप्रदेश विधानसभा के सदस्यगण मनोहर ऊं टवाल एवं गोवर्धन दांगी और प्रदेश विधानसभा के पूर्व उपाध्यक्ष हजारीलाल रघुवंशी सहित 21 दिवंगत नेताओं के निधन का उल्लेख किया।

## मनसे नेताओं ने प्रतिबंध के खिलाफ लोकल ट्रेनों में यात्रा की

**मुंबई।** महाराष्ट्र नव निर्माण सेना (मनसे) के नेताओं ने पाबंदियों को तोड़ते हुए सोमवार को लोकल ट्रेनों में सफर किया और आम लोगों के लिए भी ट्रेन सेवा शुरू करने की मांग की। ये लोकल ट्रेन सेवाएं फिलहाल सिर्फ जरूरी सेवाओं से जुड़े कर्मियों के लिए उपलब्ध है।

राज ठाकरे नीत पार्टी लगातार मांग करती रही है कि मुंबई और उपनगरों में लोकल ट्रेन सेवाएं आम लोगों के लिए भी बहाल की जाएं और उसने इसके लिए सविनय कायदेभंग (सविनय अवज्ञा) शुरू किया है। कोविड-19 महामारी के कारण उपनगरीय ट्रेनों में फिलहाल आम लोगों को सफर की इजाजत नहीं है। मनसे के महासचिव संदीप देशपांडे ने एक वीडियो संदेश में कहा कि महाराष्ट्र सरकार ने कार्य स्थलों तक जाने के लिए आम लोगों को राज्य परिवहन की बसों में यात्रा करने की इजाजत दे दी है, लेकिन लोकल ट्रेनों में सफर करने की अनुमति नहीं दी है, जो हास्यास्पद है। उन्होंने कहा, हमने कई बार सरकार से आग्रह किया है कि आम लोगों को लोकल ट्रेनों में यात्रा करने की अनुमति दी जाए, क्योंकि राज्य परिवहन की बसों में सफर के दौरान उन्हें परेशानी का सामना करना पड़ता है और अधिक समय भी लगता है।

वीडियो क्लिप में देशपांडे को पार्टी के कुछ नेताओं के साथ लोकल ट्रेन में यात्रा करते हुए देखा जा सकता है। देशपांडे ने कहा कि सरकार को लगता है कि कोरोना वायरस बसों में नहीं फैलता, लेकिन लोकल ट्रेनों में फैलता है।

## हेलीकॉप्टर घोटाला: अदालत आरोप पत्र का संज्ञान लेने पर 25 को करेगी फैसला

**विशेष न्यायाधीश अरविंद कार ने 25 सितंबर तक अपना फैसला सुरक्षित रखा**

**नई दिल्ली।** दिल्ली की एक अदालत ने ब्रिटिश नागरिक क्रिश्चियन मिशेल जेम्स और कारोबारी राजीव सक्सेना के खिलाफ अगस्ता वेस्टलैंड हेलीकॉप्टर घोटाले में दायर पूरक आरोप पत्र का संज्ञान लिया जाए या नहीं, इस पर अपना फैसला सुरक्षित रख लिया है।

विशेष न्यायाधीश अरविंद कुमार ने 25 सितंबर तक अपना फैसला सुरक्षित रख लिया। इससे पहले सीबीआई की ओर से पेश हुए लोक अभियोजक ने दलील दी कि मामले में दोनों कथित बिचौलियों और 13 अन्य के खिलाफ अभियोग चलाने के लिए पर्याप्त सामग्री है। सूत्रों के मुताबिक, शुक्रवार को दायर जांच रिपोर्ट में, राजनीतिक नेताओं, नौकरशाहों तथा भारतीय वायुसेना के अधिकारियों की कथित भूमिका के बारे में विस्तार से बताया गया है।

सूत्रों ने बताया कि एजेंसी ने इस साल की शुरुआत में पूर्व रक्षा सचिव शशिकांत शर्मा पर मुकदमा चलाने के लिए संबंधित प्राधिकारों से अनुमति मांगी थी, लेकिन अब तक अनुमति नहीं मिलने के कारण उनका नाम आरोपी के तौर पर शामिल नहीं किया गया है। एजेंसी ने अदालत को बताया कि वह मामले में बाद में एक और पूरक आरोपपत्र दाखिल कर सकती है। मामले में सितंबर 2017 में दाखिल पहले आरोपपत्र में पूर्व वायु सेना प्रमुख एसपी त्यागी तथा अन्य को नामजद किया गया था। एजेंसी ने पहले अदालत को बताया था कि जांच के दौरान इटली और स्विट्जरलैंड से वायुसेनाारक्षा मंत्रालय के खुफिया सरकारी दस्तावेजों की प्रतियां और अन्य दस्तावेज मिले हैं जो एक लाख पन्नों से ज्यादा के हैं।

एजेंसी ने यह भी बताया था कि मिशेल के पास से एक भुगतान शीट भी बरामद हुई है, जो दिखाती है कि वीवीआईपी हेलीकॉप्टर सौदे के लिए वायुसेना, रक्षा मंत्रालय के अधिकारियों, नौकरशाहों, राजनीतिक नेताओं और भारत में परिवार को तीन करोड़ यूरो की रिश्वत दी गई या दी जानी थी।

## किसानों की आत्महत्या के विवरण नहीं दे रहे कई राज्य और केन्द्र शासित प्रदेश: केंद्र

**नई दिल्ली।** केंद्र सरकार ने सोमवार को कहा कि कई राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों ने किसान आत्महत्याओं का ब्यौरा नहीं दिया है। इसलिए, कृषि क्षेत्र में आत्महत्या के कारणों संबंधी राष्ट्रीय आंकड़ा अपुष्ट है। इसे प्रकाशित नहीं किया जा सकता है।

केंद्रीय गृह राज्य मंत्री जी किशन रेड्डी ने राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो (एनसीआरबी) के आंकड़ों का जिक्र करते हुए सदन को सूचित किया कि कई राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों ने विभिन्न प्रकार से पुष्टि किए जाने के बाद किसानों, उत्पादकों एवं खेतिहर मजदूरों द्वारा आत्महत्या का शून्य आंकड़ा होने की बात कही है, जबकि अन्य पेशों में कार्यरत लोगों द्वारा आत्महत्या की घटनाओं की सूचना मिली है। उन्होंने एक प्रश्न के लिखित उत्तर में बताया कि इस कमी के कारण, कृषि क्षेत्र में आत्महत्या के कारणों के बारे में कोई राष्ट्रीय आंकड़ा पुष्ट नहीं है और इसे अलग से प्रकाशित नहीं किया गया। आकस्मिक मृत्यु और आत्महत्याओं के नवीनतम राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो (एनसीआरबी) के आंकड़ों के अनुसार, वर्ष 2019 में 10,281 किसानों ने किसानों ने आत्महत्या की जबकि वर्ष 2018 में अपनी जान देने वाले किसानों की संख्या 10,357 थी।

## संक्षिप्त समाचार

### कफील खान ने दिल्ली में प्रियंका गांधी से मुलाकात की

**नई दिल्ली।** जेल से रिहा होने के कुछ दिन बाद डॉक्टर कफील खान ने सोमवार को यहां कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा से मुलाकात की। राष्ट्रीय सुरक्षा कानून (एनएसए) के तहत हिरासत में लिए गए खान को इलाहाबाद उच्च न्यायालय के आदेश पर हाल ही में मथुरा जेल से रिहा किया गया था। माना जाता है कि बैठक के दौरान, खान ने हिरासत के दौरान और बाद में कांग्रेस द्वारा की गई सहायता तथा समर्थन के लिए प्रियंका गांधी को धन्यवाद दिया। खान की पत्नी और बच्चे भी प्रियंका गांधी से मिले। बैठक के दौरान उत्तर प्रदेश कांग्रेस के प्रमुख अजय कुमार लल्लू और पार्टी के राज्य अल्पसंख्यक प्रकोष्ठ के प्रमुख शाहनवाज आलम भी उपस्थित रहे। वर्ष 2017 में सरकारी अस्पताल में ऑक्सीजन सिलेंडरों की कथित कमी के कारण कई बच्चों की मृत्यु के बाद खान को गोरखपुर के बीआरडी मेडिकल कॉलेज से निलंबित कर दिया गया था। बाद में एक विभागीय जांच में खान को अधिकतर आरोपों से मुक्त कर दिया गया था, लेकिन संशोधित नागरिकता कानून को लेकर अलीगढ़ में कथित भड़काऊ भाषण ने उन्हें मुसीबत में डाल दिया। उन्हें एनएसए के तहत हिरासत में लिया गया था, जिसे इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने इस महीने की शुरुआत में अवैध करार दिया था।

### मंत्री के खिलाफ प्रदर्शन पर 3,000 लोगों के खिलाफ मुकदमे

**तिरुवनंतपुरम।** सोने की तस्करी के मामले में केंद्रीय एजेंसियों द्वारा पूछताछ के बाद केरल के मंत्री के टी जलील के इस्तीफे की मांग को ले कर विपक्षी दलों के संगठनों के हिंसक विरोध प्रदर्शनों के सिलसिले में पुलिस ने 3,000 लोगों के खिलाफ मामले दर्ज किए हैं। अब तक कम से कम 100 लोगों को गिरफ्तार किया है। एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि छावनी पुलिस ने युवा कांग्रेस, भाजपा, युवा मोर्चा, महिला मोर्चा और केरल छात्र संघ के कार्यकर्ताओं के खिलाफ गैरकानूनी सभा करने, सड़कों को अवरुद्ध करने और कोविड-19 प्रोटोकॉल का उल्लंघन करने के सिलसिले में मामले दर्ज किए। विपक्षी दल और उनके युवा मोर्चे प्रवर्तन निदेशालय और एनआईए के अधिकारियों के सामने जलील के पेश होने के बाद इस महीने की शुरुआत से इसको लेकर काफी आक्रामक रहे हैं। राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) सोने की तस्करी मामले की आतंकी कड़ी की जांच कर रही है। विपक्षी दलों का आरोप है कि कुरान की आड़ में सोने की तस्करी की जाती थी।

### पश्चिमी दिल्ली में सेवानिवृत नौसेना अधिकारी की हत्या

**नई दिल्ली।** पश्चिमी दिल्ली के द्वारका इलाके में नौसेना के 55 साल के एक सेवानिवृत्त अधिकारी की कथित तौर पर एक व्यक्ति ने गोली मार कर हत्या कर दी है। पुलिस ने बताया कि घटना रविवार रात द्वारका के सेक्टर 23 में हुई। मृतक की पहचान नौसेना के सेवानिवृत्त कर्मी बलराज देशवाल के तौर पर हुई है। पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि आरोपी प्रदीप खोकर ने इमारत के बाहर अपनी कार खड़ी की और भू-तल पर बने पार्किंग एरिया में गया जहां देशवाल अपने दोस्तों के साथ बैठे थे। पुलिस उपायुक्त (द्वारका) संतोष कुमार मीणा ने कहा, खोकर ने देशवाल के साथ बहस करनी शुरू कर दी और बाद में उन पर गोली चला दी। पुलिस ने बताया कि गोली देशवाल के मुंह में लगी और अस्पताल ले जाने पर डॉक्टरों ने उन्हें मृत लाया घोषित कर दिया। पुलिस ने बताया कि देशवाल रियल स्टेट का काम करते थे और आरोपी को उन्होंने पांच लाख रुपए देने थे। डीसीपी ने बताया कि खोकर फरार है और पुलिस उसकी तलाश में जुटी है।

### तबलीगी जमात कार्यक्रम से कोविड-19 संक्रमण फैला

**नई दिल्ली।** केंद्रीय गृह मंत्रालय ने सोमवार को कहा कि दिल्ली के निजामुद्दीन क्षेत्र में मार्च के दौरान तबलीगी जमात के कार्यक्रम में हुए लोगों के एकत्रित होने के कारण कोरोना वायरस संक्रमण कई व्यक्तियों तक फैल गया। केंद्रीय गृह राज्य मंत्री जी किशन रेड्डी ने राज्यसभा में यह भी कहा कि दिल्ली पुलिस ने तबलीगी जमात के 233 सदस्यों को गिरफ्तार किया तथा 29 मार्च से संगठन के मुख्यालय से 2,361 लोगों को निकाला गया है। उन्होंने एक प्रश्न के लिखित उत्तर में कहा, हालांकि, जमात प्रमुख मौलाना मोहम्मद साद के बारे में जांच चल रही है। दिल्ली पुलिस की रिपोर्ट के अनुसार, कोविड-19 के प्रकोप के संबंध में विभिन्न प्राधिकरणों द्वारा जारी दिशा-निर्देशों और आदेशों के बावजूद, एक बंद परिसर के अंदर एक बहुत बड़ी सभा हुई जिसमें मास्क पहनने तथा संक्रमण मुक्त करने के नियमों का पालन नहीं हुआ तथा सामाजिक दूरी रखने के प्रावधानों को नजरअंदाज किया गया। मंत्री ने कहा, इससे कई व्यक्तियों में कोरोना वायरस संक्रमण फैल गया।

### 2013 आपदा : केदारनाथ क्षेत्र में मिले चार नर-कंकाल

**देहरादून।** उत्तराखंड में 2013 की केदारनाथ आपदा के दौरान लापता लोगों का पता लगाने के लिए छेड़े गए खोजबीन अभियान के दौरान चार नरकंकाल मिले हैं। 2013 में 16 जून की रात्रि और 17 जून की सुबह केदारनाथ क्षेत्र में आई भीषण आपदा व जलप्रलय में बहुत लोग लापता हो गए थे। लापता लोगों की उसी समय और उसके बाद भी समयसमय पर खोज की जाती रही है। आपदा के दौरान लापता लोगों के कंकाल या अस्थि अवशेषों की खोजबीन के लिए इस वर्ष भी रूद्रप्रयाग जिले में 10 टीमों का गठन किया गया जिन्होंने अलग-अलग मार्गों (ट्रैक्स) पर जाकर 16 सितंबर से 20 सितंबर तक सघन अभियान चलाया। इस अभियान के पर्यवेक्षक एवं रूद्रप्रयाग के पुलिस अधीक्षक नवनीत सिंह ने बताया कि केदारनाथ से गरुड़चट्टी होते हुए गोमुखड़ा, तोषी, त्रिजुगीनारायण से सोनप्रयाग की ओर गई टीम को गोमुखड़ा से नीचे गौरी माई खर्क के आसपास के क्षेत्र में खोजबीन के दौरान रविवार को चार कंकाल या अस्थि-अवशेष मिले। उन्होंने बताया कि नर कंकालों को उपलब्ध कराए गए बॉडी बैग में रखते हुए सोनप्रयाग लाया गया जहां विधिवत पंचायतनामा भरे जाने तथा डीएनए नमूने लेने कार्यवाही की गई।

### कृषि विधेयक के खिलाफ दिल्ली कांग्रेस नेताओं का प्रदर्शन

**नई दिल्ली।** कांग्रेस की दिल्ली इकाई के नेताओं और कार्यकर्ताओं ने कृषि विधेयक के खिलाफ सोमवार को संसद की ओर मार्च किया। पुलिस ने रास्ते में ही उन्हें हिरासत में ले लिया। विपक्ष के भारी हंगामे के बीच कृषि उपज व्यापार और वाणिज्य (संवर्धन और सुविधा) विधेयक-2020 और कृषक (सशक्तिकरण एवं संरक्षण) कीमत आश्वासन समझौता और कृषि सेवा पर करार विधेयक-2020 रविवार को राज्यसभा में पारित हो गए थे। पार्टी ने बताया कि दिल्ली कांग्रेस के अध्यक्ष अनिल कुमार मार्च का नेतृत्व कर रहे थे। पुलिस ने उन्हें आर. पी. रोड पर ही हिरासत में ले लिया। दिल्ली कांग्रेस नेता प्रवेज आलम ने बताया कि प्रदर्शनकारियों को मंदिर मार्ग पुलिस थाने ले जाया गया है।

### रासुका के तहत 2017 एवं 2018 में 1200 लोग हिरासत में

**नई दिल्ली।** सरकार ने बताया कि देश में वर्ष 2017 और 2018 के दौरान पुलिस द्वारा सख्त राष्ट्रीय सुरक्षा कानून (रासुका) के तहत करीब 1200 लोगों को हिरासत में लिया गया था। जिनमें से 563 अभी तक हिरासत में हैं। केंद्रीय मंत्री गृह राज्य मंत्री जी किशन रेड्डी ने सोमवार को यह जानकारी दी। उन्होंने ने उच्च सदन में एक प्रश्न के लिखित उत्तर में कहा कि राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो (एनसीआरबी) की वर्ष 2018 की नवीनतम प्रकाशित रिपोर्ट के अनुसार, सभी राज्यों में से मध्य प्रदेश में वर्ष 2017 और वर्ष 2018 में रासुका के तहत सबसे अधिक लोगों को हिरासत में लिया गया। उसके बाद उत्तर प्रदेश का स्थान आता है।

### दो किशोरियों के शव संदिग्ध परिस्थितियों में लटके मिले

**बहराइच (उप्र)।** उत्तर प्रदेश के बहराइच जिले के थाना रामगांव अंतर्गत लोनियनपुरवा गांव में दो किशोरियों के शव संदिग्ध परिस्थितियों में एक पेड़ से लटके मिले। यह जानकारी पुलिस ने सोमवार को दी। पुलिस के अनुसार दोनों किशोरियों के परिवारों के बीच संबंध अच्छे नहीं थे लेकिन 17 और 15 वर्षीय दोनों किशोरियां सहेली थीं। अपर पुलिस अधीक्षक (ग्रामीण) अशोक कुमार ने बताया कि दोनों किशोरियां रविवार सुबह यह कहकर अपने घरों से निकलीं कि वे खेतों में काम करने जा रही हैं। बाद में उनके शव गांव रामगांव अंतर्गत लोनियनपुरवा गांव में एक पेड़ से लटके मिले। एसपी ने बताया कि प्रथम दृष्टया यह आत्महत्या का ही मामला लग रहा है।

# ‘आजकल सोशल मीडिया हर चीज को प्रभावित करता है’

**टॉक टाइम**

**उन्हें उनके त्वरित हास्य के लिए जाना जाता है और ‘माई नेम इज़ खान, शिरीन फरहाद की तो निकल पड़ी एवं किक जैसी फिल्मों में उनके अभिनय के लिए जाना जाता है। पायनियर संवाददाता शालिनी सक्सेना के साथ एक बातचीत में उन्होंने एक वेब सीरीज़ ‘लेश’ में नकारात्मक चरित्र निभाने का कारण, उनके भावी प्रोजेक्ट्स सहित अन्य बातों पर विस्तार से अपने विचार रखे। प्रस्तुत है प्रमुख अंश–**

**● आप वेब सीरीज़ ‘लेश’ का हिस्सा किस प्रकार बने?**

इस वेब सीरीज़ के कास्टिंग निर्देशक ने मुझसे संपर्क किया, क्योंकि वो मेरे मित्र भी हैं। इसमें मेरा चरित्र मेरे अब तक किये गए चरित्रों से पूर्णतया भिन्न है। उन्होंने मेरे बारे में सोचा और देखना चाहते थे कि क्या मैं चरित्र के लिए उपयुक्त हूं। मैं ये जानकर अत्यंत उत्साहित था कि चलो कोई तो है जो मुझे नकारात्मक रोल के लिए उपयुक्त मानता है। इसके अलावा ये सीरीज़ दानिश असलम द्वारा निर्देशित है अत: इसे अस्वीकार करने का तो कोई प्रश्न ही नहीं था।

**● आप इसमें नकारात्मक भूमिका निभा रहे हैं। क्या ऐसी भूमिका के लिए लंबे समय से प्रतीक्षा कर रहे थे?**

नहीं मैं किसी नकारात्मक भूमिका की प्रतीक्षा नहीं कर रहा था बल्कि मैं मेरे अब तक किये गए रोल से भिन्न कुछ करना चाह रहा था। अतीत में मैंने अधिकांशतया हास्य भूमिकाएं ही अधिक की हैं। लोग भी मुझसे ऐसे ही सरल स्वभाव वाली भूमिकाओं की अपेक्षा रखते हैं। मैं भी दिखाना चाहता था कि मैं अन्य प्रकार के रोल भी कर सकता हूं। मैं बल्कि नकारात्मक भूमिका का एक प्रयोग करके देखना चाहता था।

**● आप इससे पहले तक गुजराती और बॉलिवुड फिल्में तथा शोज़ करते रहे हैं। इस वेब सीरीज़ के लिए आपने क्या सोचकर सहमति दी थी?**

मैंने इस सीरीज़ में अपनी भूमिका तथा कंटेंट आदि तत्वों को देखकर ही सहमति दी थी। इससे पहले भी मुझे कई वेब सीरीज़ ऑफर की गई थीं लेकिन वे सभी मेरे द्वारा अतीत में की गई भूमिकाओं से कुछ अधिक भिन्न नहीं थीं। उनके ऐसा कोई रोल नहीं था जिससे मैं प्रेरित होता। लेकिन इस वेब सीरीज़ लेश में मेरा रोल अलग है और यही कारण है कि मैं इसे करने के लिए अत्यंत उत्साहित हूं।

**● ये ‘स्कैम 92’ किस बारे में है और इसमें आपकी क्या भूमिका रहने वाली हैं?**

इस सीरीज़ को निर्देशक हंसल मेहता निर्देशित करने वाले हैं। इसे 1992 के हर्षद मेहता घोटाले पर आधारित किया गया है। इसे बहुत शीघ्र ही सोनी लिव पर रिलीज़ किया जा सकता है। इसमें मेरा चरित्र यद्यपि छोटा सा है लेकिन ये तथ्य कि ये पूरी सीरीज़ वास्तविक जीवन पर आधारित है, सोचकर ही मैं उत्साहित हूं। ये रोल अत्यंत चुनौतीपूर्ण है क्योंकि ये वास्तविक घटनाओं पर आधारित है।

**● आप अभिनय के क्षेत्र में कैसे आ गए?**

मैं जब छोटा था तभी से अभिनय प्रारंभ कर दिया था। लेकिन तब इतना काम नहीं हुआ करता था। ये पिकनिक जैसा लगता था। अपने कॉलेज के दिनों से ही मैं थियेटर करता आ रहा हूं। उन्हीं दिनों मुझे अभिनय के बारे में गहन जानकारी मिली। लेकिन स्नातक के बाद ही मैंने व्यावसायिक स्तर पर इसे अपनाने का निर्णय लिया।

**● आपके अनुसार इस इंडस्ट्री में सर्वाधिक महत्वपूर्ण परिवर्तन क्या है?**

मैं इतना ही कहूंगा कि सोशल मीडिया का ही सर्वाधिक प्रभाव रहता है। मैं एक व्यक्ति हूं अत: कई लोग सोशल मीडिया पर फालोइंग देखकर ही मिलने की योजना बनाते हैं। ऐसे में हम जैसे लोगों के लिए काम करना और कठिन हो जाता है। ये कहना भी सही नहीं है कि सभी लोग ऐसा करते हैं लेकिन फिर भी ऐसे लोगों की संख्या काफी है। आपको आपकी प्रतिभा के लिए चयनित नहीं किया जाता बल्कि ये देखा जाता है कि क्या मैं उनके बजट में फिट हूं।

**मैं जब छोटा था तभी से अभिनय प्रारंभ कर दिया था। लेकिन तब इतना काम नहीं हुआ करता था। ये पिकनिक जैसा लगता था। अपने कॉलेज के दिनों से ही मैं थियेटर करता आ रहा हूं। उन्हीं दिनों मुझे अभिनय के बारे में गहन जानकारी मिली। लेकिन स्नातक के बाद ही मैंने व्यावसायिक स्तर पर इसे अपनाने का निर्णय लिया।**

**● क्या इसका ये अर्थ है कि अभी आपको फिल्म इंडस्ट्री की मान्यता नहीं मिली है?**

जी हां, मैं ऐसा ही सोचता हूं। अभी मैंने केवल आधा रास्ता ही तय किया है और अभी मुझे बहुत दूर जाना शेष है।

**● क्या ऐसा कोई रोल है जिसे करने की आपकी बहुत इच्छा है?**

मैंने वाईआरएफटेलिविज़न के लिए कई भूमिकाएं निभाई हैं। 2010 में रिश्ताडॉटकॉम के लिए मैंने हुज़ैफा अली का चरित्र किया था। इसके अलावा मेरा फतमागुल का रोल मुझे अत्यंत प्रिय है जो एक टर्की की सीरीज़ है।

**● आप कॉमेडी पहले भी करते रहे हैं और अब आप नकारात्मक भूमिकाओं की ओर जा रहे हैं। इनमें से आपको क्या अधिक प्रिय है?**

मैं कॉमेडी स्वाभाविक रूप में कर लेता हूं। ये मेरा पहला प्यार भी कहा जा सकता है। जब मैं छोटा था तब मैंने एक फिल्मी चक्कर किया था। मैंने सतीश शाह, रत्ना पाठक शाह तथा राजेश बेदी जैसे अभिनेताओं से काफी कुछ सीखा है। बचपन में मैं उन्हें बहुत ध्यान से देखा करता था। अपनी कॉमिक टाइमिंग के लिए मैं उन्हीं को पूरा श्रेय देना चाहता हूं।

**● आगे आपकी क्या योजना है?**

ऐसे तो मैंने कई योजनाएं बनाई थीं। लेकिन फिर कोरोना महामारी ने उन परियोजनाओं को विलंबित कर दिया। लेकिन अब ‘स्कैम 92’ रिलीज़ होने वाली है।

## ट्रेंड बाजार

### जॉन्सन ने गेट तोड़कर किया शक्ति प्रदर्शन

**अभिनेता** और पूर्व कुश्ती चैंपियन ड्वेन जॉन्सन ने अपने शारीरिक बल को प्रदर्शित करने के लिए अपने हाथों से ही गेट को उखाड़ डाला क्योंकि वो काम पर विलंब से नहीं पहुंचना चाहते थे। सोशलमीडिया पर बात करते हुए ड्वेन ने एक गेट का फोटो साझा किया जो धरती पर गिरा पड़ा था। उन्होंने इसके नीचे लिखा, ‘ये मेरे लिए सही समय नहीं था। लेकिन प्रत्येक व्यक्ति को काम पर तो जाना ही है। हमारे यहां तूफान के कारण बिजली नहीं होती और ऐसे में मेरा सामने का गेट नहीं खुल सकता था। मैंने इसके हाइड्रॉलिक प्रणाली को बाइपास करने का प्रयत्न किया जो सामान्यतया हो जाता है, लेकिन इस बार ये नहीं हुआ और इसके बाद जो हुआ वो आपके सामने है।’

### परिवार से ही विकसित होता है लड़कों का दृष्टिकोण

अभिनेत्री रीमा कागती का कहना है कि सभी लड़कों की मां होती हैं क्या ऐसा नहीं है? ऐसे में वे विपरीत लैंगिक पहचान वाले लोगों से मिलते और व्यवहार करते ही हैं। हमें अपने यहां एंटी मैरिटल रेप के संबंध में भी कानून लाना होगा। यदि आपने बड़े होते समय अपनी मां को विकल्प उपलब्ध है ऐसा देखा है और यदि उसकी राय भी सार्थक होती थी तो आप दूसरी महिलाओं के लिए भी अपना यही दृष्टिकोण रखेंगे।

### सभी को ड्रग्स का आदी बताना अर्धसत्य: श्वेता

**अभिनेत्री** श्वेता त्रिपाठी का कहना है कि यदि आप ये कहते हैं कि बॉलिवुड में अधिकांश लोग ड्रग्स लेते हैं तो ये अनुचित सामान्यीकरण होगा। उनके अनुसार ऐसा मानना अर्धसत्य होगा। उन्होंने कहा, ‘मेरा मानना है कि बॉलिवुड के बारे में जो धारणा बनी है कि यहां अधिकतर लोग ड्रग्स के आदी होते हैं और अभिनेत्रियो रोल पाने के लिए लोगों के साथ सो रही हैं और बाहरी लोगों को यहां अपना स्थान बनाने के लिए अधिक परिश्रम तथा संघर्ष करना पड़ता है और उन्हें अच्छी स्क्रिप्ट नहीं मिलतीं, तो ये केवल आधा सच है। तो आप समझ लें कि बॉलिवुड में ऐसे काम नहीं चलता। मेरी बात पर विश्वास कीजिये, कोई भी आपके मुंह में ड्रग्स डालने नहीं आता। यदि कोई युवा ड्रग्स की दुनिया में जाना चाहता है तो वो ये कैसे भी करेगा, फिर चाहे वो मुंबई हो या कोई और स्थान।’

## आगरा में 188 दिनों बाद पर्यटकों के लिए खुला ताजमहल

**भाषा।** आगरा

**आगरा** में 188 दिनों बाद सोमवार को ताजमहल को पर्यटकों के लिए खोल दिया गया। सबसे पहले चीन और दिल्ली के पर्यटकों ने ताजमहल का दीदार किया।कोरोना वायरस के मामले बढ़ने के बाद 17 मार्च से आगरा में ताजमहल और आगरा किला पर्यटकों के लिए बंद कर दिए गए थे। ताजमहल के खुलने पर पूर्वी प्रवेश द्वार से चीनी पर्यटक एल चीया और पश्चिमी गेट से दिल्ली के शुभम सिंह ने प्रवेश किया। ए दोनों ताजमहल का सबसे पहले दीदार करने वाले पर्यटक रहे। चीनी पर्यटक चीया ने ताजमहल को बहुत खूबसूरत इमारत बताया, वहीं दिल्ली के पर्यटक शुभम सिंह भी ताज का दीदार कर खुश नजर आए। स्पेन निवासी नईस ने बताया कि ताजमहल देखने के लिए वह बहुत आतुर थीं अब जाकर उनकी यह तमन्ना पूरी हुई है। दिल्ली निवासी रीतू ने कहा कि वह अपने परिवार के सदस्यों के साथ ताजमहल देखने पहुंची हैं। इससे पहले ताजमहल के भीतर सैनिटाइजेशन का काम किया गया। इस कार्य का जायजा अधीक्षण पुरातत्वविद बसंत कुमार स्वर्णकार ने किया। ताजमहल के खुलने से पर्यटन व्यवसाय से जुड़े लोगों में खुशी का माहौल है। गाइड नितिन सिंह ने कहा कि शीघ्र ही ताजमहल में पहले की तरह सैलानी आने लगेंगे और पर्यटन व्यवसाय से जुड़े लोगों को फायदा होगा। आगरा में सोमवार से ताजमहल, आगरा का किला और अन्य धार्मिक स्थल खुल गए हैं। हालांकि एम्पोरियम नहीं खोले गए हैं। ताज का दीदार करने आ रहे पर्यटकों को कोविड-19 के मद्देनजर प्रशासन और भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) द्वारा जारी दिशानिर्देशों का भी पालन करना होगा। नए दिशानिर्देश के मुताबिक ताजमहल में एक दिन में अधिकतम पांच हजार और आगरा किला में अधिकतम 2,500 पर्यटकों को ही प्रवेश मिलेगा। पर्यटकों को एएसआई की वेबसाइट से ऑनलाइन टिकट बुक करनी होगी। स्मारकों पर क्यूआर कोड को स्कैन करने के बाद प्रवेश दी जा रही है। इस संबंध में पुरातत्व विभाग के अधिकारियों का कहना है कि ताजमहल और आगरा किला में मानक परिचालन प्रक्रिया (एसओपी) का पालन किया जा रहा है।पर्यटकों को पार्किंग समेत सभी भुगतान डिजिटल माध्यम से करने होंगे। पर्यटकों के लिए शारीरिक दूरी का पालन करना और मास्क लगाना अनिवार्य होगा। पर्यटकों को दीवारों व रेलिंग से दूर रहना होगा। स्मारक में प्रवेश से पूर्व पर्यटकों की थर्मल स्क्रीनिंग की जा रही है। बिना लक्षण वाले पर्यटकों को ही परिसर में प्रवेश करने की अनुमति है। स्मारकों पर मौजूद रजिस्टर में सभी पर्यटकों का विवरण दर्ज किया जाएगा। एएसआई स्मारक के किसी भी आंतरिक भाग में प्रवेश रोक सकेगा। स्मारक में समूह में तस्वीर खिंचने की अनुमति नहीं होगी।

हस्तशिल्प एंपोरियम 30 सितंबर तक बंद रहेंगे। एंपोरियम संचालकों ने कोरोना वायरस संक्रमण और विदेशी पर्यटकों के नहीं आने पर हस्तशिल्प एंपोरियम 30 सितंबर तक बंद रखने का निर्णय लिया है।

## एमी पुरस्कार समारोह में स्चिट्स क्रीक, सक्सेशन और वॉचमैन को मिले बड़े पुरस्कार

**भाषा।** लॉस एंजिलिस

**कोरोना** महामारी के बीच मनोरंजन की दुनिया के बड़े समारोहों में शामिल एमी अवार्ड-2020 का आयोजन ऑनलाइन किया गया। कॉमेडी श्रेणी में स्चिट्स क्रीक, ड्रामा श्रेणी में सक्सेशन और लिमिटेड सीरिज की श्रेणी मे वॉचमैन ने शीर्ष पुरस्कार हासिल किए हैं।

यह समारोह पहले माइक्रोसॉफ्ट थिएटर में आयोजित होने वाला था लेकिन आयोजकों ने जुलाई में घोषणा की थी कि इसका आयोजन जिमी किमेल की मेजबानी में ऑनलाइन होगा। किमेल 2012, 2016 के बाद तीसरी बार इसकी मेजबानी कर रहे हैं। इस कार्यक्रम में किमेल के एकल संचालन में फर्जी हंसी को भी पीछे से जोड़ा गया था ताकि यह लाइव जैसा दिख सके। वहीं पुराने समारोहों के वीडियो भी जोड़े गए थे।

कॉमेडी सेक्शन में सभी शीर्ष पुरस्कार अपने नाम करके स्चिट्स क्रीक ने इतिहास रचा है। बेहतरीन कॉमेडी सीरिज के पुरस्कार से लेकर मुख्य अभिनेता और अभिनेत्री का पुरस्कार भी इस सीरिज के ही ओगेंस लेवी और कैथरीन ओ हारा ने अपने नाम किया। वहीं स्चिट्स क्रीक के ही कलाकारों को बेहतरीन सह अभिनेता और अभिनेत्री का पुरस्कार भी मिला है। एचबीओ शो सक्सेशन का दबदबा ड्रामा श्रेणी में देखने को मिला। उसकी झोली में सर्वश्रेष्ठ ड्रामा सीरिज, लेखन, निर्देशन का पुरस्कार आया। इसके निर्देशन के लिए एंड्रिज पारेख को पुरस्कार से नवाजा गया। भारतीय मूल के सिनेमेटोग्राफर ने कहा, वैसे लोग जो अपने सहपाठी को पसंद नहीं करते हैं और उन्हे बाहरी बताते हैं...यह सबूत है कि आप ताल्लुक रखते हैं और यह एमी हमारा है।

वहीं लिमिटेड सीरिज श्रेणी में एचबीओ का वॉचमैन अपना जलवा कायम करने में सफल रहा। उसकी झोली में सर्वश्रेष्ठ लिमिटेड सीरिज पुरस्कार के साथ ही सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री का पुरस्कार भी आया।

## हिंदी फिल्मोद्योग के बारे में टीवी समाचार चैनलों पर नकारात्मक धारणा बनाई गई है : अनुभव

**भाषा।** मुम्बई

**फिल्मकार** अनुभव सिन्हा का कहना है कि हिंदी फिल्मोद्योग के बारे में टेलीविजन समाचार चैनलों पर नकारात्मक धारणा बनाई गई है और प्रशंसकों के बीच उसका कोई महत्व नहीं है। अभिनेता सुशांत सिंह राजपूत की मौत के बाद से बॉलीवुड में भाई-भतीजावाद से लेकर अब कथित ड्रग व्यसन को लेकर बवंडर उठ खड़ा हुआ है। टीवी चैनलों की रिपोर्टिंग कई लोगों को खटकने लगी है और वे इसे असंवेदनशील एवं दखल बताने लगे हैं। पिछले कुछ महीनों से बॉलीवुड के बारे में टीवी की खबरों के आलोचक रहे सिन्हा ने कहा, इन टीवी चैनलों की टीआरपी देखिए। उनकी कोई अहमियत ही नहीं है। नकारात्मकता केवल टीवी खबरिया चैनलों पर है। क्या आपको लगता है कि सड़कों पर प्रशंसक कुछ भिन्न महसूस करने लगे हैं? नहीं। फिल्म थप्पड़ के निर्देशक ने कहा कि दर्शक समझने लगे है कि कैसे एजेंडा लगातार बदलता जा रहा है। उन्होंने कहा, वे इन समाचार चैनलों की खबरों के जरिए देख सकते हैं। वे देख सकते है कि कैसे ए चैनल अपना लक्ष्य हत्या से लेकर ड्रग, तो कभी किसी के गायब होने तक बदल रहे हैं। काम के मोर्चे पर सिन्हा अपने संगीत वीडियो बंबई में का बा के लोकप्रिय होने से खुश हैं। इस भोजपुरी रैप को डॉ. सागर ने लिखा है, इसका संगीत अनुराग सैकिया ने तैयार किया है तथा अभिनेता मनोज वाजपेई ने इसे गाया है। इसमें मुम्बई जैसे शहर में प्रवासी श्रमिकों की अपनी जीविका को लेकर जद्दोजहद को बयां किया गया है।

## रोमिला थापर ने अपनी नई किताब में असहमति के इतिहास को टटोला

**नई दिल्ली।** इतिहासकार रोमिला थापर अगले महीने एक ऐतिहासिक निबंध लेकर आएंगी जो देश में हाल में हुए विरोध प्रदर्शनों पर विशेष रूप से ध्यान केंद्रित करते हुए खास रूपों में इसकी अभव्यक्ति और सार्वजनिक प्रतिक्रिया सहित असहमति को टटोलेगा। वॉयसेज ऑफ डिसेंट शीर्षक वाली इस किताब का प्रकाशन पेंगुइन रैंडम हाउस इंडिया और सीगल बुक्स मिलकर कर रहे हैं। यह किताब बिक्री के लिए दुकानों पर 19 अक्टूबर से उपलब्ध होगी। प्रकाशकों ने कहा कि उप महाद्वीप में असहमति का लंबा इतिहास रहा है भले ही सदियों से इसका स्वरूप विकसित और बदलता रहा हो। थापर ने असहमति पर स्पष्टता रखते हुए इसके अहिंसक रूपों पर ध्यान केंद्रित किया जो सभी समाज के लिए आवश्यक है और यह भारतीय ऐतिहासिक अनुभवों के हिस्से के तौर पर विभिन्न मौकों और संदर्भों से जुड़े हुए हैं।

## ऋचा चड्ढा ने मीटू मामले में अपना नाम लिए जाने पर कानूनी कार्रवाई शुरू की

**मुंबई।** फिल्म अभिनेत्री ऋचा चड्ढा ने सोमवार को कहा कि फिल्मकार अनुराग कश्यप पर आरोपों से संबंधित मामले में अभिनेत्री पायल घोष द्वारा उनका नाम लिए जाने पर वह कानूनी कार्वाई शुरू कर रही हैं। घोष ने शनिवार को कश्यप पर यौन उत्पीड़न का आरोप लगाया था और निर्देशक ने इस आरोप को निराधार बताया था। उन्होंने यह दावा भी किया था कि कश्यप के ऋचा चड्ढा सहित अन्य महिला कलाकारों के साथ अंतरंग संबंध रहे हैं। चड्ढा ने इस मामले में ट्विटर पर अपनी वकील सवीना बेदी सच्चर के बयान को साझा किया। बयान में वकील ने कहा है, मेरे मुवक्किल ने उचित कानूनी कार्वाई शुरू की है और वह अपने कानूनी अधिकारों का उपयोग करेंगी।

गौरतलब है कि घोष ने अपना ट्वीट प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को टैग करते हुए कश्यप के खिलाफ कार्वाई की मांग की थी। घोष ने ट्वीट में कहा था, अनुराग कश्यप ने मेरे साथ बुरी तरह जबर्दस्ती की। प्रधानमंत्री कार्यालय और नरेन्द्र मोदी जी कार्वाई कीजिए तथा देश इस रचनात्मक व्यक्ति में छिपे शैतान को देखे। मुझे पता है कि यह मुझे नुकसान पहुंचा सकता है और मेरी सुरक्षा को खतरा है। कृपया मदद कीजिए। घोष के इन आरोपों को फिल्मकार अनुराग कश्यप ने खारिज करते हुए इन्हें निराधार करार दिया। इस बीच, कश्यप की पूर्व पत्नियों- फिल्म संपादक आरती बजाज और अदाकारा कल्कि ने फिल्मकार का समर्थन किया है। इसके अलावा अभिनेत्री तापसी पन्नू, हंसल मेहता, मोहम्मद जीशान अयूब सहित अन्य लोग भी कश्यप के समर्थन में सामने आए हैं।

## सभी फिल्म सिटीज़ की हो एक सामूहिक पहचान: कंगना

**अभिनेत्री** कंगना रानौत का कहना है कि वो सभी राज्यों की फिल्म इंडस्ट्री की एक सामूहिक पहचान चाहती हैं।

उनका ये वक्तव्य उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की उत्तर प्रदेश में सबसे बड़ी फिल्म सिटी बनाने की योजना सामने आने के बाद आया है।

उन्होंने अपने एक ट्वीट में कहा, ‘मैं उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री की इस घोषणा का स्वागत करती हूं। हमें फिल्म इंडस्ट्री में कई सुधार करने होंगे। हमें पहले एक बड़ी फिल्म इंडस्ट्री चाहिये जिसे हम भारतीय फिल्म उद्योग कह सकें। क्योंकि हम कई पहलुओं में विभाजित हैं और ऐसे में हॉलिवुड फिल्मों को इसका लाभ मिल जाता है। हमारा उद्योग एक हो लेकिन वो कई फिल्म सिटीज़ में स्थापित हो।’ उन्होंने ये भी कहा कि अच्छी क्षेत्रीय फिल्मों को भी अखिल भारतीय रिलीज़ नहीं मिल पाती। लेकिन डबिंग वाली हॉलिवुड फिल्मों को मुख्यधारा की रिलीज़ मिल जाती है। उनके अनुसार ये रुझान हमारे लिए चेतावनी है।

# कोरोना से संघर्ष पर मनदीप ने कहा, कभी भी इतना तनाव महसूस नहीं किया था

एजेंसी। बेंगलुरु

**पेशेवर** खिलाड़ी के तौर पर भारतीय पुरुष हॉकी टीम के स्ट्राइकर मनदीप सिंह ने अपने कॅरियर के दौरान कई कठिन परिस्थितियों का सामना किया है, लेकिन उन्होंने कहा कि कोरोना वायरस की चपेट में आने के बाद उससे उबरने के दौरान बिताया गया समय उनके लिए सबसे तनावपूर्ण रहा है। मनदीप सिंह, कप्तान मनप्रीत सिंह सहित उन छह पुरुष हॉकी खिलाड़ियों में से एक हैं, जिन्हें राष्ट्रीय शिविर के लिए यहां पहुंचने के बाद पिछले महीने कोविड-19 परीक्षण में पॉजिटिव पाया गया था।

मनदीप यहां अस्पताल में भर्ती होने वाले पहले खिलाड़ी थे। कोविड-19 से उबरने के बाद सभी छह खिलाड़ियों ने अपने व्यक्तिगत अभ्यास सत्र को फिर से शुरू कर दिया है। हॉकी इंडिया से जारी मीडिया विज्ञप्ति में मनदीप ने कहा कि हमने इस महामारी के घातक होने के बारे में पढ़ा और सुना है ऐसे में मुझे लगता है कि कोरोना वायरस की चपेट में आने के बाद पहले कुछ दिन तनावपूर्ण और चिंतित करने वाले थे। उन्होंने कहा कि एक पेशेवर हॉकी खिलाड़ी के रूप में मैंने कुछ सबसे कठिन मैच स्थितियों का सामना किया है, लेकिन मैंने कभी इस तरह के तनाव को महसूस नहीं किया था। भारत के लिए 2019 सत्र में सबसे ज्यादा गोल करने वाले इस खिलाड़ी ने कहा कि मैं इससे पहले कभी एंबुलेंस में नहीं गया था, कभी गंभीर रूप से चोटिल भी नहीं हुआ हूं। ऐसे में यह सब मेरे लिए एक नया अनुभव था। बीमारी से उबरने के बाद हॉकी इंडिया ने हमें आराम करने के लिए घर लौटने का विकल्प दिया था, लेकिन हम यहीं रहना चाहते थे और दल के बाकी सदस्यों से फिर से मिलना चाहते है। कोविड-19 से संघर्ष के दौरान टीम प्रबंधन से मिली मदद और समर्थन से 25 साल का यह खिलाड़ी काफी संतुष्ट है।

### फिर से खेल गतिविधियां शुरू होने से लग रहा है अच्छा

मनदीप ने कहा कि हमारे पास रॉबिन अर्केल के रूप एक बहुत अच्छा प्रशिक्षक है और वह जानता है कि हमें कितनी मेहनत करनी है। हम इस समय नियमित कार्य-भार का केवल 50-60 प्रतिशत काम कर रहे हैं और रोजाना सिर्फ एक सत्र में भाग ले रहे है। उन्होंने कहा कि मुख्य कोच ग्राहम रीड भी लगातार निगरानी कर रहे हैं कि हम सत्र के दौरान कैसा महसूस करते हैं। समूह के बाकी लोगों के साथ फिर से जुड़कर आना अच्छा लग रहा है। मैं पूरी तरह से ठीक होने से राहत महसूस कर रहा हूं। एफआईएच हॉकी प्रो लीग के मंगलवार से फिर से शुरू होने पर मनदीप ने कहा कि दुनिया भर में खेल गतिविधियों के फिर से शुरू होने से उन्हें अच्छा लग रहा है।

# स्टोक्स-स्मिथ के बिना चेन्नई से पार पाना रॉयल्स के लिए कठिन चुनौती

एजेंसी। शारजाह

**बेन** स्टोक्स पहले चरण में टीम से बाहर हैं और कनकशन चोट के शिकार स्टीव स्मिथ का खेलना संदिग्ध है लिहाजा ऐसे में राजस्थान रॉयल्स के लिए मंगलवार को इंडियन प्रीमियर लीग के अपने पहले मैच में चेन्नई सुपर किंग्स से पार पाना काफी कठिन होगा। जोस बटलर भी पहले मैच से बाहर रहेंगे, क्योंकि वह अपने परिवार के साथ अलग से आए हैं और उन्हें दुबई में 36 घंटे अनिवार्य पृथकवास में रहना होगा।

पिछली उपविजेता चेन्नई ने पहले मैच में गत चैंपियन मुंबई इंडियन्स को पांच विकेट से हराया। तीन बार की विजेता का पलड़ा रॉयल्स के खिलाफ भारी होगा चूंकि रॉयल्स के पास स्टोक्स नहीं है और सलामी बल्लेबाज बटलर भी पहले मैच से बाहर हैं। स्टोक्स अपने बीमार पिता की तीमारदारी के लिए न्यूजीलैंड में हैं। लीग के पहले चरण में उनकी गैर मौजूदगी से टीम का संतुलन बिगड़ा है। ऐसे में अगर क्रिकेट आस्ट्रेलिया की मेडिकल टीम स्मिथ को पहले मैच में खेलने की अनुमति नहीं देती तो रॉयल्स के लिए करारा झटका होगा। रॉयल्स के प्रदर्शन का दारोमदार काफी हद तक विदेशी खिलाड़ियों पर है। गेंदबाजी में इंग्लैंड के जोफ्रा आर्चर और आस्ट्रेलिया के एंड्रयू टाए पर जिम्मेदारी होगी तो रन बनाने का जिम्मा दक्षिण अफ्रीका के डेविड मिलर पर रहेगा। रॉयल्स के भारतीय खिलाड़ी लगातार अच्छा प्रदर्शन नहीं कर सके हैं। संजू सैमसन, रॉबिन उथप्पा, जयदेव उनादकट, वरूण आरोन अपेक्षाओं पर खरे उतरने में नाकाम रहे हैं।

### पहले मैच में जीत के बाद चेन्नई के हौसले बुलंद

दूसरी ओर पहले मैच में शानदार प्रदर्शन से चेन्नई के हौसले बुलंद है। सैम कुरेन ने शानदार हरफनमौला प्रदर्शन करके ड्वेन ब्रावो की कमी नहीं खलने दी जो चोट के कारण कुछ और मैचों में बाहर रहेंगे। अंबाती रायुडू और फाफ डु प्लेसी ने अपेक्षा के अनुरूप प्रदर्शन किया। आईपीएल के सफल गेंदबाज पीयूष चावला ने उन्हें खरीदने के टीम प्रबंधन के फैसले को सही साबित कर दिखाया। अगर अगले मैच में दीपक चाहर नहीं खेल पाते हैं तो उनका विकल्प शारदुल ठाकुर होंगे।

### टीमें:

**राजस्थान रॉयल्स :** स्टीव स्मिथ (कप्तान), जोस बटलर, रॉबिन उथप्पा, संजू सैमसन, बेन स्टोक्स, जोफ्रा आर्चर, यशस्वी जायसवाल, मनन वोहरा, कार्तिक त्यागी, आकाश सिंह, ओशेन थॉमस, एंड्रयू टाए, डेविड मिलर, टॉम कुरेन, अनिरूद्ध जोशी, श्रेयस गोपाल, रियान पराग, वरूण आरोन, शशांक सिंह, अनुज रावत, महिपाल लोमरोर, मयंक मार्कंडेय।

**चेन्नई सुपरकिंग्स :** महेंद्र सिंह धोनी (कप्तान), मुरली विजय, अंबाती रायुडू, फाफ डु प्लेसी, शेन वाटसन, केदार जाधव, ड्वेन ब्रावो, रविंद्र जडेजा, लुंगी एंगिडि, दीपक चाहर, पीयूष चावला, इमरान ताहिर, मिशेल सेंटनेर, जोश हेजलवुड, शारदुल ठाकुर, सैम कुरेन, एन जगदीशन, के एम आसिफ, मोनू कुमार, आर साइ किशोर, रूतुराज गायकवाड़, कर्ण शर्मा।

## गायकवाड़ ने कोरोना से उबरने के बाद शुरू किया अभ्यास

**दुबई।** चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के बल्लेबाज रुतुराज गायकवाड़ कोविड-19 की दो अनिवार्य परीक्षणों में नेगेटिव आने के बाद सोमवार पहली बार अभ्यास शुरू किया। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में मंगलवार को टीम को राजस्थान रॉयल्स का सामना करना है। महाराष्ट्र का 23 साल का यह खिलाड़ी कोरोना वायरस से संक्रमित होने के कारण दो सप्ताह तक पृथकवास पर था। वह शनिवार को गत चैंपियन मुंबई इंडियन्स के खिलाफ आईपील के मौजूदा सत्र के पहले मैच में टीम का हिस्सा नहीं थे। सीएसके ने ट्विटर पर इस बल्लेबाज की तस्वीर साझा करते हुए लिखा, सोमवार सुबह को जो

पहली चीज आप देखना चाहते है। देखों कौन आयाउ चेहरे पर मुस्कान और दिल की तरह आंखें, रुतुराज।

सीएसके के दल के 13 सदस्य पिछले महीने कोरोना वायरस पॉजिटिव पाए गए थे और इनमें दो खिलाड़ी रुतुराज और दीपक चाहर भी शामिल थे। चाहर और 11 अन्य लोग बीमारी से पहले ही उबर गए थे। चाहर ने दो अनिवार्य नेगेटिव नतीजों के बाद अभ्यास शुरू कर दी थी और वह मुंबई के खिलाफ मैच भी खेले थे। रुतुराज को हालांकि लंबे समय तक इंतजार करना पड़ा वह दुबई स्थिति केंद्र में पृथकवास पर थे। भारतीय ए टीम के इस नियमित सदस्य को सीएसके में सुरेश रैना के विकल्प के तौर पर देखा जा रहा है। रैना व्यक्तिगत कारणों से आईपीएल से हट गए हैं। माना जा रहा है कि दाएं हाथ के इस युवा बल्लेबाज ने यूएई रवाना होने से पहले चेन्नई के टीम शिविर में सीएसके कप्तान महेंद्र सिंह धोनी को प्रभावित किया था।

# पडिक्कल-डिविलियर्स के अर्धशतक, आरसीबी के पांच विकेट पर 163 रन

एजेंसी। दुबई

**युवा** देवदत्त पडिक्कल और अनुभवी एबी डिविलियर्स के अर्धशतकों की मदद से रॉयल चैलेंजर्स बेंगलोर (आरसीबी) ने पहले बल्लेबाजी का न्योता मिलने के बाद सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) मैच में सोमवार को यहां पांच विकेट पर 163 रन बनाए। आईपीएल में अपना पहला मैच खेल रहे पडिक्कल ने 42 गेंदों पर आठ चौकों की मदद से 56 रन बनाए, जबकि डिविलियर्स ने 30 गेंदों पर 51 रन की पारी खेली जिसमें चार चौके और दो छक्के शामिल हैं।

सनराइजर्स के गेंदबाजों की तारीफ करनी होगी जिन्होंने पावरप्ले में 53 रन देने के बाद मिशेल मार्श के चोटिल होने के बावजूद अच्छी वापसी की। उसकी तरफ से विजय शंकर, टी नटराजन और अभिषेक शर्मा ने एक. एक विकेट लिया। पडिक्कल ने पहले ओवर से ही आत्मविश्वास दिखाया और घरेलू क्रिकेट की अपनी फार्म के अनुरूप बल्लेबाजी की। उन्होंने भुवनेश्वर कुमार को सम्मान दिया, लेकिन दूसरे छोर से गेंदबाजों को निशाने पर रखकर मैदानों के चारों तरफ दर्शनीय शॉट लगाए। इस कारण डेविड वार्नर को पहले छह ओवर में ही गेंदबाजी में लगातार परिवर्तन करने पड़े। मार्श के टखना मुड़ जाने के कारण बाहर हो जाने से वार्नर की परेशानी बढ़ गई। उनका ओवर पूरा करने के लिए विजय शंकर पर आरोन फिंच (27 गेंदों पर 29, एक चौका, दो छक्के) ने पारी का पहला छक्का लगाया। फिंच ने पावरप्ले के बाद गेंद संभालने वाले करिश्माई लेग स्पिनर राशिद खान की गेंद भी छह रन के लिए भेजी।

क्रिकेट के तीनों प्रारूपों में पदार्पण पर अर्धशतक जड़ने वाले पडिक्कल ने आईपीएल में भी यह कारनामा किया। उन्होंने अभिषेक की गेंद पर डीप स्क्वायर लेग पर चौका जड़कर अपना पचासा पूरा किया। राशिद इसे कैच में बदल सकते थे लेकिन वह गेंद का सही अनुमान नहीं लगा पाए। सनराइजर्स के गेंदबाजों ने बीच के ओवरों में बल्लेबाजों को बांधे रखा। विजय शंकर ने पडिक्कल को बोल्ड किया तो अभिषेक ने अगले ओवर की पहली गेंद पर फिंच को पगबाधा आउट करके सनराइजर्स में जोश भरा। इन दोनों ने पहले विकेट के लिए 90 रन जोड़े। इसके बाद कप्तान विराट कोहली (13 गेंदों पर 14 रन) और डिविलियर्स क्रीज पर थे लेकिन चार ओवर तक गेंद सीमा रेखा तक नहीं पहुंची। कोहली ने लंबा शॉट खेलने के प्रयास में ही सीमा रेखा पर कैच दिया।

# चोटिल अश्विन अगले मैच के लिए तैयार होंगे

## लेकिन फैसला फिजियो को करना है: अय्यर

**दुबई।** दिल्ली कैपिटल्स के कप्तान श्रेयस अय्यर ने कहा कि भारतीय टीम के सीनियर ऑफ-स्पिनर रविचंद्रन अश्विन को उम्मीद है कि इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में टीम के अगले मैच से पहले वह कंधे की चोट से उबर जाएंगे, लेकिन उनकी उपलब्धता पर अंतिम फैसला टीम के फिजियो पैट्रिक फरहार्ड करेंगे। अश्विन ने रविवार को किंग्स इलेवन पंजाब के खिलाफ आईपील के 13वें सत्र के अपने पहले ओवर में ही दो विकेट चटकाकर शानदार शुरुआत की, लेकिन इस ओवर की आखिरी गेंद पर डाइव लगाकर कर अपना कंधा चोटिल कर बैठे।

सुपर ओवर में किंग्स इलेवन पंजाब को हराने के बाद अय्यर ने कहा कि मेरी अश्विन संक्षिप्त बातचीत हुई और उन्होंने कहा कि वह अगले मैच के लिए तैयार रहेंगे। इस मामले में हालांकि आखिरी फैसला फिजियो को करना है। कप्तान ने कहा कि वह मजबूत मानसिकता वाले खिलाड़ी है उम्मीद है कि अगले मैच से पहने वह उपलब्ध होंगे। अश्विन को पावरप्ले के आखिरी ओवर में गेंदबाजी पर लगाया गया। उन्होंने करुण नायर और निकोलस पूरन को आउट किया, लेकिन अंतिम गेंद पर एक रन रोकने के प्रयास में वह डाइव लगा बैठे और चोटिल हो गए।

## 'भारत के खिलाफ टेस्ट श्रृंखला के लिए टीम में अधिक बदलाव न करेंगे'

**पर्थ।** आस्ट्रेलिया के मुख्य कोच जस्टिन लैंगर ने संकेत दिया है कि भारतीय टीम साल के अंत में जब चार टेस्ट मैचों की श्रृंखला के लिए उनके देश का दौरा करेगी तब वे जांचे-परखे खिलाड़ियों के साथ उतरेंगे और शेफील्ड शील्ड में किसी खिलाड़ी के बेहतरीन प्रदर्शन करने पर ही टीम में बदलाव होगा। न्यूजीलैंड में फरवरी-मार्च के बाद यह भारत की पहली श्रृंखला होगी और इसके तीन दिसंबर से शुरू होने का कार्यक्रम है, लेकिन आयोजन स्थलों को लेकर थोड़ा भ्रम है क्योंकि आस्ट्रेलिया के विभिन्न शहरों में लॉकडाउन को लेकर अलग-अलग नियम हैं। लैंगर ने सोमवार को एडीलेड से एएपी से कहा कि हम पिछले 12 से 18 महीने में शानदार टेस्ट क्रिकेट खेल पाए हैं।

# किंग्स इलेवन पंजाब के खिलाड़ियों ने शॉर्ट रन कॉल के खिलाफ की अपील

एजेंसी। दुबई

**किंग्स** इलेवन पंजाब के खिलाड़ियों ने दिल्ली कैपिल्टल के खिलाफ आईपीएल मैच के दौरान अहम समय पर मैदानी अंपायर नितिन मेनन के विवादित शॉर्ट रन कॉल के खिलाफ अपील की है, जबकि पूर्व खिलाड़ियों ने सही नतीजों के लिए तकनीक के अधिक उपयोग की मांग की। मैच के सुपर ओवर में जाने से पहले टीवी फुटेज से पता चला कि स्क्वेयर लेग अंपायर मेनन ने 19वें ओवर की तीसरी गेंद पर क्रिस जोर्डन को शॉर्ट रन के लिए टोका था।

टीवी रिप्ले से हालांकि जाहिर था कि जोर्डन का बल्ला क्रीज के भीतर था जब उन्होंने पहला रन पूरा किया।

मेनन ने कहा कि जोर्डन क्रीज तक नहीं पहुंचे हैं, जिससे मयंक अग्रवाल और पंजाब के स्कोर में एक ही रन जोड़ा गया। तकनीकी साक्ष्य होने के बावजूद फैसला नहीं बदला गया। आखिरी ओवर में पंजाब को 13 रन चाहिए थे और पहली तीन गेंद पर अग्रवाल ने 12 रन बनाए। पंजाब की टीम एक रन पीछे रह गई और मैच सुपर ओवर में चला गया जिसमें दिल्ली ने जीत दर्ज की। किंग्स इलेवन के सीईओ सतीश मेनन ने कहा कि हमने मैच रैफरी से अपील की है। इंसान से गलती हो सकती है, लेकिन आईपीएल जैसे विश्व स्तरीय टूर्नामेंट में इसकी कोई जगह नहीं है। वह एक रन हमें प्लेआफ से वंचित कर सकता है। उन्होंने कहा कि हार तो हार ही होती है। यह अनुचित है। उम्मीद है कि नियमों की समीक्षा होगी ताकि इस तरह की गलती की गुंजाइश नहीं रहे। अपील का हालांकि नतीजा निकलने की उम्मीद कम है क्योंकि आईपीएल नियम 2.12 (अंपायर के फैसले) के तहत अंपायर फैसले को तभी बदल सकता है जब ये बदलाव तुरंत किए जाए। इसके अलावा अंपायर का फैसला अंतिम है।

## संक्षिप्त समाचार

### रीयाल मैड्रिड ने रीयाल सोशिडाड से ड्रा खेला

**मैड्रिड।** गत चैंपियन रीयाल मैड्रिड की स्पेनिश लीग फुटबॉल में शुरुआत आशातीत नहीं रही और पहले ही मुकाबले में उसे रीयाल सोशिडाड ने गोलरहित ड्रा पर रोका। पिछले सत्र की टीम में कोई बदलाव नहीं किया गया है, लेकिन जिनेदीन जिदान की टीम लय हासिल करने के लिए जूझती रही और उसे एक अंक से ही संतोष करना पड़ा। मैड्रिड ने पिछले 11 लीग मैचों में से 10 जीते हैं और तीन साल में पहला खिताब जीता। वह 2007.08 के बाद पहली बार लगातार दो खिताब जीतने की कोशिश में है।

### पांच खिलाड़ी फ्रेंच ओपन क्वालीफाइंग से बाहर

**पेरिस।** फ्रेंच ओपन क्वालीफाइंग दौर में दो खिलाड़ी कोरोना वायरस जांच में पॉजिटिव पाए गए जबकि तीन अन्य एक कोच के संपर्क में थे जो पॉजिटिव पाया गया है। फ्रेंच टेनिस महासंघ ने रविवार को एक बयान में कहा कि सभी पांचों खिलाड़ी पांच दिन के लिए पृथकवास में रहेंगे और उनमें से कोई भी 27 सितंबर से शुरू हो रहे क्वालीफायर में भाग नहीं लेगा। आयोजकों ने खिलाड़ियों या कोच का नाम नहीं बताया है। एफएफटी ने कहा कि गुरुवार से अब तक 900 कोरोना वायरस टेस्ट हो चुके हैं।

### चेन्नइयिन एफसी ने बोस्निया के सिपोविच से किया करार

**चेन्नई।** दो बार की चैंपियन चेन्नइयिन एफसी ने बोस्निया और हर्जेगोविना के मध्यपंक्ति के खिलाड़ी इनेस सिपोविच के साथ इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) के 2020-21 सत्र के लिए करार किया। क्लब की ओर से सोमवार को जारी बयान के मुताबिक लंबे कद का यह डिफेंडर कतर की टीम उम्म सलाल से फ्री ट्रांसफर आधार पर उससे जुड़ा। वह आगामी सत्र के लिए टीम से जुड़ने वाले तीसरे खिलाड़ी है। तीस साल के सिपोविच आईएसएल में खेलने वाले बोस्निया के पहले खिलाड़ी होंगे। वह भारत में खेलने को लेकर काफी उत्साहित है। उन्होंने कहा कि मैं भारत में खेलने को लेकर सहज हूं। मैं इस तरह के बेहतरीन क्लब का हिस्सा बनकर बहुत खुश हूं। मैं 2014 में हुए पहले सत्र से चेन्नइयिन एफसी का अनुसरण कर रहा हूं, उस समय मार्को मातेराजी इसके कोच थे। मुझे पता है कि यह एक ऐसी टीम है जिसके प्रशंसकों की संख्या काफी अधिक है और टीम काफी सफल रही है।

### जोकोविच को कार्ट पर आपा खोने के लिए मिली चेतावनी

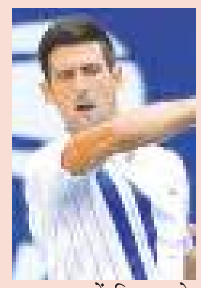

**रोम।** अमेरिकी ओपन में आपा खोकर बीच में ही बाहर होने के दो सप्ताह बाद दुनिया के नंबर एक टेनिस खिलाड़ी नोवाक जोकोविच को इटालियन ओपन सेमीफाइनल में भी चेतावनी दी गई। जोकोविच को कैस्पर रूट के खिलाफ 7.5, 6.3 से मिली जीत के बीच चेतावनी दी गई जब दूसरे सेट के तीसरे गेम में चेयर अंपायर से उनकी तीखी बहस हो गई थी। जोकोविच ने कहा कि मुझे चेतावनी मिलनी ही चाहिए थी। मेरी भाषा खराब थी। चेयर अंपायर से मेरे पिछले कुछ समय में विवाद रहे हैं। ऐसा क्षणिक आवेग में हो गया। कई बार कोर्ट पर ऐसा हो जाता है।

### नेपाल के दिग्गज पर्वतारोही अंग रीता शेरपा का निधन

**काठमांडू।** दुनिया की सबसे ऊंची पर्वत माउंट एवरेस्ट के शिखर पर ऑक्सीजन सिलेंडर के बिना 10 बार चढ़ने वाले नेपाल के प्रसिद्ध पर्वतारोही अंग रीता शेरपा का निधन हो गया। वह 72 साल के थे। नेपाल के पर्वतारोहण संघ ने यह जानकारी दी। उनका निधन काठमांडू स्थित आवास पर हुआ। वह लीवर की खराबी सहित कई अन्य बीमारियों से पीड़ित थे।उन्हें स्नो लेपर्ड (हिम तेंदुआ) के नाम से जाना जाता था। नेपाल पर्वतारोहण संघ के सचिव टीकाराम गुरुंग ने कहा, अंग रीता शेरपा एक महान पर्वतारोही थे जिन्होंने 1983 से 1996 के बीच 10 बार ऑक्सीजन सिलेंडर के बिना माउंट एवरेस्ट को फतह किया था। आज (सोमवार) उनका निधन हो गया। इस दिग्गज पर्वतारोही को प्रतिष्ठित गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड प्रमाण पत्र से सम्मानित किया गया था। उन्हें यह सम्मान ऑक्सीजन सिलेंडर के बिना 8,848 मीटर ऊंची माउंट एवरेस्ट पर सबसे ज्यादा पर सफलतापूर्वक फतह करने के लिए दिया गया था। इसके अलावा दिसंबर 1987 में ठंड के मौसम में ऑक्सीजन सिलेंडर के बिना एवरेस्ट फतह करने वाले पहले व्यक्ति बनने पर भी उन्हें गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड से सम्मानित किया गया था।

### फ्लेमिंग ने सैम कुरेन की तारीफों के पुल बांधे

**दुबई।** चेन्नई सुपरकिंग्स (सीएसके) के मुख्य कोच स्टीफन फ्लेमिंग इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में टीम की ओर से पदार्पण करने वाले सैम कुरेन के रवैए से प्रभावित हैं और उन्होंने कहा कि आईपीएल के पहले मैच में उनके योगदान ने चोट से उबर रहे स्टार आलराउंडर ड्वेन ब्रावो अनुपस्थिति नहीं खलने दी।कुरेन ने शनिवार को आईपीएल के 13वें सत्र के पहले मैच में मुंबई इंडियन्स के खिलाफ सीएसके की पहली जीत में अहम भूमिका निभाई थी। उन्होंने प्रभावशाली गेंदबाजी करने के बाद सिर्फ छह गेंद में 18 रन की पारी खेली जिससे सीएसके की टीम जीत के साथ शुरुआत करने में सफल रही।फ्लेमिंग ने मंगलवार को शारजाह में राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ होने वाले मैच से पूर्व सीएसके की वेबसाइट पर कहा, ड्वेन (ब्रावो) को गंवाना बड़ा नुकसान था और सैम ने इसकी भरपाई की। उन्होंने कहा, सैम की जिस चीज ने हमें प्रभावित किया वह उसका रवैया है और लय में आने के बाद उसका रवैया और बेहतर होता जाता है। उसके आलराउंडर कौशल पर कोई भी कप्तान तुरंत भरोसा कर सकता है और वह उस तक शॉट खेल सकता है जैसे उसने खेले। जब टीम को जीत के लिए 17 गेंदों पर 29 रन चाहिए थे तब सीएसके के कप्तान महेंद्र सिंह धोनी ने कुरेन को अपने से पहले बल्लेबाजी के लिए भेजकर सभी को हैरान कर दिया था। ब्रावो की चोट पर न्यूजीलैंड के पूर्व कप्तान ने कहा कि वेस्टइंडीज का आलराउंडर अच्छी तरह उबर रहा है और कुरेन के प्रदर्शन को देखते हुए उन्हें जल्दबाजी करने की जरूरत नहीं है।उन्होंने कहा, ब्रावो अच्छी प्रगति कर रहा है, उसके शत प्रतिशत फिट होने के लिए हम उसके साथ करीब से काम कर रहे हैं। हमें लगातार तीन मैच खेलने हैं इसलिए हम एक बार में एक मैच पर ध्यान देंगे और हर बार ट्रेनिंग करते हुए उसका निरीक्षण करेंगे।ब्रावो ने कहा, सैम के प्रदर्शन के ब्रावो के ऊपर से दबाव थोड़ा कम हुआ है लेकिन वह दुनिया के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों में से एक है और चयन के लिए उसका उपलब्ध होना हमारे लिए

# जीत के करीब पहुंचकर मिली नाकामी का दुख है: बल्लेबाज मंयक अग्रवाल

एजेंसी। दुबई

**दिल्ली** कैपिटल्स के खिलाफ शानदार वापसी करके जीत की दहलीज पर पहुंचने के बावजूद इंडियन प्रीमियर लीग का पहला मैच हारने वाली किंग्स इलेवन पंजाब के बल्लेबाज मयंक अग्रवाल ने कहा कि मैच को फिनिश नहीं कर पाने का उन्हें दुख है। जीत के लिए 158 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए पंजाब ने पांच विकेट 55 रन पर गंवा दिए थे, लेकिन इसके बाद अग्रवाल ने 89 रन बनाकर उसे 157 रन तक पहुंचाया। आखिरी दो गेंद में पंजाब को एक रन चाहिए था, लेकिन मार्कस स्टोइनिस ने दोनों गेंद पर विकेट लेकर मैच को सुपर ओवर में खिंचा जिसमें दिल्ली विजई रही।

मयंक ने कहा कि यह कठिन दिन था, लेकिन काफी सकारात्मक पहलू भी हैं। हमने जिस तरह से वापसी की, वह शानदार था। नई गेंद से उम्दा गेंदबाजी की। इन हालात में पहुंचकर जीत नहीं पाने का बहुत दुख होता है। उन्होंने कहा कि यह पहला ही मैच था। हम आगे जीतेंगे। पहला मैच इस तरह से खेलना शानदार था। हमें एक ही रन चाहिए था और हमें जीतना चाहिए था। बेंगलुरू के इस 28 वर्षीय बल्लेबाज ने कहा कि 158 रन का स्कोर अच्छा था। उन्होंने कहा कि यह अच्छा स्कोर था और ब्रेक में हमें पता था कि अच्छी साझेदारियां बनाने पर हम जीत सकते हैं। हमने अच्छी बल्लेबाजी की लेकिन अब आखिरी क्षणों के बारे में क्या कहूं। उन्होंने दिल्ली के हरफनमौला स्टोइनिस की तारीफ की, जिसने 21 गेंद में 53 रन बनाने के बाद गेंद से भी कमाल किया। दिल्ली के बाएं हाथ के स्पिनर अक्षर पटेल ने कहा कि स्टोइनिस का टीम का अच्छा प्रभाव रहेगा। उन्होंने कहा कि टीम छह गेंदबाजों के साथ उतरती है तो एक हरफनमौला की जरूरत होती है। स्टोइनिस ने पहले ही मैच में शानदार प्रदर्शन करके बता दिया कि वह बल्ले और गेंद दोनों के फन में माहिर है।

# दबाव की परिस्थितियों में खेलने के अभ्यस्त हैं: अय्यर

एजेंसी। दुबई

**दिल्ली** कैपिटल्स के कप्तान श्रेयस अय्यर ने किंग्स इलेवन पंजाब के खिलाफ सुपर ओवर तक खिंचे उतार चढ़ाव वाले मैच में जीत दर्ज करने के बाद कहा कि उनकी टीम ऐसी परिस्थितियों में दबाव में नहीं आती है और इस तरह के मैचों की अभ्यस्त है। अय्यर ने रविवार को जीत के बाद कहा कि मैच में इस तरह के उतार चढ़ाव देखना मुश्किल था लेकिन हमारी टीम इसकी अभ्यस्त है। यहां तक कि पिछले सत्र में भी हमने ऐसी परिस्थितियों का सामना किया था। दिल्ली कैपिटल्स की जीत के नायक मार्कस स्टोइनिस और कैगिसो रबाडा रहे।

रबाडा ने सुपर ओवर में केवल दो रन दिए और दो विकेट लिए।

अय्यर ने साथ ही कहा कि टीम को कैच लेने का अभ्यास करना होगा। अय्यर ने कहा कि रबाडा मैच विजेता खिलाड़ी और जिस तरह से स्टोइनिस ने बल्लेबाजी की उससे मैच का पासा ही पलट गया। रोशनी आंखों पर पड़ने के कारण कैच लेना मुश्किल था, लेकिन यह कोई बहाना नहीं है। हमें इस विभाग में सुधार करना होगा।

### टीम ने की कुछ गलतियां : केएल राहुल

किंग्स इलेवन पंजाब के कप्तान केएल राहुल ने मयंक अग्रवाल की जमकर प्रशंसा की, लेकिन साथ ही कहा कि उनकी टीम ने कुछ गलतियां की। राहुल ने कहा कि यह हमारा पहला मैच था और हमने इससे काफी कुछ सीखा। उसने (मयंक) अविश्वसनीय पारी खेली और मैच को इतना करीब ले गया। वह टेस्ट मैचों में अच्छा कर रहा है और मैच को इतना करीब लाने से टीम का आत्मविश्वास बढ़ेगा। उन्होंने कहा कि परिणाम जो भी रहा कप्तान होने के नाते मैं उसकी जिम्मेदारी लेता हूं। हम अपनी रणनीति पर कायम रहे, लेकिन हमने कुछ गलतियां भी की। जब स्कोर पांच विकेट पर 55 रन था तब भी हम सकारात्मक बने रहे।

दिल्ली ने मैन ऑफ द मैच स्टोइनिस के अर्धशतक की मदद से आठ विकेट पर 157 रन बनाए। इसके बाद स्टोइनिस ने रविचंद्रन अश्विन के चोटिल होने पर गेंदबाजी का जिम्मा भी अच्छी तरह संभाला और आखिरी दो गेंदों पर दो विकेट लिए और मैच टाई कराकर सुपर ओवर तक खींचा। अश्विन केवल एक ओवर कर पाए जिसमें उन्होंने दो विकेट लिए। इसके बाद वह चोटिल होकर मैदान छोड़कर बाहर चले गए, लेकिन अय्यर ने संकेत दिए कि वह अगले मैच में खेल सकते हैं। उन्होंने कहा कि अश्विन ने कहा कि वह अगले मैच तक फिट हो जाएगा, लेकिन आखिर में फैसला फिजियो को करना है। अक्षर पटेल ने उनके चोटिल होने के बाद बीच के ओवरों में शानदार गेंदबाजी की।

# वनस्पति विज्ञान के क्षेत्र में हैं कॅरियर की असीम संभावनाएं

"वनस्पति विज्ञान में कॅरियर देख रहे छात्रों को बाहरी वातावरण से प्यार होना चाहिए। उनका मौखिक और लिखित संचार कौशल भी बेहतरीन होना जरूरी है। वनस्पति विज्ञानियों के पास लंबे समय तक काम करने के लिए अच्छे पारस्परिक कौशल, मानसिक सहनशक्ति होनी चाहिए।"

**वनस्पति** विज्ञान जैविक विज्ञान की एक शाखा है, जो पौधों के अध्ययन से संबंधित है। वनस्पति विज्ञान पौधों के विभिन्न समूहों के बीच संरचना, विकास, प्रजनन, चयापचय, विकास, बीमारियों और रासायनिक गुणों और विकासवादी संबंधों का अध्ययन करता है। इसमें तीन सौ हजार से अधिक प्रजातियों के पौधों का अध्ययन किया गया है, जिसमें जमीन पर लगने वाले काई से लेकर विशाल पेड़ तक शामिल हैं। बॉटनी एक कॅरियर के रूप में उन लोगों के लिए सबसे बेहतर माना जाता है, जिनका प्रकृति और पौधों के प्रति आकर्षण है। एक वनस्पति विज्ञानी आधुनिक विज्ञान और उद्योग में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। वानस्पतिक अध्ययन ने कई दवाओं और दवाओं के विकास में मदद की है, जो पौधों से निकाले जाते हैं और वास्तव में कई बीमारियों से लड़ने में सहायक होते हैं। यह पौधों के उत्पादन में भी मदद करता है जो कपास, रबर, कागज, रेशम, वनस्पति तेलों आदि जैसे प्राकृतिक कच्चे माल प्रदान करते हैं। ऐसे में अगर आप प्रकृति के करीब रहकर उसे गहराई से समझना चाहते हैं, तो वनस्पति विज्ञान में अपना एक उज्वल भविष्य देख सकते हैं।

### योग्यता

वनस्पति विज्ञानी के रूप में कॅरियर के लिए न्यूनतम आवश्यकता एक स्नातक की डिग्री है। हालांकि स्नातक की डिग्री प्राप्त करने के बाद आप मास्टर लेवल और डॉक्टरेट लेवल के पाठ्यक्रम भी किए जा सकते हैं। इस क्षेत्र में, वनस्पति विज्ञान के छात्र रुचि के क्षेत्र के अनुसार कई विशेषज्ञता से चुन सकते हैं। जैसे प्लांट पैथोलॉजी, प्लांट फिजियोलॉजी, प्लांट जेनेटिक्स व प्लांट इकोलॉजी आदि।

### व्यक्तिगत कौशल

एजुकेशन एक्सपर्ट कहते हैं कि वनस्पति विज्ञान में कॅरियर देख रहे छात्रों को बाहरी वातावरण से प्यार होना चाहिए। उनका मौखिक व लिखित संचार कौशल भी बेहतरीन होना जरूरी है। वनस्पति विज्ञानियों के पास लंबे समय तक काम करने के लिए अच्छे पारस्परिक कौशल, मानसिक सहनशक्ति होनी चाहिए। माइक्रोस्कोप के साथ काम करने की क्षमता महत्वपूर्ण है क्योंकि उनका अधिकांश कार्य प्रयोगशाला में है। इस वैज्ञानिक दुनिया में होने के लिए कंप्यूटर कौशल भी आवश्यक है।

### कॅरियर की संभावनाएं

वनस्पति विज्ञानियों के लिए नौकरी की असीम संभावनाएं मौजूद हैं। एजुकेशन एक्सपर्ट कहते हैं कि उनके लिए विकल्प केवल भारत तक ही सीमित नहीं हैं, कई अवसर विदेशों में भी उपलब्ध हैं। हालांकि उनके जॉब के अवसर उनकी शैक्षणिक योग्यता व अनुभव पर करता है।

आप चाहें तो विभिन्न शिक्षण संस्थानों में लेक्चरर या प्रोफेसर के रूप में काम कर सकते हैं। इसके अलावा, आप बतौर प्लांट साइंटिस्ट्स व वीड साइंटिस्ट्स भी अपना कॅरियर आगे बढ़ा सकते हैं। एक प्लांट साइंटिस्ट्स विभिन्न राज्य विभागों, बॉटनिकल सर्वे ऑफ इंडिया, पर्यावरण संरक्षण एजेंसी आदि, औषधि कंपनियों, तेल उद्योग, रसायन उद्योग, लकड़ी और कागज कंपनियों, आनुवांशिक अनुसंधान उद्योग, वनस्पति उद्यान, नर्सरी, फल उत्पादकों, खाद्य कंपनियों, पुरातात्विक संग्रहालयों में भी काम कर सकते हैं। इसके अलावा, मेडिकल प्लांट रिसर्च, प्लांट डिसीज, प्लांट ब्रीडिंग और प्लांट जेनेटिक्स जैसे क्षेत्रों में वनस्पति विज्ञानियों की मांग बढ़ रही है। कुछ वनस्पति विज्ञानी जैविक आपूर्ति घरों, बीज कंपनियों, जैव प्रौद्योगिकी फर्मों और दवा निर्माताओं के लिए प्रशासन और विपणन में काम करते हैं।

### आमदनी

एक वनस्पति विज्ञानी की आमदनी उनके द्वारा चुने गए फील्ड, शैक्षणिक योग्यता व अनुभव के आधार पर निर्धारित होती है। टीचर व रिसर्चर की शुरुआती आमदनी 12,000 से 18,000 रुपये प्रतिमाह के बीच हो सकती है।

### प्रमुख संस्थान

- महारानी लक्ष्मी अम्मानी कॉलेज फॉर विमेन: बॉटनी विभाग, बैंगलोर
- एमजी साइंस इंस्टीट्यूट, गुजरात
- विजयराजे गवर्नमेंट गर्ल्स पीजी कॉलेज, ग्वालियर
- स्वामी विवेकानंद महाविद्यालय, त्रिपुरा

# असम में 5000 से ज्यादा पदों पर शिक्षक भर्ती

**डायरेक्ट्रेट** ऑफ एलिमेंट्री एजुकेशन, असम ने टीचर्स के विभिन्न पदों पर 5043 वैकेंसीज निकाली हैं। जिनमें असिस्टेंट टीचर, लोअर तथा अपर प्राईमरी स्कूल के टीचरों के कुल 3941 पद हैं, वहीं हिंदी के शिक्षकों की कुल संख्या 1102 है। योग्य और इच्छुक उम्मीदवार बताए गए प्रारूप के अंतर्गत अंतिम तिथि 26 सितंबर 2020 से पहले असम राज्य सरकार की ऑफिशियल वेबसाइट www.dee.assam.gov.in पर ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। वहीं डीईई असम टीचर रिक्रूटमेंट 2020 के अंतर्गत निकली पदों का संक्षिप्त विवरण यहां देख सकते हैं।

असिसटेंट टीचर लोअर तथा अपर प्राईमरी स्कूल के सहायक शिक्षक, विज्ञान के शिक्षक,साथ ही असमिया भाषा शिक्षक और यूपी स्कूलों के मणिपुरी भाषा शिक्षक के 3941 पदों पर योग्य और इच्छुक उम्मीदवार आवेदन कर सकते हैं। इसके साथ ही इच्छुक उम्मीदवार प्रारंभिक शिक्षा निदेशालय असम के तहत यूपी के कुल 1102 हिंदी शिक्षकों के पदों पर भी आवेदन कर सकते हैं।

### शैक्षणिक योग्यता

**असिस्टेंट टीचर:** किसी भी यूजीसी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से स्नातक और प्रारंभिक शिक्षा में उत्तीर्ण होना चाहिए। इसके साथ ही दो वर्षीय डिप्लोमा बीएड या डीएड किया होना चाहिए और प्रारंभिक शिक्षा विभाग असम द्वारा आयोजित यूपीएस के लिए असम टीईटी की परीक्षा में उत्तीर्ण होना चाहिए।

**साइंस के टीचर:** किसी भी मान्यता प्राप्त विवि से स्नातक में उत्तीर्ण होना चाहिए, साथ ही 2 साल का एलिमेंटरी एजुकेश में डिप्लोमा या बीएड या डीएड होना आवश्यक है। इसके साथ ही असम द्वारा आयोजित यूपीएस के लिए असम टीईटी में उत्तीर्ण होना भी जरूरी है।

### असिस्टेंट टीचर और हिंदी टीचर के लिए चयन प्रक्रिया

इन पदों पर आगर आयु सीमा की बात की जाए तो सामान्य कैटेगिरी की उम्र 18 से 40 के बीच होनी चाहिए। आरक्षित श्रेणी को नियमानुसार छूट दी जाएगी। पदों पर चयन प्रक्रिया मेरिट के आधार पर होगी। इसके साथ ही अगर सैलेक्शन हो जाता है, तो दूसरे एलाउंस के साथ असिस्टेंट टीचर पद की सैलेरी 14,000 से 60,500 रुपये होगी और हिंदी टीचर के पदों की सैलेरी भी 14,000 से 60,500 होगी।

### कैसे करें आवेदन

इच्छुक और योग्य उम्मीदवार 26 सितंबर 2020 तक आवेदन कर सकते हैं । अभ्यार्थी असम राज्य सरकार की वेबसाइट www.dee.assam.gov.in पर जाकर आवेदन कर सकते हैं ।

# बैंक ऑफ इंडिया के 214 पदों पर निकली है भर्तियां

**बैंक** ऑफ इंडिया में विभिन्न पदों की भर्ती के लिए ऑनलाइन पंजीकरण प्रक्रिया आज यानि 16 सितंबर 2020, बुधवार से शुरू होगी। आवेदन प्रक्रिया शुरू होने के बाद इच्छुक और योग्य उम्मीदवार बैंक ऑफ इंडिया की ऑफिशियल वेबसाइट bankofindia.co.in पर जाकर इन पदों के लिए ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। बैंक ऑफ इंडिया के 214 रिक्तियों को भरने के लिए यह भर्ती प्रक्रिया चलाई जा रही है। जिसमें से 4 पद अर्थशास्त्री के लिए 2 पद स्टैटिसियन के लिए 9 रिस्क मैनेजर के लिए, 60 क्रेडिट एनालिस्ट के लिए, 79 पद क्रेडिट ऑफिसर के लिए, 30 आईटी फिनटेक के 12 डाटा साइनटिस्ट के, 8 पोस्ट आईटी सेक्यूरिटी और टेक मूल्यांकन के लिए 10 पद शामिल हैं ।

**आवेदन कैसे करें :** बैंक ऑफ इंडिया के पदों के लिए आपको बैंक ऑफ इंडिया की ऑफिशियल वेबसाइट bankofindia.gov.in पर जाकर आवेदन करना होगा। यह आवेदन 30 सितंबर से पहले करना होगा।

**आवेदन शुल्क :** बैंक ऑफ इंडिया 2020 पदों के लिए सामान्य वर्ग को 850 रुपये भुगतान करना होगा। जबकि एससी, एसटी, ओबीसी आरक्षित श्रेणी में आने

वाले उम्मीदवारों के लिए 175 रुपये का आवेदन शुल्क भुगतान करना होगा। यह भुगतान आप डेबिट कार्ट क्रेडिट कार्ड और नेट बैंकिंग के जरिए कर सकते हैं ।

**कहां से कितने प्रश्नन पूछे जा सकते हैं :** ऑनलाइन परीक्षा में 175 प्रश्न होंगे और उम्मीदवारों को 150 मिनट में इसका उत्तर देना होगा। परीक्षा में अंग्रेजी भाषा के 50 प्रश्न और बैंकिंग इंडस्ट्री से संबंधित जनरल अवेयरनेस के प्रश्न पूछे जाएंगे। बाकी के 75 सवाल प्रोफेशनल नॉलेज सेक्सन से होंगे।

**योग्यताएं :** पद से संबंधित योग्यताओं की जानकारी और उम्र की समय सीमा के बारे में आप बैंक ऑफ इंडिया के ऑफिशियल वेबसाइट पर जाकर देख सकते हैं।

**महत्वपूर्ण तारीख :** 16 सितंबर, बुधवार से आवेदन शुरू हो गया। 30 सितंबर 2020 को आवेदन का आखरी दिन है।

# भारत की सच्ची आजादी क्या है ?

## सुदर्शन सुचि का कहना है कि बेहतर परवरिश और वैकल्पिक देखभाल एक मजबूत देश का निर्माण करने की है कुंजी

भारत ने इस 74वां स्वतंत्रता दिवस मनाया। हमने नब्बे के दशक से 2018 तक मानव विकास सूचकांक में लगभग 50 फीसदी वृद्धि की प्रगति हासिल की है। अर्थव्यवस्था की बात करें तो आज हमें एशियाई शेर माना जाता है। हमने मंगल पर पांव रखा, सबसे साहसिक कर सुधार लागू किए, अनेक भारतीय बहुराष्ट्रीय कंपनियां पैदा कीं और साथ ही अनेक अन्य क्षेत्रों में हम विश्व मानचित्र पर चमक रहे हैं। इस गौरवपूर्ण क्षण में, हम गतिशीलता बनाए रखने की आवश्यकताओं पर विचार करना चाहते हैं। उन आवश्यकताओं में से एक है अपने बच्चों पर निवेश करना जो हमारा भविष्य हैं। दुर्भाग्यवश, कुछ आंकड़े हमारे देश के लिए निरंतर चिंता बने हुए हैं। बाल मृत्यु दर ऊंची (सालाना पांच साल से कम आयु के 13.4 लाख) है। भारतीय बच्चों में कुपोषण की घटनाएं लगभग चीन की तुलना में लगभग पांच गुना और उप-सहारा अफ्रीका की तुलना में दोगुनी हैं। राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वे 2015-16 के अनुसार, 18 साल से कम आयु के लगभग पांच फीसदी बच्चे देश में अनाथ है। बेघर बेसहारा बच्चों की इस परिघटना के भविष्य में गंभीर दुष्परिणाम हैं, क्योंकि, मानव संसाधनों की दुर्दशा देश की सामाजिक आर्थिक प्रगति की राह में बाधक है।

अनाथालय में पल रहे बच्चे काफी बेरूखी झेलते हैं। यद्यपि, किशोर अपराध न्याय अधिनियम (जेजे), 2015, समेकित बाल सुरक्षा योजना(आईसीपीएस) तथा फॉस्टर केयर गाइडलाइंस, सभी न्यूनतम मानकों के प्रावधान सुनिश्चित करते हैं, मसलन समायोजन अर्थात प्रत्यक्ष ढांचा, स्वच्छता, साफ सफाई और सेवाएं जिनमें चिकित्सा सुविधाएं, खुराक स्तर, पहनना और सोना, रोजमर्रा दिनचर्या, शिक्षा, व्यवसायिक प्रशिक्षण, पुनर्वास, तथा सामाजिक पुनर्मिलन शामिल हैं। लेकिन इन अधिकारों के साकार होने में महत्वपूर्ण खामियां हैं। देखभाल की बुरी अवस्था के कारण गंभी चुनौतियों का सामना करना होता है, बाल देखभाल अधिकारियों की अपर्याप्त क्षमताओं के साथ प्रत्यक्ष एवं मानव संसाधनों की कमी, बच्चों की नगण्य संख्या।

हालांकि, एक सबसे महत्वपूर्ण कारक है देखभालकर्ताओं व बच्चों के बीच बदतर सामाजिक-भावनात्मक संबंध। इसके कारण खराब शारीरिक विकास से लेकर जुड़ाव समस्याएं तथा आचरणगत व मानसिक कमियों वाले अनेक परेशान करने वाले हालात पैदा होते हैं। एक बात यदि सभी याद करें, तो हमारा बचपन सुरक्षित व सानिध्यपूर्ण वातावरण वाला था जिसे आम तौर पर हमारे माता पिता ने निर्मित किया था। अधिक स्पष्टता के साथ कहें तो यह हमारी माताओं की मेहरबानी से हुआ जो आजीवन हमारे जीवन एक ठोस सहारा बनी रहती हैं।

भारत के एसओएस चिल्डेंऊस विलेजेस में, हम हर समय प्रशिक्षित देखभालकर्ता के रूप में एसओएस मां की मौजूदगी सुनिश्चित करके बच्चों के लिए इस अनुभव की पुनर्रचना करने का प्रयास करते हैं। एसओएस मां एक स्वायत्त व्यक्ति है, जो अपने बच्चों के समग्र विकास में सन्नद्ध है। हम आवासीय बाल सुरक्षा मानकों पर भरोसा करते हैं जो संयुक्त राष्ट्र के वैकल्पिक देखभाल दिशानिर्देशों और संयुक्त राष्ट्र बाल अधिकार सम्मेलन (यूएनसीआरसी) के सिद्धांतों पर आधारित हैं जिससे कि हर बच्चे की वैयक्तिक, व्यक्तिगत गुणात्मक देखभाल सुनिश्चित हो, वे तब कि अधिक प्रेरणा, खुशहाल वातावरण व सहयोग पा सकें जब तक कि हमारे समाज में आत्मनिर्भर, योगदान करने वाले व्यक्ति के रूप में स्थापित नहीं हो जाते। हर साल 300 युवाओं को समाज से जोड़ा जाता है जिनमें से कई अपने क्षेत्रों में अग्रणी बन गए हैं।

इस तजुर्बे ने जो हमें सिखाया है, वो यह कि बच्चों की परवरिश में, मानव जीवन के सहयोग के लिए आवश्यक सभी बुनियादी सुविधाओं के साथ, नियमित जुड़ाव व सुरक्षा की आवश्यकता होती है। आनंदकारी बचपन का अनुभव प्रत्यक्ष दीवारों या ऊंचे ढांचों के जरिए पैदा नहीं होता है, यह प्रेम, देखभाल व समर्पण से पैदा होता है।

बाल देखभाल में अपने छह दशक के दीर्घ अनुभव के आधार पर हम राज्य और केंद्र सरकार के साथ गहन सानिध्य में काम करते हैं ताकि इस देश में दो करोड़ बच्चों की वैकल्पिक देखभाल के परिणामों में सुधार आए। क्योंकि, हम मानते हैं कि सच्ची आजादी तब आएगी जब हम एक साथ मिलकर सभी बच्चों को एक प्रेरणादायी, आनंदकारी अनुभव प्रदान करेंगे जहां समर्पित देखभालकर्ता के साथ उनकी प्रेम, करुणा और लगाव के साथ उनकी परवरिश की जाएगी। बेहतर परवरिश और वैकल्पिक देखभाल एक मजबूत देश का निर्माण करने की कुंजी है।

**- लेखक एसओएस चिल्ड्रेंस विलेजेस की राष्ट्रीय निदेशक हैं।**